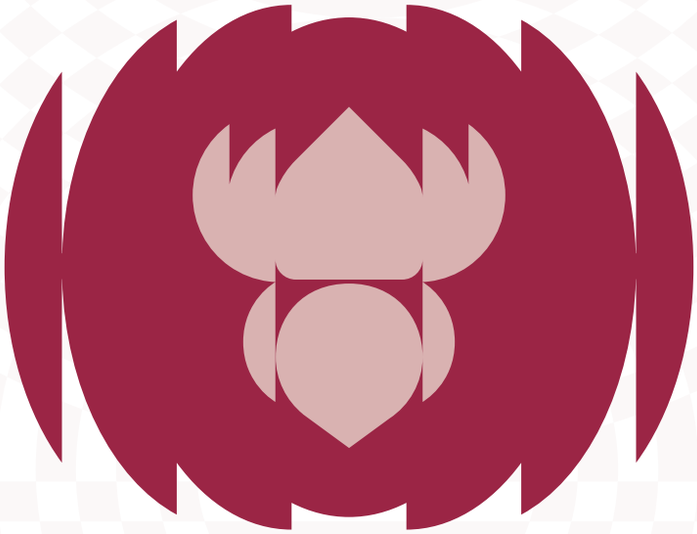

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार २०२२
National Film Awards 2022

आधिकारिक विवर्णिका **OFFICIAL CATALOGUE**

संजय जाजू (सचिव, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय)
Sanjay Jaju (Secretary, Ministry of Information and Broadcasting)

वृंदा मनोहर देसाई (संयुक्त सचिव, फ़िल्म, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय)
Vrunda Manohar Desai (Joint Secretary, Films, Ministry of Information and Broadcasting)

इंद्राणी बोस (उप निदेशक, राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार सेल)
Indrani Bose (Deputy Director, National Film Awards Cell)

सम्पादकः पंकज रामेंदु (हिन्दी), उरूज (अंग्रेजी)
Editors: Pankaj Ramendu (Hindi), Urooj (English)

सहयोगः अनुप कुमार
Assisted by: Anup Kumar

संयोजनः अभिनव क्षीरसागर, जयंत सिंह, जोलिन क्लेयर लंगहु, मो. काशिफ़ एजाज़, प्रत्युषराज, सम्ज़ाइइले
Co-ordination: Abhinav Kshirsagar, Jayant Singh, Jolyn Clare Langhu, Md. Kashif Ejaz, Pratyushraj, Samzaiyile

डिजाइनः राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद
Design: National Institute of Design, Ahmedabad

कला निर्देशकः शेमल पंड्या
Creative Director: Shemal Pandya

डिज़ाइनर्सः रोहित परांज़पे, विभूति जैन
Designers: Rohit Paranjape, Vibhuti Jain

प्रकाशकः के.सं.ब., सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
Publisher: CBC, Ministry of Information and Broadcasting

विषय सुचि/ **CONTENTS**

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार
DADASAHEB PHALKE AWARD

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार के विषय में **006**
About Dadasaheb Phalke Award

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार : अब तक सम्मानित **010**
Dadasaheb Phalke Award: Past Recipients

पुरस्कार चयन समिति **016**
Award Committee

मिथुन चक्रवर्ती - प्रोफाइल **020**
Mithun Chakraborty - Profile

फ़ीचर फ़िल्में
FEATURE FILMS

फ़ीचर फ़िल्में - एक नज़र में **054**
Feature Films - At a Glance

सर्वश्रेष्ठ फ़ीचर फ़िल्म **058**
Best Feature Film

निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम फ़िल्म **060**
Best Debut Film of a Director

संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फ़िल्म **062**
Award for Best Popular Film Providing Wholesome

राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों पर सर्वश्रेष्ठ फ़ीचर फ़िल्म **064**
Best Feature Film Promoting National, Social and Environmental Values

एवीजीसी में सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म **066**
Best Film in AVGC

सर्वश्रेष्ठ असमिया फ़िल्म **070**
Best Assamese Film

सर्वश्रेष्ठ बांग्ला फ़िल्म **072**
Best Bengali Film

सर्वश्रेष्ठ हिन्दी फ़िल्म **074**
Best Hindi Film

सर्वश्रेष्ठ कन्नड़ फ़िल्म **076**
Best Kannada Film

निर्णायक मंडल (फ़ीचर फ़िल्म) **024**
Feature Film Jury

निर्णायक मंडल (गैर-फ़ीचर फ़िल्म) **030**
Non-Feature Film Jury

निर्णायक मंडल (सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन) **034**
Best Writing on Cinema Jury

प्रादेशिक निर्णायक मंडल (फ़ीचर फ़िल्म) **036**
Regional Feature Film Jury (Feature Film)

सर्वश्रेष्ठ मलयालम फ़िल्म **078**
Best Malayalam Film

सर्वश्रेष्ठ मराठी फ़िल्म **080**
Best Marathi Film

सर्वश्रेष्ठ उड़िया फ़िल्म **082**
Best Odia Film

सर्वश्रेष्ठ पंजाबी फ़िल्म **084**
Best Punjabi Film

सर्वश्रेष्ठ तमिल फ़िल्म **086**
Best Tamil Film

सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फ़िल्म **088**
Best Telugu Film

सर्वश्रेष्ठ तिवा फ़िल्म **090**
Best Tiwa Film

सर्वश्रेष्ठ निर्देशन **092**
Best Direction

मुख्य भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता **093**
Best Actor in a Leading Role

मुख्य भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (साझा) **094**
Best Actress in a Leading Role (Shared)

विषय सुचि/ CONTENTS

फ़ीचर फ़िल्में
FEATURE FILMS

सहायक भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता 096
Best Actor in Supporting Role

सहायक भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री 097
Best Actress in Supporting Role

सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार 098
Best Child Artist

सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक 099
Best Male Playback Singer

सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका 100
Best Female Playback Singer

सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी 101
Best Cinematography

सर्वश्रेष्ठ पटकथा (मौलिक) 102
Best Screenplay (Original)

सर्वश्रेष्ठ पटकथा (संवाद लेखक) (साझा) 103
Best Screenplay (Dialogues Writer) (Shared)

सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिज़ाइन 105
Best Sound Design

सर्वश्रेष्ठ संपादन 106
Best Editing

सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिज़ाइन 107
Best Production Design

सर्वश्रेष्ठ वेशभूषाकार 108
Best Costume Designer

सर्वश्रेष्ठ मेकअप 109
Best Make-up

सर्वश्रेष्ठ संगीत 110
Best Music Direction (Songs)

सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (बैकग्राउंड) 111
Best Music Direction (Background)

सर्वश्रेष्ठ गीत 112
Best Lyrics

सर्वश्रेष्ठ नृत्य कला 113
Best Choreography

सर्वश्रेष्ठ एक्शन निर्देशन (स्टन्ट कोरियोग्राफ़ी) (साझा) 114
Best Action Direction Award (Stunt Choreography) (Shared)

सर्वश्रेष्ठ वीएफएक्स पर्यवेक्षक (साझा) 116
Best VFX Supervisor (Shared)

विशेष उल्लेख 119
Special Mention

कथासार 121
Synopsis

गैर-फ़ीचर फ़िल्म
NON-FEATURE FILMS

गैर:फ़ीचर फ़िल्म: एक नज़र में 128
Non-Feature Films: At a Glance

सर्वश्रेष्ठ गैर-फ़ीचर फ़िल्म 130
Best Non-Feature Film

निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम गैर-फ़ीचर फ़िल्म 132
Best Debut Non-Feature Film of A Director

सर्वश्रेष्ठ जीवनी/ऐतिहासिक पुनर्निर्माण/संकलन फ़िल्म 134
Best Biographical / Historical Reconstruction / Compilation Film

सर्वश्रेष्ठ कला एवं सांस्कृतिक फ़िल्म (साझा) 136
Best Arts and Cultural Film (Shared)

सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र 140
Best Documentary

सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों पर सर्वश्रेष्ठ गैर-फ़ीचर फ़िल्म 142
Best Non Feature Film Promoting Social And Environmental Values

सर्वश्रेष्ठ एनीमेशन फ़िल्म 144
Best Animation Film

विषय सुचि/ **CONTENTS**

गैर-फ़ीचर फ़िल्म
NON-FEATURE FILMS

सर्वश्रेष्ठ लघु फ़िल्म **146**
Best Short Film

सर्वश्रेष्ठ निर्देशन **148**
Best Direction

सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी **149**
Best Cinematography

सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिज़ाइन **150**
Best Sound Design

सर्वश्रेष्ठ संपादन **151**
Best Editing

सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन **152**
Best Music Direction

सर्वश्रेष्ठ प्रकथन/वॉइस ओवर **153**
Best Narration/Voice Over

सर्वश्रेष्ठ पटकथा **154**
Best Script (Shared)

विशेष उल्लेख **155**
Special Mention

कथासार **159**
Synopsis

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन
BEST WRITING ON CINEMA

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तक **164**
Best Book on Cinema

सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म समीक्षक **166**
Best Film Critic

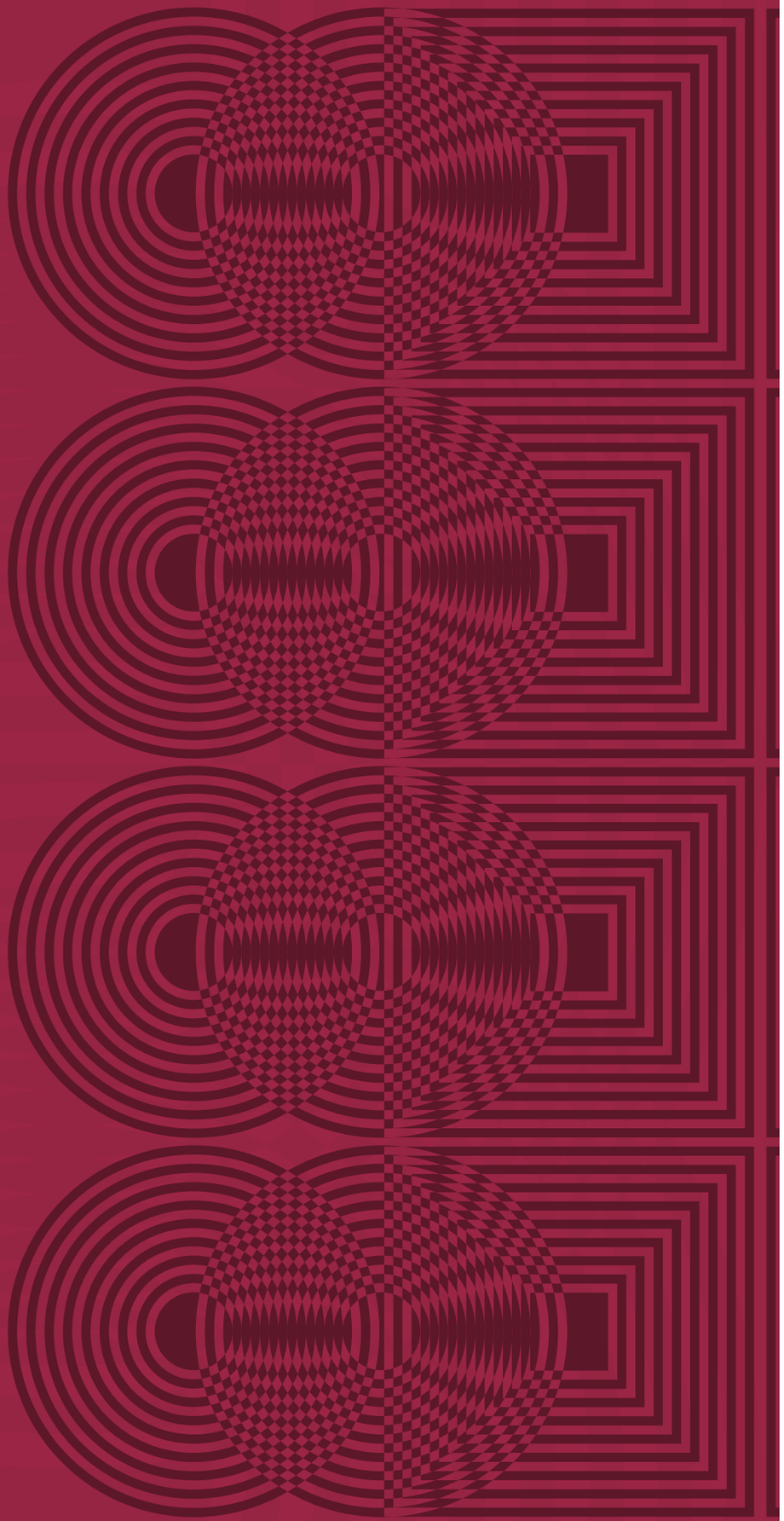

दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा के संवर्धन और विकास में अप्रतिम योगदान के लिए किसी एक फ़िल्मी व्यक्तित्व को दिया जाता है। इसके अंतर्गत पुरस्कार स्वरूप स्वर्ण कमल, ₹15,00,000/- प्रशस्ति पत्र तथा शॉल प्रदान किया जाता है। भारत सरकार ने वर्ष 1969 में भारतीय सिनेमा के जनक, धुंडिराज गोविन्द फ़ाल्के के सम्मान में इसे स्थापित किया था।

The Dadasaheb Phalke Award is given to a film personality for his / her outstanding contribution to the growth and development of Indian Cinema. The Award comprises a Swarna Kamal, a cash Prize of ₹15,00,000/- and a shawl. The award was instituted in 1969 by the government in honour of the father of Indian cinema, Dhundiraj Govind Phalke.

77वें

DADASAHEB PHALKE AWARD

दादासाहेब फाळके पुरस्कार

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार
Dadasaheb Phalke Award

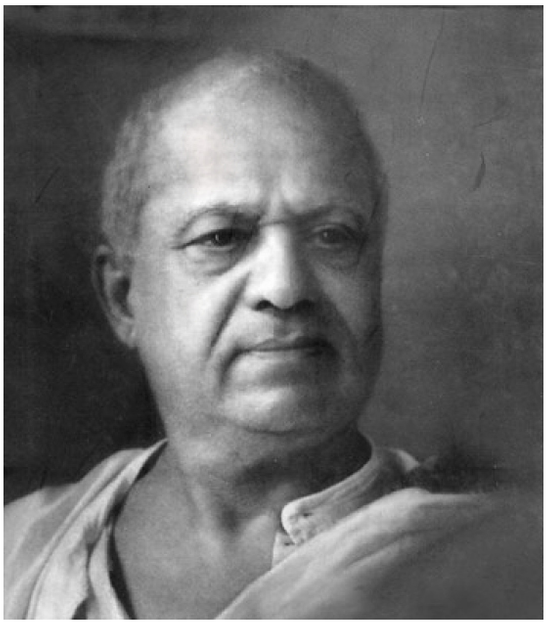

भारतीय सिनेमा के जनक धुंडिराज गोविंद फाल्के जिन्हें दादासाहेब फाल्के के नाम से जाना जाता हैं, (1870-1944) ने 1913 में भारत की पहली फ़ीचर फ़िल्म राजा हरिशचंद्र के द्वारा एक विलक्षण नवोन्मेषी फिल्मी जीवन की शुरुआत की। निर्माता, निर्देशक और पटकथा लेखक के रूप में उन्होंने अपनी कंपनी हिंदुस्तान फ़िल्म्स के द्वारा सिर्फ 15 सालों में 95 फ़ीचर फ़िल्मों और 26 लघु फ़िल्मों का निर्माण किया। उनकी महत्त्वपूर्ण फ़िल्मों में मोहिनी भस्मासुर (1913), सत्यवान सावित्री (1914), लंका दहन (1917), श्री कृष्ण जन्म (1918) और कालिया मर्दन (1919) शामिल हैं।

तेजी से बदलता कैरियर, हठी स्वभाव और विदेश यात्राएं, 20वीं सदी के उषाकाल में एक पारिवारिक व्यक्ति के बजाए उन्हें 21वीं सदी के किशोर के ज्यादा नज़दीक ले आते हैं। मुद्रण व्यवसाय में प्रवेश करने से पहले उन्होंने फोटोग्राफ़ी स्टुडियो से अपना कार्य शुरू किया। फिर कला की शिक्षा प्राप्त की और वे एक जादूगर और मंच कलाकार भी बने। चित्रकार राजा रवि वर्मा से प्रेरित होकर उन्होंने लीथोग्राफ़ी और ओलियोग्राफ़ी में दक्षता हासिल की। बाद में उन्होंने अपना प्रिंटिंग प्रेस स्थापित किया। आधुनिकतम प्रौद्योगिकी और मशीनरी के बारे में सीखने के लिए उन्होंने जर्मनी की यात्रा भी की। हालांकि अपने भागीदार के साथ विवाद होने पर उन्होंने मुद्रण व्यवसाय छोड़ दिया। एक मूक फ़िल्म दि लाइफ ऑफ क्राइस्ट से गहरे रूप में प्रभावित होने पर उन्होंने फ़िल्म बनाने का निर्णय लिया। उन्होंने लंदन से एक कैमरा, प्रिंटिंग मशीन, परफ़ोरेटर और कच्चा माल खरीदा। उन्होंने वहीं पर फ़िल्म बनाने का क्रैश कोर्स भी किया। इसके बाद उन्होंने भारत की पहली फ़ीचर फ़िल्म राजा हरिश्चंद्र बनायी। इस फिल्म को 1913 में बंबई के कोरोनेशन सिनेमा में प्रदर्शित किया गया और उसे अपार सफलता मिली।

प्रथम विश्वयुद्ध के कारण भयंकर वित्तीय और कच्चे माल का संकट - पैदा हो गया था, फिर भी उनका हौसला पस्त नहीं हुआ। उन्होंने - लघु, वृत्तचित्र, शिक्षाप्रद, ऐनिमेशन और हास्य फिल्में बनायीं। जल्दी ही उन्होंने पाँच व्यावसायिकों की भागीदारी में एक फ़िल्म कंपनी हिंदुस्तान फ़िल्म्स की स्थापना की, जिसमें एक स्टूडियो था और प्रशिक्षित टेक्नीशियन और अभिनेता भी थे। एक बार फिर वे अपने भागीदारों के साथ संकट में फंस गये और उन्होंने कंपनी छोड़ दी।

फ़ाल्के ने कुछ और फ़िल्मों का निर्देशन किया लेकिन वे अब अवरोध महसूस करने लगे। 1931 के बाद उनकी मूक फ़िल्में सवाक फ़िल्मों के साथ प्रतिद्वंद्विता नहीं कर पा रही थीं। उनकी अंतिम फिल्मों में सेतु बंधन (1932) और सवाक फ़िल्म गंगावतरण (1937) थीं। 1944 में उनका देहावसान हो गया। दादा साहब फ़ाल्के ने फ़िल्मों की एक महान परंपरा का सूत्रपात किया। उन्होंने कई विपत्तियों और निजी त्रासदियों को झेला और ऐसे भारतीय फ़िल्म उद्योग की बुनियाद रखी जो आज विश्व में सर्वाधिक सफल और वैविध्यपूर्ण फ़िल्म उद्योग है।

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार
Dadasaheb Phalke Award

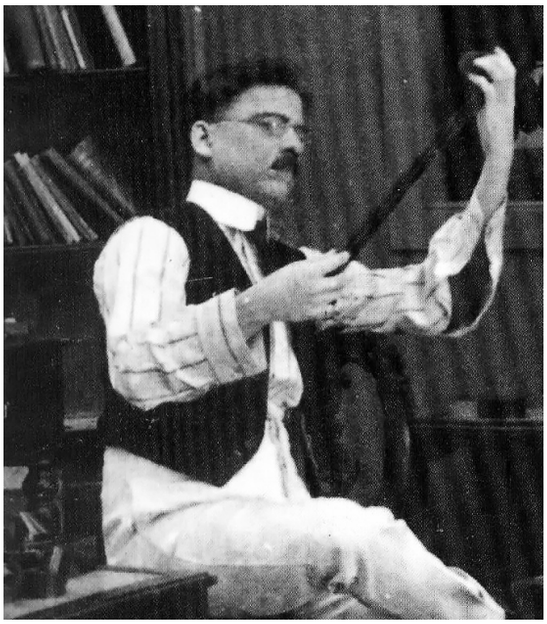

Dhundiraj Govind Phalke or Dadasaheb Phalke (1870-1944) is regarded as the father of Indian cinema. He directed India's first feature film, Raja Harishchandra, in 1913, flagging off a remarkably inventive career. A producer, director and screenwriter, he is credited with making 95 feature films and 26 short films - a significant number - that his company Hindustan Films made in barely 15 years. His amazing body of work includes Mohini Bhasmasur (1913), Satyavan Savitri (1914), Lanka Dahan (1917), Shri Krishna Janma (1918) and Kaliya Mardan (1919).

His rapid career switches, headstrong nature and trips abroad, more closely characterise a teenager in the 21st century, than a family man at the dawn of the 20th century. Starting out in a photography studio, he studied art, was a magician and stage performer, before joining the printing business. Inspired by the painter Raja Ravi Varma, Phalke specialised in lithographs and oleographs. Later, he started his own printing press, and even travelled to Germany to learn more about the latest technology and machinery. However, following a dispute with his partners, he quit the printing business. Greatly impressed by a silent film, The Life of Christ, he decided to make a film.

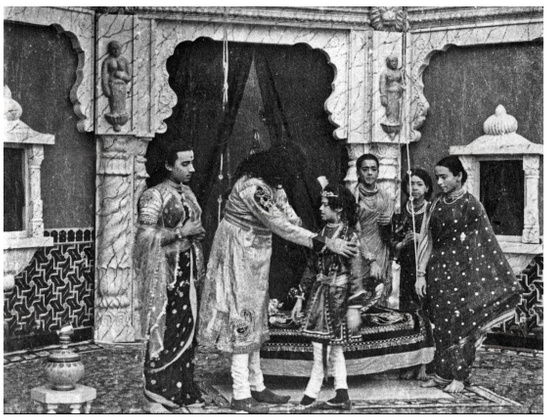

He sailed to London and bought a camera, printing machine, perforator and raw stock, and even got a crash course in film making.

He soon made Raja Harishchandra, on a righteous king who sacrifices his family and kingdom to fulfil a vow and uphold the truth. India's first feature film Raja Harishchandra was exhibited at Bombay's Coronation Cinema in 1913, and was a grand success. Undeterred when World War I brought a severe financial and raw stock crunch, he made shorts, documentary features, educational, animation and comic films. Soon he established a film company, Hindustan Films, in partnership with five businessmen, with a studio, and trained technicians and actors. Again he ran into trouble with his partners and quit.

Phalke directed a few more films, but felt constrained. Moreover his silent films were unable to cope with competition from the talkies after 1931. Among his last films were Setu Bandhan (1932) and a talkie, Gangavataran (1937). He died in 1944. Dadasaheb Phalke leaves behind a pioneer's legacy, not only of his astonishing films, but a joyous inventiveness, and a resilient, unbowed spirit that weathered many reverses and personal tragedies. Little did he know then that he was laying down the very foundations of the Indian film industry.

पूर्ववर्ती दादासाहेब फाल्के पुरस्कार विजेता

देविका रानी रोरिच
Devika Rani Roerich
1969

बी. एन. सरकार
B. N. Sircar
1970

पृथ्वीराज कपूर
Prithviraj Kapoor
1971

पंकज मलिक
Pankaj Mullick
1972

सुलोचना (रूबी मेयर्स)
Sulochana (Ruby Myers)
1973

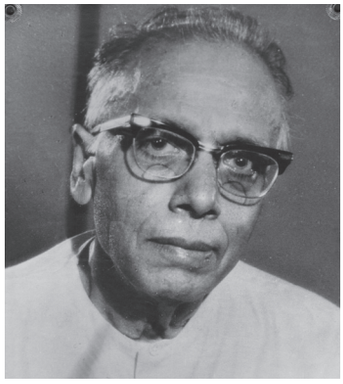

बी. एन. रेड्डी
B. N. Reddy
1974

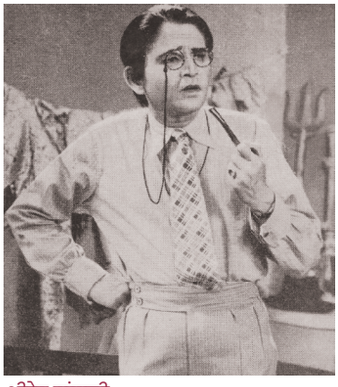

धीरेन गांगुली
Dhiren Ganguly
1975

कानन देवी
Kanan Devi
1976

नितिन बोस
Nitin Bose
1977

DADASAHEB PHALKE AWARD PAST RECIPIENTS

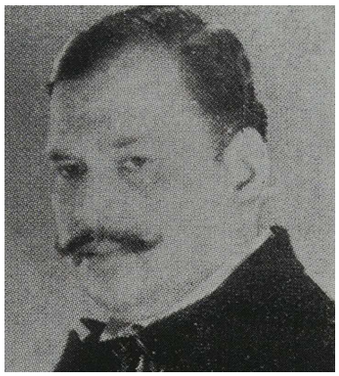

आर. सी. बोराल
R. C. Boral
1978

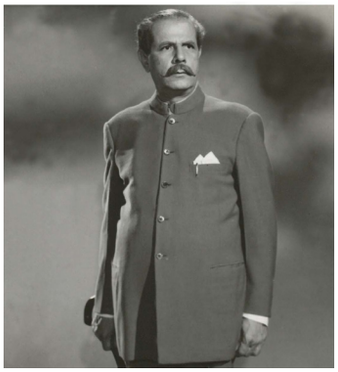

सोहराब मोदी
Sohrab Modi
1979

पी. जयराज
P. Jairaj
1980

नौशाद अली
Naushad Ali
1981

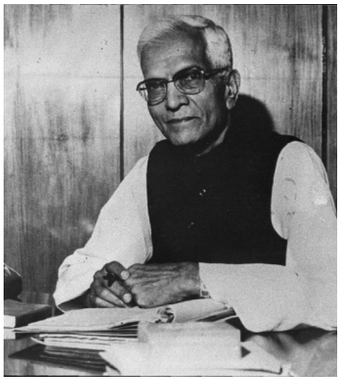

एल. वी. प्रसाद
L. V. Prasad
1982

दुर्गा खोटे
Durga Khote
1983

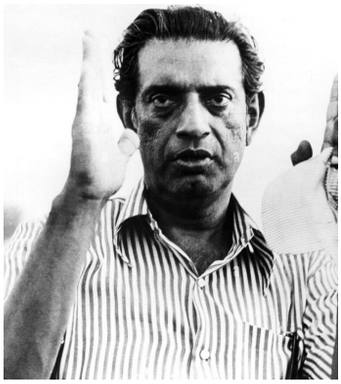

सत्यजीत राय
Satyajit Ray
1984

वी. शांताराम
V. Shantaram
1985

बी. नागी रेड्डी
B. Nagi Reddy
1986

पूर्ववर्ती दादासाहेब फाल्के पुरस्कार विजेता

राज कपूर
Raj Kapoor
1987

अशोक कुमार
Ashok Kumar
1988

लता मंगेशकर
Lata Mangeshkar
1989

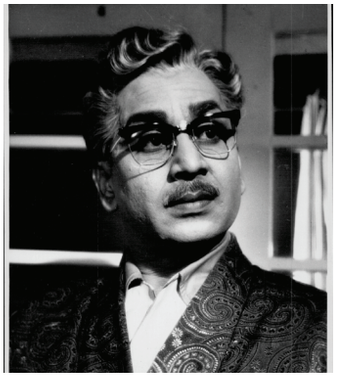

ए. नागेश्वर राव
A. Nageswara Rao
1990

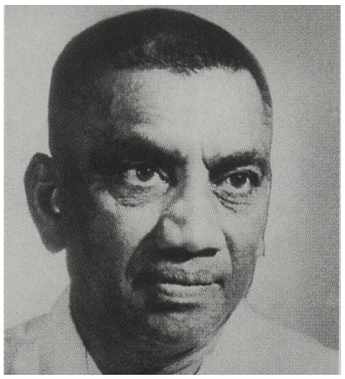

बी. जी. पेंढारकर
B. G. Pdendharkar
1991

डॉ. भूपेन हज़ारिका
Dr. Bhupen Hazarika
1992

मजरूह सुल्तानपुरी
Majrooh Sultanpuri
1993

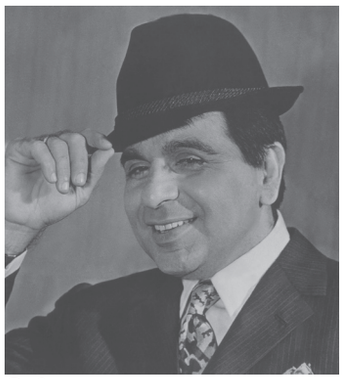

दिलीप कुमार
Dilip Kumar
1994

डॉ. राजकुमार
Dr. Rajkumar
1995

DADASAHEB PHALKE AWARD PAST RECIPIENTS

शिवाजी गणेशन
Shivaji Ganesan
1996

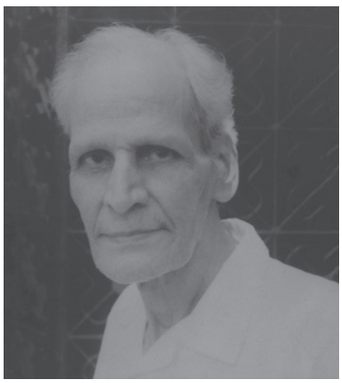

कवि प्रदीप
Kavi Pradeep
1997

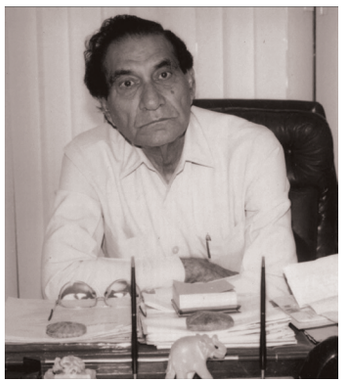

बी. आर. चोपड़ा
B. R. Chopra
1998

हृषिकेश मुखर्जी
Hrishikesh Mukherjee
1999

आशा भोसले
Asha Bhosle
2000

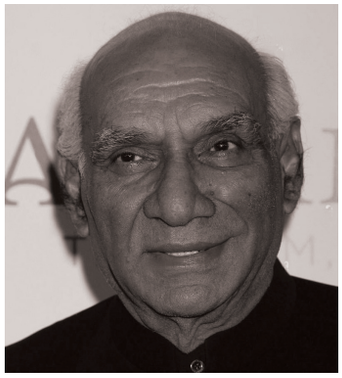

यश चोपड़ा
Yash Chopra
2001

देव आनंद
Dev Anand
2002

मृणाल सेन
Mrinal Sen
2003

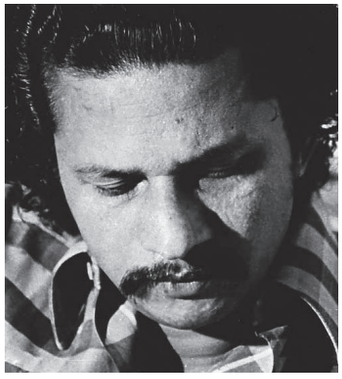

अडूर गोपालकृष्णन
Adoor Gopalakrishnan
2004

पूर्ववर्ती दादासाहेब फाल्के पुरस्कार विजेता

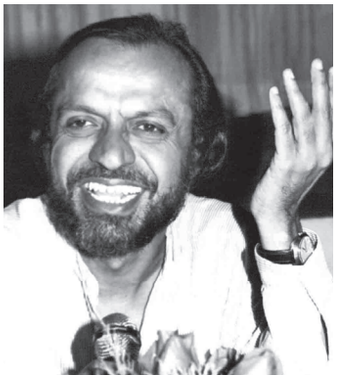

श्याम बेनेगल
Shyam Benegal
2005

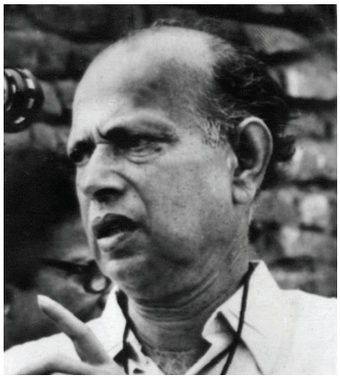

तपन सिन्हा
Tapan Sinha
2006

मन्ना डे
Manna Dey
2007

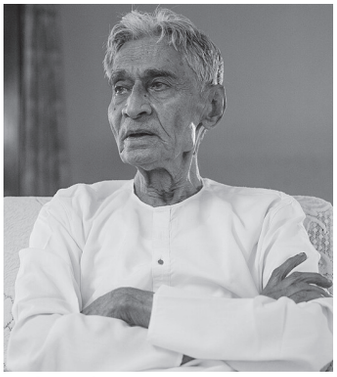

वी. के. मूर्ति
V. K. Murthy
2008

डी. रामानायडू
D. Ramanaidu
2009

के. बालाचंदर
K. Balachander
2010

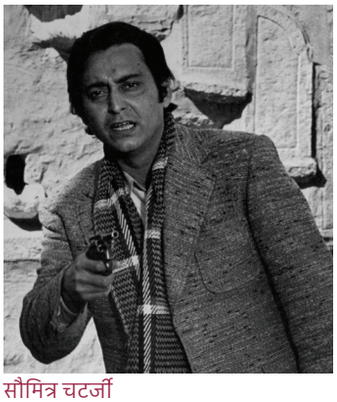

सौमित्र चटर्जी
Soumitra Chatterjee
2011

प्राण
Pran
2012

गुलज़ार
Gulzar
2013

DADASAHEB PHALKE AWARD PAST RECIPIENTS

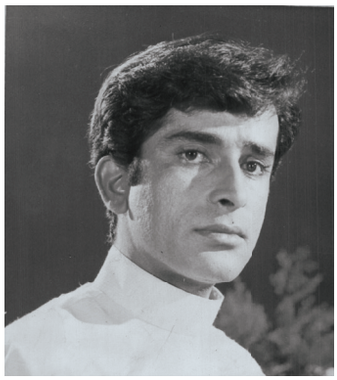

शशि कपूर
Shashi Kapoor
2014

मनोज कुमार
Manoj Kumar
2015

के. विश्वनाथ
K. Vishwanath
2016

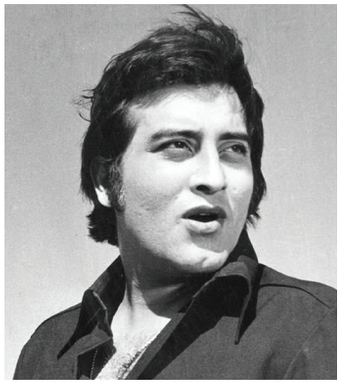

विनोद खन्ना
Vinod Khanna
2017

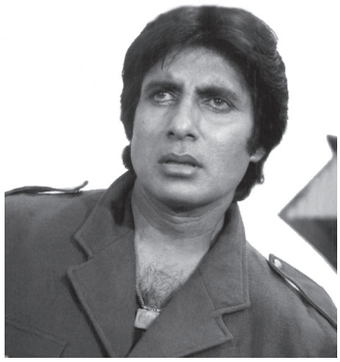

अमिताभ बच्चन
Amitabh Bachchan
2018

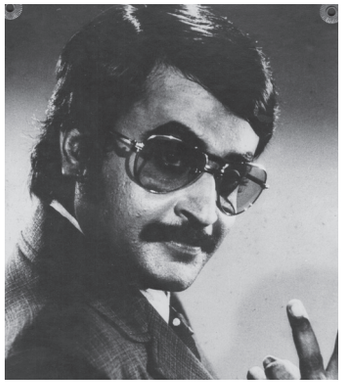

रजनीकांत
Rajnikanth
2019

आशा पारेख
Asha Parekh
2020

वहीदा रहमान
Waheeda Rehman
2021

पुरस्कार
चयन समिति
AWARD SELECTION COMMITTEE

आशा पारेख
Asha Parekh

आशा पारेख सुप्रसिद्ध भारतीय फ़िल्म अभिनेत्री, निर्देशक, निर्माता और प्रशिक्षित भारतीय शास्त्रीय नर्तक हैं। इन्होंनें अपने वक्त के शीर्ष फ़िल्मकारो और अभिनेताओं के साथ करीब 95 फ़िल्मों में अभिनय किया, अपनी ब्लॉकबस्टर फ़िल्मों की बदौलत इन्हें हिंदी फ़िल्म जगत की 'हिट गर्ल' के नाम से पहचान मिली। कटी पंतग के लिए इन्हें 1971 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फ़िल्मफ़ेयर अवार्ड, और 2002 में फ़िल्मफ़ेयर लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, 2020 में 68 वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार में दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार और फ़िल्मों में इनके अतुलनीय योगदान के लिए 1992 में इन्हें पद्म श्री से नवाज़ा गया। इसके अलावा यह 1998-2001 तक केंद्रीय फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड की प्रमुख भी रह चुकी हैं।

Asha Parekh is a renowned Indian film actress, director, producer, and an accomplished Indian classical dancer. She has worked in over 95 films with some of the top Indian filmmakers and actors, giving many superhits and came to be known as the "Hit Girl". She won the Filmfare Award for Best Actress for 'Kati Patang' (1971) and was conferred with the Filmfare Lifetime Achievement Award (2002), the Dadasaheb Phalke Award at the 68th National Film Awards 2020 and the prestigious Padma Shri by the Government of India (1992) for her notable contributions to cinema. She also Chaired the Censor Board of Film Certification (1998-2001).

खुशबू सुंदर
Khushboo Sundar

खुशबू सुंदर एक प्रसिद्ध भारतीय राजनीतिज्ञ, अभिनेत्री, निर्माता और टेलीविजन व्यक्तित्व हैं। वह तमिल सिनेमा में अपने काम के लिए जानी जाती हैं, साथ ही उन्होंने तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी फ़िल्मों में भी अभिनय किया है। अपने चार दशक लंबे करियर में, उन्होंने 185 से अधिक फ़िल्मों में काम किया है और कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए हैं, जिनमें तीन तमिलनाडु राज्य फ़िल्म पुरस्कार, कलैमामणि पुरस्कार और केरल राज्य फ़िल्म पुरस्कार शामिल हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत हिंदी सिनेमा में एक बाल कलाकार के रूप में द बर्निंग ट्रेन (1980) से की, और नसीब और दर्द का रिश्ता जैसी फ़िल्मों से ध्यान आकर्षित किया। 1980 के मध्य में वयस्क भूमिकाओं में स्थानांतरित होते हुए, खुशबू तमिल सिनेमा की एक प्रमुख स्टार बन गईं, खासकर कलियुग पांडवुलु (1986) के बाद। 2021 में, उन्होंने अन्नात्थे फिल्म के साथ रजनीकांत के साथ अपनी स्क्रीन पर वापसी की।

Khushboo Sundar is an acclaimed Indian politician, actress, producer, and television personality. Best known for her work in Tamil cinema, she has also acted in Telugu, Malayalam, Kannada, and Hindi films. Over a distinguished four-decade career, she has appeared in over 185 films and earned several prestigious awards, including three Tamil Nadu State Film Awards, the Kalaimamani Award, and a Kerala State Film Award. She began her career as a child actor in Hindi cinema with The Burning Train (1980), gaining attention with films like Naseeb and Dard Ka Rishta. Transitioning to adult roles in the mid-1980s, Khushboo became a major star in Tamil cinema after Kaliyuga Pandavulu (1986). In 2021, she made her screen comeback with Annaatthe alongside Rajinikanth.

पुरस्कार चयन समिति
AWARD COMMITTEE

विपुल अमृतलाल शाह
Vipul Amrutlal Shah

विपुल अमृतलाल शाह चर्चित फ़िल्म एवं टेलीविजन निर्माता, निर्देशक हैं। विपुल ने 1983 में बतौर अभिनेता गुजराती नाटकों से अपने सफर की शुरुआत की और फिर 1993 में गुजराती टेलीविजन जगत में कदम रखा। दूरदर्शन के लिए 6 गुजराती धारावाहिकों के करीब 140 एपिसोड बनाए। आगे चलकर कई चर्चित हिंदी शो जैसे 'जीवन मृत्यु', 'एक महल हो सपनों का' - पहला डेली सोप जिसने हिंदी में 1000 एपिसोड और गुजराती में 700 एपिसोड पूरे किए थे - और 'पुकार' आदि का निर्माण किया। निर्देशक के तौर पर इनकी पहली फ़िल्म थी 'दरया चोरू'। हिंदी सिनेमा जगत में इनकी शुरुआती तीन फिल्में 'आंखें', 'वक्त - रेस अगेंस्ट टाइम', और 'नमस्ते लंदन' सुपरहिट रहीं। बतौर निर्माता इनकी पहली फ़िल्म थी 'सिंह इज़ किंग', जिसने उस साल सबसे ज्यादा कमाई की। इसके अलावा इन्होंने 'लंदन ड्रीम्स' और 'एक्शन रीप्ले' का निर्देशन भी किया। इनके निर्माण में 'कुछ लव जैसा', 'फोर्स', 'कमांडो', 'हॉलिडे - ए सोल्जर इज़ नेवर ऑफ ड्यूटी', 'फोर्स 2', 'कमांडो 2', 'नमस्ते इंग्लैंड', 'कमांडो 3' आदि फ़िल्में शामिल हैं।

Vipul Amrutlal Shah is a leading film producer-director and a member of the Indian entertainment industry for over two decades. He started his career as a Gujarati stage actor in 1983 before venturing into Gujarati television production and direction in 1993. He later made many popular Hindi shows: 'Jeevan Mrityu' (1994), 'Ek Mahal Ho Sapno Ka' (1995) – the first Hindi soap to run for 1000 episodes, 'Pukaar' (2014), etc. He began film direction in 2000 with the Gujarati film 'Darya Choru', followed by three superhit Hindi films: 'Aankhen' (2002), 'Waqt - Race Against Time' (2005), and 'Namastey London' (2007). His successful film franchise includes 'Singh is Kinng' (2008), 'Force' (2011), 'Commando' (2013), 'Force 2' (2016), 'Commando 2' (2017), 'Namaste England' (2018), 'Commando 3' (2019), etc. He's also made 'London Dreams' (2009), 'Action Replayy' (2010), 'Holiday-A Soldier is Never Off Duty' (2014), etc.

77वें

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार/DADASAHEB PHALKE AWARD

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार
Dadasaheb Phalke Award Winner, 2022

मिथुन चक्रवर्ती भारत के उन अभिनेताओं में से हैं, जिनके लिए कहा जा सकता है कि उनका नाम ही उनका परिचय है। “हिंदी सिनेमा जगत के डिस्को डांसर” के तौर पर पहचान रखने वाले मिथुन चक्रवर्ती जब भी पर्दे पर आए, छा गए, इनकी अदायगी के जौहर का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 1976 में मृणाल सेन के निर्देशन में बनी इनकी पहली फ़िल्म मृग्या के लिए इन्हें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार से नवाज़ा गया था। यह सिलसिला यहीं रुका नहीं और तब से लेकर अब तक इन्होंनें, हिंदी, बंगाली, और पंजाबी सहित विभिन्न भाषाओं में 350 से ज्यादा फ़िल्मों में अपने अभिनय से दुनियाभर के दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है।

इनकी प्रसिद्धि में कभी कोई कमी नहीं आई, खासकर डिस्को डांसर (1982) जैसी फिल्मों में इनकी उल्लेखनीय भूमिका और अद्भुत नृत्य प्रतिभा ने इन्हें घर-घर तक पहुंचाया, और इन्होंनें भारतीय सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में अपनी स्थिति भी मजबूत की। इनकी अभिनय की प्रतिभा बहुत व्यापक है, जिसे सूची में समेटना मुश्किल है, जिसमें सुरक्षा (1979), बॉक्सर (1984), प्यार झुकता नहीं (1985), डांस-डांस (1987), अग्निपथ (1990) और स्वामी विवेकानन्द (1998) जैसी फिल्में शामिल है। बेहतरीन एक्शन, ड्रामा, रोमांस और कॉमेडी, इन्हें अपने समकालीनों से अलग करती है।

चक्रवर्ती ने विभिन्न परियोजनाओं के निर्माण और निर्देशन के साथ-साथ विभिन्न परोपकारी उपक्रमों में योगदान दिया है, विशेष रूप से वंचित बच्चों का समर्थन करने और शिक्षा को बढ़ावा देने में इन्होंनें अहम कार्य किए हैं। यह संसद सदस्य भी रह चुके हैं और इन्होंने न केवल तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और दो फिल्मफेयर पुरस्कार जीते हैं, बल्कि इन्हें जनवरी 2024 में देश के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म भूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है ।

मिथुन चक्रवर्ती
Mithun Chakraborty

Mithun Chakraborty is one of India's most legendary actors, beloved for his magnetic onscreen presence and his wide-ranging roles, often called the 'Disco Dancer of Bollywood'. With his cinematic debut in 1976 in the inimitable Mrinal Sen's Mrigayaa, Mithun Chakraborty struck a chord and was conferred the prestigious National Film Award for Best Actor. It is therefore unsurprising that he has since then appeared in over 350 films across various languages, including Hindi, Bengali and Punjabi, wowing audiences across both the country and the globe.

He continued to rise in prominence, especially because of his notable roles in films like Disco Dancer (1982) where he not only showcased his dancing prowess but also cemented his status as an Indian cultural icon. The sheer range of his talent can be seen in films like Surakksha (1979), Boxer (1984), Pyar Jhukta Nahin (1985), Dance Dance (1987), Agneepath (1990) and Swami Vivekananda (1998) wherein his performances combined the very best of action, drama, romance and comedy, singling him out from his contemporaries.

Chakraborty has contributed to the production and direction of various projects, as well as undertaking various philanthropic ventures, particularly in supporting underprivileged children and in promoting education. He served as a Member of Parliament and has not only won three National Film Awards and two Filmfare Awards, but was also given the Padma Bhushan in January 2024, the third-highest civilian honour in the country.

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार तीन वर्गों में दिए जाते हैं, अर्थात् फ़ीचर फ़िल्में, गैर-फ़ीचर फ़िल्में और सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन। प्रत्येक अनुभाग की एक अलग जूरी होती है। 57वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के बाद से, फीचर फिल्म अनुभाग में पुरस्कारों का निर्णय दो स्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है जिसमें पांच क्षेत्रीय पैनल और एक केंद्रीय जूरी शामिल होती है। जूरी सिनेमा, अन्य संबद्ध कलाओं और मानविकी के क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। जूरी के विचार-विमर्श गोपनीय होते हैं, जो जूरी सदस्यों को बाहरी प्रभावों से बचाने के लिए एक सक्षम वातावरण प्रदान करता है, और निष्पक्षता, स्वतंत्रता और निष्पक्षता के साथ चयन की सुविधा भी प्रदान करता है।

The National Film Awards are given in three sections, viz., Feature Films, Non-Feature Films and Best Writing on Cinema. Each section has a different jury. Since the 57th National Film Awards, the awards in the feature film section are decided through a two-tier selection process comprising five regional panels and a central jury. The juries are distinguished persons in the field of cinema, other allied arts and humanities. The jury deliberations are confidential, which provides an enabling environment to insulate the jurors from external influences, and also facilitates selection with impartiality, freedom and fairness.

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार २०२२
National Film Awards 2022

77वें

JURY MEMBERS

निर्णायक मंडल

फ़ीचर फ़िल्म निर्णायक मंडल: केंद्रीय पैनल
FEATURE FILM JURY: CENTRAL PANEL

अध्यक्ष / CHAIRPERSON

राहुल रवैल
Rahul Rawail

अपनी फ़िल्मों से काजोल और ऐश्वर्या राय जैसी कलाकारों को पहला अवसर देने वाले निर्माता-निर्देशक राहुल रवैल ने राज कपूर के साथ काम की शुरुआत की थी। रवैल ने कई फेस्टिवल पैनल की अध्यक्षता की है, इसमें इफ्फी, गोवा 2017 और 2018 में भारतीय पैनेरोमा, राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार 2019 और ब्रिक्स फ़िल्म समारोह 2021 शामिल है। साथ ही इन्होंनें बर्लिनेल और 2019 के कान्स फ़िल्म समारोह जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का प्रतिनिधित्व भी किया है । रवैल ने कई सरकारी संस्थानों, मीडिया विश्वविद्यालय और फ़िल्म संगठनों के बोर्ड में अहम सलाहकार के तौर पर सेवा दी है।

Rahul Rawail began working with Raj Kapoor before striking out as a formidable director and producer, his films launching the likes of Kajol and Aishwarya Rai. He has chaired many festival panels, including Indian Panorama at IFFI 2017 and 2018, NFA 2019 and BRICS Film Festival 2021, representing the I&B Ministry at Berlinale and Cannes Film Festival in 2019, among other platforms. He serves on the boards of several government bodies, media universities and film organizations as an eminent advisor.

सदस्य / MEMBER

अनमोल भावे
Anmol Bhave

साउंड डिज़ाइनर और मिक्सिंग इंजीनियर के तौर पर पहचान बनाने वाले अनमोल भावे ने 2006 में एफटीआईआई से स्नातक किया, तब से अब तक यह 60 से ज़्यादा फीचर फ़िल्मों के लिए काम कर चुके हैं। साउंड रिकॉर्डिंग, पोस्ट प्रोडक्शन सुपरविज़न और मिक्सिंग ने इन्हें 2022 में 'मी वसंतराव', 2008 में 'गंधा' और 2005 में 'क्लोज़र' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता बनाया। वर्तमान में वह एक फीचर फ़िल्म का निर्देशन कर रहे हैं.

Anmol Bhave is a sound designer and mixing engineer, who graduated from FTII in 2006 and has, since then, worked in over 60 feature films, diverse in both language and genre. His wide-ranging work in sound recording, post-production supervision and mixing has won him a number of National awards, such as in 2022 for 'Me Vasantrao', in 2008, for 'Gandha' and in 2005, for 'Closer'. He is currently working on directing his own feature film.

सदस्य / MEMBER

डॉ. अनुराधा सिंह
Dr. Anuradha Singh

डॉ. अनुराधा सिंह एक फ़िल्म संपादक और फ़िल्म निर्माता हैं, इन्हें 'स्लमडॉग मिलिनेयर 'और 'इंडियाज़ डॉटर' जैसे सम्मानित वृत्तचित्र में अपने प्रभावशाली काम के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वाहवाही मिली है। एफटीआईआई, पुणे से स्नातक, डॉ. सिंह, उन अग्रणीय महिला भारतीय संपादकों में से हैं, जिन्होंने हॉलीवुड फ़िल्मों में अपने काम से गहरी छाप छोड़ी है। सिनेमा और कला में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए डॉ. सिंह को 2018 में बनस्थली विद्यापीठ - जहां से इन्होंनें शिक्षा ग्रहण की थी - द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

Dr. Anuradha Singh is a film editor and filmmaker, recognised internationally for her contributions to projects like Slumdog Millionaire and the acclaimed documentary India's Daughter. A graduate of FTII, Pune, Dr. Singh is among the few pioneering female Indian editors to have made a mark on Hollywood projects. In recognition of her significant contributions to cinema and the arts, Dr. Singh was honoured with an honorary doctorate by Banasthali Vidyapith, her alma mater, in 2018.

सदस्य / MEMBER

बी शिवानंद
B Shivananda

कर्नाटक के तुरुवनुरु गांव से आने वाले बी. शिवानंद, एक फ़िल्म निर्देशक, अभिनेता और लेखक हैं। अपने 35 साल के फ़िल्मी सफर में इन्होंने कई तरह की फ़िल्मों और टेलीविज़न शो के लिए काम किया। इन्होंने कन्नड़ भाषा में कई किताबें लिखी हैं, जिनमें कथा साहित्य, जीवनी और नाटक शामिल हैं। शिवानंद पुरातात्विक विषय पर बनाए गए अपने वृत्तचित्रों के लिए भी जाने जाते हैं।

B. Shivananda is a film director, actor and writer from the village of Turuvanuru in Karnataka. In his 35 year long career, he has worked on a wide range of films and television shows. He has written multiple books in Kannada, spanning fiction, biographies and plays. He is also well known for his archaeological documentaries.

सदस्य / MEMBER

दिलीप कुमार पांडा
Dillip Kumar Panda

दिलीप कुमार पांडा ने 1998 में एफटीआईआई, पुणे से स्नातक होने के बाद श्याम बेनेगल, गोविंद निहलानी और ए.के.बीर के अधीन फ़िल्म निर्माण सीखा। इन्होंनें निहलानी और बीर की फ़िल्मों के साथ-साथ अन्य फ़िल्मों , वृत्तचित्रों और धारावाहिकों का संपादन भी किया। 2000 में डी.के. पांडा ने बीजू पटनायक फ़िल्म और टीवी संस्थान में प्रोफेसर का पद ग्रहण किया और 2021 में संस्थान के निदेशक के रूप में सेवानिवृत्त हुए। अब वह विभिन्न संस्थानों में विजिटिंग फैकल्टी के रूप में काम करते हैं और उड़िया फ़िल्मों के लिए स्क्रिप्ट लिखते हैं।“

Dillip Kumar Panda learned filmmaking under Shyam Benegal, Govind Nihalani and A.K.Bir after graduating from FTII, Pune in 1998. He went on to edit Nihalani and Bir’s films, as well as other films, documentaries and serials. In 2000, D.K. Panda joined Biju Patnaik Film and TV Institute as a professor and retired as Director of the Institute in 2021. He now works as a visiting faculty at various institutions and writes scripts for Odia films.

पी सुकुमार
P Sukumar

पी. सुकुमार, एक छायाकार, निर्देशक, निर्माता और अभिनेता हैं, इन्होंने विभिन्न भाषाओं की फ़िल्मों के अलावा 65 से अधिक मलयालम फ़िल्मों के लिए कैमरा भी संभाला है। इन्होंने कई प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं, जिनमें सोपानम (1993) के लिए केरल राज्य फ़िल्म पुरस्कार और स्वंथम लेखाकन (2009) के लिए सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक का केरल राज्य फ़िल्म पुरस्कार शामिल है। इन्होंने कई फ़िल्मों में अभिनय किया है और यह इंडियन सोसाइटी ऑफ सिनेमैटोग्राफर्स सहित अलग-अलग फ़िल्म संगठनों के सदस्य हैं।

P. Sukumar is a cinematographer, director, producer and actor, who has handled the camera for over 65 Malayalam films alone, besides films in other languages. He has won several prestigious awards, including the Kerala State Film award for Sopanam (1993) and the Kerala State Film Award for Best Debut Director for Swantham Lekhakan (2009). He has also acted in various films and is a member of diverse film organizations, including the Indian Society of Cinematographers.

राजेश टचरिवर
Rajesh Touchriver

राजेश टचरिवर एक पटकथा लेखक और निर्देशक हैं, इन्होंने अंग्रेज़ी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, हिंदी और उड़िया फ़िल्मों के लिए काम किया है।श्रीलंका गृहयुद्ध पर बनी इनकी पहली फीचर फ़िल्म 'इन द नेम ऑफ बुद्धा' ने कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं। इनकी तेलुगु फ़ीचर फ़िल्म 'ना बंगारू तल्ली' ने तीन राष्ट्रीय पुरस्कार, चार राज्य नंदी पुरस्कार और कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीते। टचरिवर ने दस फीचर फ़िल्मों , 16 वृत्तचित्रों, 15 लघु फ़िल्मों और चार संगीत वीडियो का निर्देशन किया है।

Rajesh Touchriver is a screenwriter and director, who has worked on films in English, Telugu, Malayalam, Tamil, Hindi and Odiya. His debut feature film In the name of Buddha, on the Sri Lankan civil war, won several international awards. Naa Bangaaru Talli, his Telugu feature film, won three national awards, four state Nandi Awards and many international awards. Touchriver has directed ten feature films, sixteen documentaries, fifteen short films and four music videos.

सदस्य / MEMBER

रोमी मेइतेई
Romi Meitei

रोमी मेइतेई, राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित फ़िल्म निर्माता हैं इनकी फ़िल्मों ने बॉक्स-ऑफिस पर भी धूम मचाई है। व्यावसायिक सफलता हासिल करने के अलावा, इनकी फिल्में इफ्फी, मामी, आईएफएफके जैसे प्रतिष्ठित फ़िल्म समारोह में दिखाई गई हैं। यह प्रतिष्ठित एफआईपीआरईएससीआई और एनईटीपीएसी पुरस्कार से भी सम्मानित किए जा चुके हैं। इन्हें कई मणिपुर राज्य फ़िल्म पुरस्कार भी मिल चुके हैं।

Romi Meitei is a National Award-winning filmmaker whose films have been box-office hits. Besides notching up commercial success, his films have been screened at prestigious film festivals including IFFI, MAMI, MIFF, IFFK and others. He is the recipient of prestigious FIPRESCI and NETPAC awards. He has also received several Manipur State Film Awards.

सदस्य / MEMBER

आर वी उदयकुमार
RV Uthayakumar

आर वी उदयकुमार एक फ़िल्म निर्देशक, गीतकार, अभिनेता और पटकथा लेखक हैं, इन्होंने 20 से अधिक फीचर फ़िल्मों के साथ-साथ कई वृत्तचित्रों और विज्ञापनों का निर्देशन किया है। अड्यार, चेन्नई में एमजीआर फ़िल्म इंस्टीट्यूट से स्नातक (पटकथा और निर्देशन में) उथयकुमार ने शिवाजी गणेशन, रजनीकांत, कमल हसन जैसे नामी कलाकारों के साथ काम किया है। इनकी कई फ़िल्मों ने तमिलनाडु राज्य पुरस्कार जीते हैं और यह वर्तमान में तमिलनाडु फ़िल्म डायरेक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं.

RV Uthayakumar is a film director, lyricist, actor and screenwriter, who has directed over 20 feature films, as well as many documentaries and advertisements. A graduate (in screenplay and direction) from MGR Film institute in Adyar, Chennai, Uthayakumar has worked with leading artists like Shivaji Ganesan, Rajinikanth, Kamal Hasan. Many of his films have won the Tamil Nadu State Awards.

सदस्य / MEMBER

शुभ्रजीत मित्र
Subhrajit Mitra

शुभ्रजीत मित्र एक फ़िल्म निर्माता हैं जो मुख्य रूप से बंगाली फ़िल्मों के लिए काम करते हैं और उत्कृष्ट साहित्य को पीरियड सिनेमा की शक्ल देने के लिए जाने जाते हैं । इनके काम ने इन्हें ढेर सारे राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कारों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय सम्मान और साहित्य में मानद डॉक्टरेट की उपाधि दिलायी है। यह वर्तमान में देवी चौधरानी [बंगाल की बैंडिट क्वीन] बना रहे हैं, जो बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित एक पीरियड पीस है.

Subhrajit Mitra is a film maker who primarily works in the Bengali film industry and is best known for adapting classic works of literature into period cinema. His work has secured him a plethora of National and State Awards as well as international acclaim, and an honourary doctorate in Literature. He is currently making Devi Chowdhurani (Bandit Queen of Bengal), a period piece adapted from Bankim Chandra Chattopadhyay's novel of the same name.

सदस्य / MEMBER

यतीन्द्र मिश्रा
Yatindra Mishra

यतीन्द्र मिश्रा एक प्रसिद्ध कवि, लेखक, संगीत और सिनेमा के विद्वान हैं। इनकी पुस्तक 'लता: सुर-गाथा' ने छह पुरस्कार जीते हैं, जिसमें सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन (स्वर्ण कमल) के लिए 64वां राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार (2016) भी शामिल है। प्रसार भारती के सांस्कृतिक सलाहकार (2014-16), संगीत नाटक अकादमी की पत्रिका 'सरिगना' (2019-21) के संपादक के रूप में सेवा दे चुके मिश्रा 69वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार के अध्यक्ष (सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन) और 66वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार और 52वां भारत अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव के जूरी सदस्य रहे हैं।

Yatindra Mishra is a writer and a scholar of music and cinema. His book Lata: Sur-Gatha has won six awards, including the National Film Award for Best Writing on Cinema (2016). He has served as Cultural Advisor to Prasar Bharati, Editor to Sangeet Natak Akademi's journal 'Sarigana' and was Chairperson (Best Writing on Cinema) for the 69th National Film Awards, Jury Member for the 66th National Films Awards and the 52nd International Film Festival of India.

गैर-फ़ीचर फ़िल्म निर्णायक मंडल
NON-FEATURE FILM JURY

अध्यक्ष / CHAIRPERSON

डॉ नील माधब पांडा
Dr Nila Madhab Panda

नील माधब पांडा लेखक निर्देशक हैं, जिनका दिल ग्रामीण भारत के लिए धड़कता है। सिनेमा का इनका सफ़र समसामायिक भारत की खोज है, जिसका ताना बाना लोक, संस्कृति और सामाजिक चुनौतियों के इर्दगिर्द बुना होता है। पांडा के योगदान को व्यापक पहचान मिली है, इन्हें पद्म श्री, मानद डॉक्टरेट (डी.लिट.) और कई राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इनकी पहली फ़िल्म , 'आई एम कलाम' (2010) ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा हासिल की और 34 पुरस्कार जीते, जिसने उन्हें एक प्रतिष्ठित शुरुआत दी, इसके साथ ही इनके निर्देशन में बनी फ़िल्म कड़वी हवा, हल्का जैसी कई फ़िल्में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहना बटोर चुकी हैं।

Nila Madhab Panda is a writer and director whose roots run deep in rural India. His cinematic journey is a profound exploration of contemporary India, skillfully weaving narratives that illuminate people, culture, and societal challenges. Panda's contributions have been widely recognized, earning him a Padma Shri, an Honorary Doctorate (D.Litt.) and multiple National Film Awards. His debut feature, 'I Am Kalam' (2010), garnered international acclaim and won 34 awards, marking the beginning of a distinguished career.

सदस्य / MEMBER

अप्पू प्रभाकर
Appu Prabhakar

मैकेनिकल इंजीनियर रह चुके अप्पू प्रभाकर की पहचान अब एक बेहतरीन छायाकर के तौर पर है। केरल के अप्पू, मलयालम, बंगाली, तेलुगु, नेपाली और गुजराती भाषा में 14 फ़िल्मों का छायांकन कर चुके हैं, इसके साथ ही इनके खाते में कई और प्रोजेक्ट भी जुड़े हैं। अप्पू एसआरएफटीआई, कोलकाता के छात्र रह चुके हैं, और इन्हें गैर-फीचर खंड में लघु फ़िल्म 'आई टेस्ट' 2018 के लिए सर्वश्रेष्ठ छायाकार का राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार भी मिल चुका है ।

Once a mechanical engineer, Appu Prabhakar is now a cinematographer based in Kerala. He has shot 14 feature films in Malayalam, Bengali, Telugu, Nepali and Gujarati, apart from several other projects. Appu is an alumnus of SRFTI, Kolkata and has won a National film award for Best Cinematography (Non-Feature section) for the short film 'Eye Test' in 2018.

सदस्य / MEMBER

राकेश रंजन
Rakesh Ranjan

एफटीआईआई से स्नातक राकेश रंजन एक साउंड डिज़ाइनर हैं। 143 से ज्यादा फ़ीचर फ़िल्मों के लिए काम कर चुके राकेश के खाते में 'अंदाज़ अपना-अपना', 'लेजेंड ऑफ भगत सिंह', 'परदेस', 'ताल', 'पान सिंह तोमर', और 'गोलमाल' जैसी फ़िल्में हैं। यह विसलिंग वुड्स इंटरनेशनल में विभागाध्याक्ष और सीबीएफसी मुंबई के सदस्य हैं। यही नहीं इनकी फ़िल्मों ने कई पुरस्कार जीते हैं जिसमें दो फ़िल्मफेयर पुरस्कार भी शामिल हैं।

Rakesh Ranjan is a sound designer and FTII graduate, with over 143 feature films under his belt including 'Andaz Apna Apna', 'Legend of Bhagat Singh', 'Pardes', 'Taal', 'Paan Singh Tomar' and 'Golmaal'. He is the HOD at Whistling Woods International, as well as a member of CBFC, Mumbai and his work in films has secured a number of awards, including two Filmfare Awards.

सदस्य / MEMBER

रेखा गुप्ता
Rekha Gupta

रेखा गुप्ता दिल्ली स्थित फ़िल्म क्यूरेटर, रचनात्मक सलाहकार और फ़िल्म समीक्षक हैं। इन्होंने पिछले पांच वर्षों से इफ्फी गोवा की पूर्वावलोकन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया है। इसके अतिरिक्त, यह बेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव के निर्णायक मंडल की सदस्य और एससीओ फ़िल्म महोत्सव की पूर्वावलोकन समिति की सदस्य हैं। इन्होंने केंद्रीय फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के सदस्य के रूप में भी काम किया है।

Rekha Gupta is a Delhi based film curator, creative consultant and film critic. She has served as a member of the Preview Committee, IFFI Goa for the last five years. Additionally, she is a jury member for the Bengaluru International Film Festival and a Preview Committee member for SCO Film Festival. She has also served as a member of the Central Board of Film Certification (CBFC).

सदस्य / MEMBER

सेसिनो योशू
Sesino Yhoshu

सेसिनो योशू नागालैंड की फ़िल्मकार हैं। इन्होंनें मास कम्यूनिकेशन, सिनेमेटोग्राफी और वृत्तचित्र निर्माण पर अध्ययन किया है। सिनेमा के प्रति जुनून ने ही इन्हें टेक वन प्रोडक्शन हाउस की नींव डालने की प्रेरणा दी। तब से यह अपनी टीम के साथ चित्रों के इस संसार के विभिन्न आयाम तलाश रही हैं। 2018 में इनकी फ़िल्म 'दि पंगति स्टोरी' ने 65 वे राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ पर्यावरणीय फ़िल्म का पुरस्कार जीता।

Sesino Yhosu is a filmmaker from Nagaland. She has studied mass communication, electronic cinematography and documentary-making. Her passion for films led her to start TakeOne, a production house. Since then, she has, with her team of storytellers, been exploring the limitless world of visual imagery. In 2018, her film, 'The Pangti Story' won the Best Environment Film at the 65th National Film Awards.

सदस्य / MEMBER

सुकुमार नंदलाल जटानिया
Sukumar Nandlal Jatania

सुकुमार नंदलाल जटानिया विज्ञापन और फ़िल्मों के छायाकार हैं। इन्होंनें लोव लिंटास और रिडिफ्यूजन जैसी नामचीन विज्ञापन एजेंसियों के लिए 400 से ज्यादा टीवी कमर्शियल का छायांकन किया है। इसके साथ ही फाइज़र, हिंदुस्तान यूनीलिवर जैसी कंपनियों की कॉरपोरेट फ़िल्म को भी शूट किया है। बतौर छायाकार इन्होंनें 'इस रात की सुबह नहीं' (1996), 'असंभव'(2004) और 'तर्पण' (2018) जैसी फ़िल्मों के लिए भी काम किया है। सुकुमार 58वे और 69वे राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार के निर्णायक मंडल का हिस्सा भी रहे।

Sukumar Nandlal Jatania is a Director of Photography for feature and ad films. He has shot over 400 television commercials for advertising agencies like Lowe Lintas and Rediffusion amongst others, as well as corporate films for companies like Pfizer and Hindustan Unilever. He was the DoP for films like 'Is Raat Ki Subah Nahi' (1996), 'Asambhav' (2004) and Tarpan' (2018) and was part of the jury at the 58th & 69th National Film Awards.

सदस्य / MEMBER

तेनज़िन कोंचोक
Tenzin Kunchok

तेनज़िन कोंचोक तिब्बती फ़िल्म कार हैं, यह अपने खानदान के पहले शख्स हैं जो विश्वविद्यालय की पढ़ाई कर मीडिया क्षेत्र में पहुंचे। अपने प्रोडक्शन हाउस "कुंख्याब" की नींव रखने से पहले .यह बीबीसी वर्ल्ड सर्विस ट्रस्ट में बतौर वीडियो एडिटर कार्यरत रहे। इन्होंनें यूएनडीपी,बीबीसी, मीडिया एक्शन, अल जज़ीरा आदि के लिए फ़िल्मों का निर्देशन और संपादन किया। आगे इन्होंनें ''ट्रांस कश्मीर', 'रब्बा हुण कि करिए' और 'हेप्पीनेस क्लास' जैसी फ़िल्मों का संपादन भी किया ।

Tenzin Kunchok is a Tibetan filmmaker, the very first from his family to get a university education and join the field of media. He began as a video-editor with BBC World Service Trust and has since founded 'Kunkhyab', a production house based in Delhi NCR. He has directed and edited films for UNDP, BBC Media Action, Al Jazeera etc. Furthermore, he has edited films such as 'Trans Kashmir, 'Rabba Hun Ki Kariye' and 'Happiness Class'.

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन निर्णायक मंडल
BEST WRITING ON CINEMA JURY

अध्यक्ष / CHAIRPERSON

गंगाधर मुदलियार
Gangadhara Mudaliar

गंगाधर मुदलियार एक फ़िल्म पत्रकार और इतिहासकार हैं, इन्होंने 30 पुस्तकों के निर्माण-कार्य की निगरानी के साथ ही 18 पुस्तकें लिखी हैं। अलग-अलग पत्रिकाओं के अलावा कन्नड़ दैनिक प्रजावाणी में सहायक संपादक के रूप में काम कर चुके मुदलियार को टीएसआर लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, राज्योत्सव पुरस्कार, केम्पेगौड़ा पुरस्कार, साहित्य अकादमी पुरस्कार और कर्नाटक फ़िल्म चैंबर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इनके लिखे महत्वपूर्ण काम 'ए हिस्ट्री ऑफ कन्नड़ फ़िल्म्स' (1998) के लिए इन्हें सबसे ज़्यादा जाना जाता है।

Gangadhara Mudaliar is a film journalist and historian who has overseen the production of 30 books, authoring 18 of his own. He has served as Assistant Editor at Prajavani, a Kannada daily, among other journals and has been presented with TSR Life Time Achievement Award, the Rajyothsava Award, the Kempegowda Award, a Sahitya Academy Award, and a Karnataka Film Chamber Award. He is best known for his seminal text, 'A History of Kannada Films' (1998).

सदस्य / MEMBER

राम कमल मुखर्जी
Ram Kamal Mukherjee

राम कमल मुखर्जी ने सिनेमा और पत्रकारिता के क्षेत्र में पच्चीस सालों से अधिक समय तक काम किया है। यह स्टारडस्ट फ़िल्म पत्रिका के पूर्व संपादक रह चुके हैं और टाइम्स ऑफ इंडिया में सहायक संपादक के रूप में काम कर चुके हैं। इनकी पहली फ़िल्म 'केकवॉक' ने इन्हें कई पुरस्कार दिलाए और सैटेलाइट चैनल पर प्रीमियर होने वाली यह भारत की पहली लघु फ़िल्म बन गई। हेमा मालिनी, संजय दत्त और मिथुन चक्रवर्ती पर जीवनी लिखने के लिए इन्होंने कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं।

Ram Kamal Mukherjee has worked in the field of cinema and journalism for over 25 years. He has been the former editor of Stardust Film magazine and worked as Assistant Editor with Times of India. His first film 'Cakewalk' fetched him many awards and became India's first short film to premiere on a satellite channel. He has won many prestigious national and international awards for writing biographies on Hema Malini, Sanjay Dutt, and Mithun Chakraborty.

सदस्य / MEMBER

सुमंत बत्रा
Sumant Batra

सुमंत बत्रा, दिवालियापन कानून से जुड़े एक नामी वकील हैं, इन्हें अमेरिकन कॉलेज ऑफ बैंकरप्सी द्वारा इंटरनेशनल फेलो की उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान पाने वाले वह अब तक के एकमात्र भारतीय हैं। यह इंडियन सिनेमा हेरिटेज फ़ाउंडेशन के संस्थापक ट्रस्टी और सिनेमाज़ी रिसर्च सेंटर के साथ ही एक यात्रा साहित्य महोत्सव - कुमाऊं साहित्य महोत्सव - के संस्थापक भी हैं। यह बेस्ट सेलिंग कॉफ़ी टेबल बुक 'द इंडियंस' और ऐतिहासिक फ़िक्शन बुक 'अनारकली' के लेखक भी हैं।

Sumant Batra is a leading insolvency lawyer who has been awarded the title of International Fellow by the American College of Bankruptcy, the only Indian thus far to have received this. He is the Founder Trustee of Indian Cinema Heritage Foundation and the founder of Cinemaazi Research Centre, as well as Kumaon Literary Festival, – a traveling literature festival. He has authored 'The Indians', a best-selling coffee table book, and the historical fiction book 'Anarkali'.

फ़ीचर फ़िल्म निर्णायक मंडल: उत्तर पैनल
FEATURE FILM JURY: NORTH PANEL

अध्यक्ष / CHAIRPERSON

सब्यसाची मोहपात्रा
Sabyasachi Mohapatra

सब्यसाची मोहपात्रा, फ़िल्म निर्माता, निर्देशक और पटकथा लेखक हैं। अपने काम के लिए यह 40 से ज्यादा बार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किए जा चुके हैं। इनकी फ़िल्म "आदिम विचार" (2014) और "पहाड़ा रा लुहा" (2015) को लगातार दो साल तक, इसके बाद 2021 में फिर से इनकी फ़िल्म "साला बुढ़ार बदला" ने राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार हासिल किया। संबलपुरी में, इनके निर्देशन में बनी पहली फ़िल्म 'भूखा' (1989) को जिजोन फ़िल्म समारोह में अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक मंडल सम्मान प्राप्त हुआ और इनकी मेगा बजट फ़िल्म 'जय जगन्नाथ'(2006) 15 भाषाओं में रिलीज हुई थी, जो अपने में एक रिकॉर्ड है।

Sabyasachi Mohapatra is a film producer, director and screenplay writer. He has been awarded over 40 national and international awards. He won National Film Awards consecutively for his films 'Aadim Vichar' (2014) and 'Pahada Ra Luha' (2015), and later again for 'Sala Budhar Badla' (2021). His directorial debut Bhukha (1989), in Sambalpuri, won the International Jury Award at the Gijon Film Festival and his mega- budget 'Jai Jagannatha' (2006) was released in 15 Indian languages.

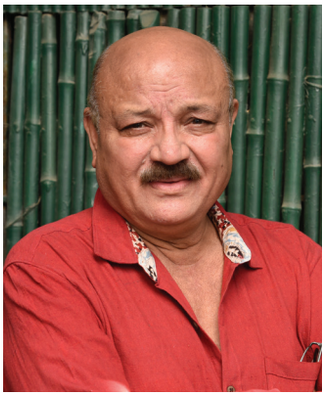

अरुण बक्शी
Aroon Bakshi

अरुण बक्शी फ़िल्म और टेलिविजन अभिनेता के साथ एक गायक भी हैं, जो 100 से ज्यादा फ़िल्मों में चरित्र अभिनेता की भूमिका निभा चुके हैं, यही नहीं बतौर पार्श्व गायक इनके खाते में 300 से ज्यादा गाने हैं। इसके अलावा इन्होंनें पंजाबी और भोजपुरी सिनेमा और विभिन्न टेलिविजन सीरियल के लिए भी काम किया है। इन्हें विशेषतौर पर 1988 में महाभारत पर आधारित सीरियल में धृष्टद्युम्न के किरदार के रूप में जाना जाता है ।

Aroon Bakshi is a film and television actor, as well as a singer who has appeared as a character actor in over a 100 Hindi films and has sung nearly 300 songs as a playback singer. He has also worked in Punjabi and Bhojpuri cinema, as well as in various television serials, best known for portraying Dhrishtadyumna in the 1988 serialized adaptation of Mahabharat.

जदुमोनी दत्ता
Jadumoni Dutta

जदुमोनी दत्ता असम के फ़िल्मकार , लेखक और अभिनेता हैं । बाल कलाकार से शुरू करने वाले दत्ता, अब खुद की फीचर फ़िल्म , वृत्तचित्र और लघु फ़िल्म का निर्देशन और निर्माण करते हैं। इन्हें, ' पानी', 'अग्निसाक्षी', 'जेटुका पाटोर डारे', अपने उल्लेखनीय काम जैसे 'अग्निपथ' और 'दि गोल्डन जर्नी' के लिए जाना जाता है, इसके साथ यह लोक/आधुनिक रंगमंच के लिए भी काम करते हैं। इन्होंनें कई फ़िल्म समारोह में बतौर निर्णायक मंडल सदस्य भूमिका निभाई है जिसमें राष्ट्रीय फ़िल्म समारोह, एमआईएफएफ, और बीआईएफएफ शामिल है, इसके साथ ही यह एफटीआईआई के नामित सदस्य भी हैं ।

Jadumoni Dutta is a filmmaker, writer and actor from Assam. Once a child actor, Dutta now directs and produces his own feature films, documentaries and shorts. He is well-known for his films 'Paani', 'Agnisakshi', 'Jetuka Pator Dare' and nonfiction works like Agnipath and 'The Golden Journey', as well as his work in folk/modern theatre. He has served as jury for several film festivals including NFA, MIFF, BIFF and is a nominated member of FTII Society.

सदस्य / MEMBER

स्मृति सिन्हा
Smrity Sinha

स्मृति सिन्हा अभिनेत्री हैं, जो भोजपुरी, मराठी और हिंदी सिनेमा में अपने काम के लिए जानी जाती है, इसके साथ ही इन्होंनें स्टार प्लस जैसे चैनल और चर्चित ओटीटी प्लेटफॉर्म में विभिन्न टीवी सीरियल, वेब-सीरीज में भी अहम भूमिका निभाई है । सिन्हा असंख्य मानवीय कार्यों की पैरोकार रही हैं और इन्होंनें कई प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में एंकर की भूमिका भी निभाई है ।

Smrity Sinha is an actress, well known for her work in Bhojpuri, Marathi and Hindi cinema as well as various TV serials & web-series for channels like Star Plus and popular OTT platforms. Sinha also advocates for a myriad of humanitarian causes and often serves as an anchor for several prestigious award shows.

सदस्य / MEMBER

विजय पांडे
Vijay Pande

विजय पांडे फ़िल्म और टेलिविजन निर्देशक और संपादक हैं । अपने चार दशक लंबे कार्यकाल में इन्हें कई सम्मानों से नवाजा जा चुका है, पांडे टेलिविजन श्रंखला ‘सात फेरे’, ‘सलोनी का सफर’ और ‘देश में निकला होगा चांद ’ के लिए जाने जाते हैं । निर्देशन और संपादन पर विभिन्न वर्कशॉप संचालन के साथ ही कई फ़िल्म समारोह में निर्णायक मंडल सदस्य की भूमिका निभा चुके हैं। इसके अलावा यह केंद्रीय फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड की सलाहकार समिति का भी हिस्सा रह चुके हैं।

Vijay Pande is a film and television director and editor. A recipient of multiple awards won over more than four decades of work, Pande is widely known for creating the television series, ‘Saat Phere... Saloni Ka Safar’ and ‘Des Mein Nikila Hoga Chand’. He has conducted various workshops on direction and editing, and has been jury member to many film festivals. He also served on the advisory committee of the Central Board of Film Certification.

फ़ीचर फ़िल्म निर्णायक मंडल: दक्षिण-I पैनल

FEATURE FILM JURY: SOUTH-I PANEL

अध्यक्ष / CHAIRPERSON

सुशांत मिश्रा
Susant Misra

निर्देशक सुशांत मिश्रा ने 1989 में एफटीआईआई से स्नातक किया और तीस सालों में इन्होंने 'निश्चल बादल', 'विश्वप्रकाश', 'धारिणी' और 'मूर्छना' जैसी उल्लेखनीय फ़िल्मों का निर्देशन किया। इनकी फ़िल्मों को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है जो ओबरहाउज़ेन, कान (अन सर्टेन रिगार्ड), आईएफएफआर, टिफ, इफ्फी, मामी और मिफ्फ जैसे कई समारोहों में दिखाई भी गई हैं। अलग-अलग संस्थानों में सिनेमा पढ़ाने के साथ ही सुशांत, पुरी, ओडिशा में आयोजित ब्रिंग योर ओन फ़िल्म फेस्टिवल (बीवाईओएफएफ) के सह-संस्थापक भी हैं।

Susant Misra is a director who graduated from FTII in 1989. Over thirty years, he has directed notable films such as 'Nischal Badal', 'Biswaprakash', 'Dharini' and 'Murchhana'. His films have received many awards and have also been screened at various festivals like Oberhausen, Cannes (Un Certain Regard), IFFR, TIFF, IFFI, MAMI and MIFF. Susant teaches cinema at various institutes and is a co-founder of the Bring Your Own Film Festival (BYOFF) held in Puri, India.

सदस्य / MEMBER

एम.बी.पदमाकुमार
M.B.Padmakumar

एम.बी.पदमाकुमार एक फ़िल्म निर्माता, पटकथा लेखक होने के साथ ही एक अभिनेता भी हैं। इन्होंने अपने निर्देशन की शुरुआत पुरस्कार विजेता मलयालम फ़िल्म 'माई लाइफ पार्टनर' से की, उसके बाद 'रूपंथरम' के साथ कई टेलीविजन कार्यक्रम और वृत्तचित्र बनाए हैं। फ़िल्मों में काम करने से इन्हें श्री जयराज, श्री लोहितादास और श्री शाजी एन करुण जैसे प्रसिद्ध फ़िल्म निर्माताओं से जुड़ने का अवसर मिला।

M.B.Padmakumar is a filmmaker, screenwriter and an actor. He made his directorial debut with an award-winning Malayalam film 'My Life Partner', followed by 'Roopantharam'. He has made several television programs and documentaries. Working in films gave him the opportunity to closely associate with renowned filmmakers such as Mr. Jayaraj, Mr. Lohitadas and Mr. Shaji N Karun.

सदस्य / MEMBER

मुर्तज़ा अली ख़ान
Murtaza Ali Khan

मुर्तज़ा अली ख़ान एक स्वतंत्र फ़िल्म समीक्षक और पत्रकार हैं, जो पंद्रह सालों से कला, संस्कृति और मनोरंजन उद्योग को करीब से देख-समझ रहे हैं। ख़ान नियमित रूप से रेडियो और टेलीविज़न पर एक सिनेमा के जानकर के रूप में दिखाई देते हैं, जिसमें डीडी नेशनल का लोकप्रिय कार्यक्रम 'डीडी मॉर्निंग शो' भी शामिल हैं। खान ने कई दूतावासों और सांस्कृतिक केंद्रों के लिए फ़िल्म समारोहों और सिनेमा के पूर्व काल से जुड़े कार्यक्रमों का भी आयोजन किया है। विभिन्न फ़िल्म समारोहों के साथ-साथ ख़ान, 69वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कारों की जूरी में भी रहे हैं।

Murtaza Ali Khan is an independent film critic and journalist who has been covering art, culture, and entertainment for 15 years. Khan regularly appears on radio and television as a film expert, including on DD National's popular morning programme 'DD Morning Show'. Khan has also curated film festivals and retrospectives for various Embassies and Cultural Centres. Khan has also served on the jury of various film festivals as well as the 69th National Film Awards.

सदस्य / MEMBER

रविन्दर
Ravindhar

रविन्दर ने मनोरंजन की दुनिया से कम उम्र में ही दोस्ती कर ली थी और 'पवामनिप्पु' और 'छाया'' जैसी फ़िल्मों से बाल कलाकार के रूप में अपनी पहचान बनाई। 1978 में इन्होंने करपागम स्टूडियो में सिनेमैटोग्राफी का काम शुरू किया और 1989 तक तो वह बालाचंदर और पी. वासु जैसे निर्देशकों के साथ काम करने लगे थे। इनके काम में 'चिन्ना थंबी" और 'वेलाइकेदाचिदुचु" जैसी ब्लॉकबस्टर फ़िल्में शामिल हैं। सिनेमा से अलग वह वृत्तचित्रों और विज्ञापनों में योगदान देते रहे और फ़िल्म उद्योग समितियों में सक्रिय रहे।

Ravindhar entered the entertainment world early and made his mark in films as a child artiste in films like 'Pavamannippu' and 'Chaya'. He dove into cinematography at Karpagam Studio in 1978 and by 1989, he was collaborating with directors like K. Balachander and P. Vasu. His work includes blockbusters such as 'Chinna Thambi' and 'Velaikedachiduchu'. Beyond cinema, he contributed to documentaries and advertisements and remains active in film industry committees.

सदस्य / MEMBER

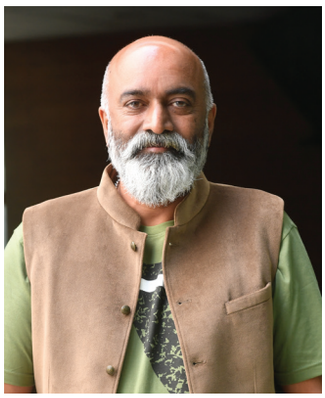

संतोष दामोदरन
Santhosh Damodharan

संतोष दामोदरन एक व्यवसायी के साथ-साथ मलयालम फ़िल्म निर्माता हैं। इन्होंने दामोर सिनेमा के अपने बैनर तले 'चंद्रोलसावम', 'कुरुक्षेत्र', 'पाकलपूरम', 'इवर' और 'वुल्फ' जैसी हिट फ़िल्मों का निर्माण किया है, इस बैनर ने हिंदी फ़िल्मों में भी हाथ आज़माए हैं और 'ओरु नाल वरुम' जैसी फ़िल्में भी वितरित की हैं ।

Santhosh Damodaran is a businessman and producer in the Malayalam Film industry. He has produced hits such as 'Chandrolsavam', 'Kurukshetra', 'Pakalpooram', 'Ivar' and 'Wolf', under his own banner of Damor Cinema. The banner has also distributed movies like 'Oru Naal Varum' as well as dabbling in Hindi films.

फ़ीचर फ़िल्म निर्णायक मंडल: दक्षिण-II पैनल
FEATURE FILM JURY: SOUTH-II PANEL

अध्यक्ष / CHAIRPERSON

बल्लू सलूजा
Ballu Saluja

बल्लू सलूजा, ऑस्कर एकेडमी, संपादन शाखा के नामित सदस्य और एक फ़िल्म संपादक हैं। फ़िल्म जगत और इनका साथ दो दशक से भी ज्यादा पुराना है। फ़िल्मों का संपादन करने से पहले इन्होंने टेलिविजन सीरियल, विज्ञापन और वृत्तचित्र के संपादन का काम किया है। बतौर संपादक इनके नाम पर 'लगान'(2000), 'पिंजर' (2003), 'स्वदेस' (2004), 'जोधा अकबर' (2008), 'दंगल' (2016) जैसी फ़िल्में हैं, इनके कुछ कामों को सर्वश्रेष्ठ संपादन का पुरस्कार भी मिल चुका है।

Ballu Saluja is a film editor and a nominated member of the Editing branch, Oscars' Academy. He has over two decades of work experience in the film industry. He began editing television serials, ads and documentaries before moving to film. He has edited films like 'Lagaan' (2000), 'Pinjar' (2003), 'Swades' (2004), 'Jodhaa Akbar' (2008) and 'Dangal' (2016) to name a few and has been presented with best editing awards for some of this work.

आनंद कुमार सिंह
Anand Kumar Singh

आनंद कुमार सिंह फ़िल्म और टेलिविजन निर्माता हैं, इन्हें कई चर्चित कार्यक्रम जैसे 'नंबर 1 की दुनिया', 'अपने रंग हज़ार', 'कहते हैं इसे जिंदगी' और 'फ़िल्मी दीवाने' के लिए जाना जाता है। इन्होंने कई क्षेत्रीय टेलिविजन चैनल की शुरुआत की है जिसमें ऑस्कर मूवीज़ भोजपुर (2012) और पसंद टीवी (2021) शामिल है, और यह सबरंग फ़िल्म पुरस्कार, भोजपुरी फ़िल्म पुरस्कार और ग्रीन सिनेमा अवार्ड के निर्णायक मंडल सदस्य रह चुके हैं।

Anand Kumar Singh is a film and television producer, known for several popular programmes such as 'Number 1 Ki Duniya', 'Apne Rang Hazaar', 'Kehte Hain Ese Zindagi' and 'Filmy Deewane'. He has launched many regional television channels including Oscar Movies Bhojpur (2012) and Pasand TV (2021), and has served as a member of the Jury for the Sabrang Film Awards, the Bhojpuri Film Awards and the Green Cinema Awards.

डॉ प्रदीप केंचानुरु
Dr Pradeep Kenchanuru

डॉ. प्रदीप केंचानुरु एक शिक्षक, शोधार्थी और पटकथा लेखक हैं। इन्होंने दो कन्नड़ फ़िल्मों 'रिज़र्वेशन' और 'जिन्नी' के लिए पटकथा लेखन किया है। 'रिज़र्वेशन' को 2016 के राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार में रजत कमल पुरस्कार से नवाज़ा गया और इसे सर्वश्रेष्ठ कन्नड़ फ़िल्म घोषित किया गया। यह राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक के कलात्मक निर्देशकों में से एक हैं और इन्होंनें निट्टे अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म समारोह (एन. आई.एफ.एफ मंगलौर) बतौर क्यूरेटर और प्रोग्रामिंग सलाहकार सेवाएं दी हैं ।

Dr. Kenchanuru is an academic and researcher as well as a screenplay writer. He has written the screen play for two Kannada films; 'Reservation' and 'Jinni'. 'Reservation' won the Rajath Kamal and was judged Best Kannada film at the National Film Awards 2016. He is one of the artistic directors at the National Institute of Technology, Karnataka and has also served as the curator and programming consultant of the Nitte International Film Festival (N.I.F.F. Mangalore).

सदस्य / MEMBER

राज कंडुकुरी
Raj Kandukuri

कंदुकुरी राजशेखर जिन्हें "राज कंदुकुरी" के नाम से भी जाना जाता है, एक फ़िल्म निर्माता, निर्देशक और वितरक हैं। धर्मपथ नाम से इनका प्रोडक्शन हाउस है जिसके बैनर तले 2008 में इन्होंने अपना पहला प्रोडक्शन किया। यह 'पेल्ली छूपुलु', 'मेंटल माधिलो', और 'गौतम बुद्ध', जैसी फ़िल्मों का निर्माण कर चुके हैं, और इन्होंने 'हृदयम केलयम', जैसी फ़िल्मों का वितरण भी किया है । यह अपने बैनर तले तेलुगु सिनेमा को कई फ़िल्मकारो, अभिनेता और तकनीशियन दे चुके है, इन्हें फ़िल्म जगत में नये टैलेंट के समर्थन के लिए जाना जाता है ।

Kandukuri Rajasekhar, popularly known as "Raj Kandukuri", is a film producer, director and distributor. He owns the production house Dharmapatha Creations, with which he debuted his first production venture in 2008. He has produced successful films like 'Pelli Choopulu', 'Mental Madhilo' and 'Gautama Buddha' and distributed films such as 'Hrudaya Kaleyam'. He has launched several filmmakers, actors and technicians in Telugu cinema, and is widely known for supporting new talent in the industry.

सदस्य / MEMBER

डॉ आर कौशल्या पोत्तुरी
Dr R Kousalya Potturi

डॉ. आर कौशल्या पोत्तुरी एक पार्श्व गायिका हैं। इन्होंने श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति से संगीत में पीएचडी और कर्नाटक संगीत में एमए किया है। इन्हें अपने गायन के लिए कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा तीन बार सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका के तौर पर नंदी अवार्ड भी शामिल है। 300 से अधिक गानों को अपनी आवाज़ दे चुकीं डॉ पोत्तुरी ने संगीत जगत के कई प्रसिद्ध संगीतकारों के साथ काम किया है। इसके अलावा, इन्होंने टेलीविजन शो, भजन और स्वतंत्र मौलिक गीतों के लिए संगीत भी तैयार किया है।

Dr. R.K. Potturi is a playback singer with a PhD in Music from Sri Padmavathi Mahila University, Tirupati, and an MA in Carnatic Music. She has been presented thrice with the Nandi Award for Best Playback Singer by the Andhra Pradesh government, among other awards and is noted for her work on over 300 film songs and her collaborations with eminent musicians. She also composes for television shows, devotional songs, and independent originals.

फ़ीचर फ़िल्म निर्णायक मंडल: पूर्व पैनल
FEATURE FILM JURY: EAST PANEL

निखिल महाजन
Nikhil Mahajan

निखिल महाजन की पहचान एक लेखक, निर्माता और निर्देशक के तौर पर की जाती है, जो मुंबई में रहते हैं। सिडनी फ़िल्म स्कूल में फ़िल्मों की पढ़ाई करने के बाद 2012 में 'पुणे 52' के साथ निखिल ने निर्देशन की शुरुआत की थी। इन्हें फ़िल्म 'गोदावरी' (2021) के लिए जाना जाता है, जिसके लिए इन्होंने सर्वश्रेष्ठ निर्देशन के लिए प्रतिष्ठित गोल्डन लोटस और सर्वश्रेष्ठ निर्देशन और सर्वश्रेष्ठ पटकथा के लिए फ़िल्म फेयर पुरस्कार प्राप्त हुआ था।

Nikhil Mahajan is a writer, producer and director based out of Mumbai. He studied film at Sydney Film School and made his directorial debut with 'Pune 52' in 2012. He is best known for his film 'Godavari' (2021) for which he won the prestigious Golden Lotus for Best Direction as well as the Filmfare Award for Best Direction and Best Screenplay.

सदस्य / MEMBER

अनन्या चटर्जी
Ananya Chatterjee

अभिनेत्री अनन्या चटर्जी को अबोहोमान (2009), क्लाउड कैप्ड स्टार (2013) और द रिइन्कार्नेट (2014) में अपनी भूमिका के लिए जाना जाता है। चटर्जी ने वांडो और अंग्शुमानेर चौबी में भी काम किया जिसे 2009 भारतीय पैनोरमा के लिए चुना गया। इसके साथ ही अनन्या एक मंझी हुई नृत्यांगना भी हैं ।

Ananya Chatterjee is an actress, best known for her roles in 'Abohomaan' (2009), 'Cloud Capped Star' (2013) and 'The Reincarnate' (2014). She has also featured in the films 'Dwando' and 'Angshumaner Chhobi', both of which were selected in the Indian Panorama 2009. She also happens to be an accomplished dancer.

सदस्य / MEMBER

एम मनिराम
M Maniram

एम मनिराम एक निर्देशक, निर्माता और पटकथा लेखक हैं। ऑल मणिपुर वीडियो फ़िल्म मेकर्स एंड प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन से फ़िल्म और वीडियो प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित मनीराम ने सहायक निर्देशक के रूप में शुरुआत की और 2006 में टेलीसीरियल 'सुर संगम' के साथ निर्देशक बने। इन्होंने विभिन्न भाषाओं में सरकारी विभागों और दूरदर्शन के लिए कई कार्यक्रमों का निर्देशन और निर्माण किया है। इनकी पहली फ़िल्म , 'मोन जय' को 2008 में इफ्फी में भारतीय पैनोरमा के लिए चुना गया था और उसे राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया था।

M Maniram is a film maker, director, producer and scriptwriter. Trained in film and video technology by All Manipur Video Filmmakers and Producers Association, Maniram started out as assistant director, becoming a director with the teleserial 'Sur Sangam' in 2006. He has directed and produced many projects for government departments and Doordarshan in various languages. His debut film, 'Mon Jai', was selected for Indian Panorama at IFFI in 2008 and also won a National Award.

ओइनम गौतम सिंह
Oinam Gautam Singh

ओइनम गौतम सिंह, एक संपादक और निर्देशक हैं जो फ़िल्मों में प्रवेश से पहले फोटोग्राफी और मल्टीमीडिया के काम से जुड़े थे। गौतम ने अरिबम स्याम शर्मा जैसे मणिपुरी सिनेमा के कुछ धुरंधर निर्देशकों के साथ काम किया और मणिपुर फ़िल्म फोरम के महासचिव का पद भी संभाला। इनकी फ़िल्म 'फिजिगी मणि' को 2011 भारतीय पैनेरोमा के लिए चुना गया और उसे इफ्फी में दिखाया गया, इसके साथ ही फ़िल्म को 59वें फ़िल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ मणिपुरी फीचर फ़िल्म से नवाज़ा गया।

Oinam Gautam is an editor and director, who initially began working with photography and multimedia before transitioning to films. He worked with a few directorial stalwarts of Manipuri cinema, such as Aribam Syam Sharma and served as General Secretary of Film Forum, Manipur. His film 'Phijigee Mani' was selected in the Indian Panorama in 2011, screened at IFFI and then awarded Best Manipuri Feature Film in the 59th Film Awards.

शिवम छाबड़ा
Shivam Chhabra

युवा मीडिया उद्यमी शिवम छाबड़ा, एमएचवन टीवी नेटवर्क प्रायवेट लिमिटेड के निर्देशक हैं। साथ ही वह 17वें मुंबई अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म समारोह (2022) की स्क्रीनिंग समिति के सदस्य, 53वें इफ्फी की प्रीव्यू समिति के सदस्य और 2023 के उत्तर पूर्व फ़िल्म फेस्टिवल में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

Shivam Chhabra is a young media entrepreneur. He is the Director of MH One TV Network Pvt Ltd. He was a member of the Screening Committee of the 17th Mumbai International Film Festival (2022), a member of the Preview Committee of the 53rd International Film Festival of India and served at the North East Film Festival (2023).

फ़ीचर फ़िल्म निर्णायक मंडल: पश्चिम पैनल
FEATURE FILM JURY: WEST PANEL

अध्यक्ष / CHAIRPERSON

प्रिया कृष्णास्वामी
Priya Krishnaswamy

प्रिया कृष्णास्वामी, एफटीआईआई, पुणे से प्रशिक्षित एक फ़िल्म निर्माता हैं। इन्होंने 'ओम दर-ब-दर' (1988), 'पर्सी' (1989), 'काफ़िला' (1990), 'बॉम्बे बॉयज़' (1998), 'भोपाल एक्सप्रेस' (1999) आदि फ़िल्मों का संपादन किया है। आगे चलकर 'गंगूबाई' (2013), 'बारम' (2018) से इन्होंनें निर्देशन की कमान संभाली।

Priya Krishnaswamy is a filmmaker from FTII, Pune. She has edited films like 'Om Dar-b-Dar' (1988), 'Percy' (1989), 'Kaafila' (1990), 'Bombay Boys' (1998), 'Bhopal Express' (1999), etc. Following 'Gangoobai' (2013), 'Baaram' (2018) is the second film she has helmed as director.

सदस्य / MEMBER

अभिषेक जैन
Abhishek Jain

निर्माता-निर्देशक अभिषेक जैन ने अपने बैनर - सिनेमैन प्रोडक्शन्स के बैनर तले गुजराती फीचर फ़िल्म 'केवी रीते जैश' से फ़िल्मी सफर की शुरुआत की और फिर इनके खाते में जुड़ी सबसे लंबे समय तक चलने वाली और सबसे अधिक जगह रिलीज़ होने वाली गुजराती फ़िल्म 'बे यार'। 'विट्ठल टीडी' जैसा शो देने वाला ओटीटी प्लेटफॉर्म ओहो गुजराती लॉन्च करने का श्रेय भी इन्हें ही जाता है। इन्होंने गुजराती फ़िल्म 'रॉन्ग साइड राजू' का भी निर्माण किया, जिसने राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किया जिसके बाद इन्होंने फ़िल्म 'हम दो, हमारे दो' से बॉलीवुड में प्रवेश किया।

Abhishek Jain is a director and producer who debuted his Gujarati feature film 'Kevi Rite Jaish' under his own banner; CineMan Productions. This was followed by 'Bey Yaar', the longest-running and widest released Gujarati film. He launched Oho Gujarati, the first Gujarati OTT platform featuring shows like 'Vitthal Teedi'. He also produced 'Wrong Side Raju', a Gujarati film which won a National Award, thereafter debuting in Bollywood with his film 'Hum Do, Hamaare Do'.

सदस्य / MEMBER

दिनेश पुंडलिक भोंसले
Dinesh Pundalik Bhosale

दिनेश पुंडलिक भोंसले एक फ़िल्म निर्माता हैं, जो गोवा से ताल्लुक़ रखते हैं। विज्ञान में स्नातक होने के बाद, इन्होंने थिएटर कला में अपना डिप्लोमा पूरा किया। इन्होंने प्रसिद्ध फ़िल्म संपादक वामन भोंसले के अधीन काम किया और तब से दो फीचर फ़िल्म मराठी में 'मर्मबंध' और हिंदी में 'कैलापोर' का निर्देशन कर चुके हैं।

Dinesh P. Bhonsle is a filmmaker from Goa. After graduating in science, he completed his diploma in theatre art. He worked under renowned film editor Waman Bhonsle and has since then directed two projects: the Marathi feature film 'Marmabandh' and the Hindi feature film 'Calapor'.

सदस्य / MEMBER

तृप्ती भोईर
Trupti Bhoir

अभिनेत्री तृप्ती भोईर मराठी फ़िल्म और टेलीविजन उद्योग में काम करती हैं जिन्होंने 'बाघ हाट दखावन' (2000) से अपना सफर शुरु किया था । यह 'अगदबम' (2013) में नाजुका की भूमिका के साथ-साथ 'इश्या', 'ओवल्ते भौराया' और 'पौलखुना' में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में दुल्हन की गुलामी के मुद्दे पर बनी अपनी फ़िल्म 'पारो' को वह कान फ़िल्म फेस्टिवल लेकर गई थीं।

Trupti Bhoir is an actress who works in the Marathi film and television industry. She made her debut in 'Bagh Haat Dakhavan' (2000). She is widely known for playing the role of Najuka in 'Agadbam' (2013) as well as her roles in 'Ishya', 'Ovalte Bhauraya' and 'Paulkhuna'. She recently took her film 'Paro', on the issue of bride slavery, to Cannes Film Festival.

सदस्य / MEMBER

उमेश कुमार शर्मा
Umesh Kumar Sharma

उमेश कुमार शर्मा एक पेशेवर मीडियाकर्मी है, जिन्हे संचार व्यवस्था और व्यापार विस्तार में विशेष रुचि है। यह कई ब्रांड और बिजनेस के लिए के लिए संचार गतिविधि कर चुके हैं, जिसका मकसद प्रबंधन टीम का विकास और उसे मजबूती प्रदान करना होता है ताकि कंपनी का लाभ और क्षमता का विकास हो सके।

Umesh Kumar Sharma is a media professional with a passion for communications and business maximisation. He works in communications for various brands and businesses, with the aim to develop and strengthen management teams in order to maximize company profitability and efficiency.

70

फ़ीचर फ़िल्म / FEATURE FILM

किसी भी भारतीय भाषा में बनी फ़िल्में, जो डिजिटल या वीडियो प्रारूप में शूट की गई हों अथवा फ़िल्म, वीडियो या डिजिटल प्रारूप में रिलीज़ की गई हों।

फ़िल्में, जिन्हें केंद्रीय फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड द्वारा फ़ीचर फ़िल्म के रूप में 2022 में प्रमाणित किया गया हो, **फ़ीचर फ़िल्म वर्ग** के लिए पात्र हैं।

Films made in any Indian language, shot in digital or video format, and released on film, video, or digital format.

The films certified by the Central Board of Film Certification as a feature film in the year 2022 are eligible for the **Feature Film Section.**

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार २०२२
National Film Awards 2022

77वें

फ़ीचर फ़िल्में
FEATURE FILMS

फ़ीचर फ़िल्में , एक नज़र में
Feature Films At A Glance

आट्टम **AATTAM**	सर्वश्रेष्ठ फ़ीचर फ़िल्म **Best Feature Film**	058	सर्वश्रेष्ठ पटकथा (मौलिक) **Best Screenplay (Original)**	102
	सर्वश्रेष्ठ संपादन **Best Editing**	106		
अपराजित **APARAJITO**	सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिज़ाइन **Best Production Design**	107	सर्वश्रेष्ठ मेकअप **Best Make-Up**	109
बाघी दि धी **BAGHI DI DHEE**	सर्वश्रेष्ठ पंजाबी फ़िल्म **Best Punjabi Film**	084		
ब्रह्मास्त्र- पार्ट 1: शिवा **BRAHMASTRA- PART 1: SHIVA**	एवीजीसी में सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म **Best Film in AVGC**	066	सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक **Best Male Playback Singer**	099
	सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (गीत) **Best Music Direction (Songs)**	110		
दमन **DAMAN**	सर्वश्रेष्ठ उड़िया फ़िल्म **Best Odia Film**	082		
ऐमुठी पुठी **EMUTHI PUTHI**	सर्वश्रेष्ठ असमिया फ़िल्म **Best Assamese Film**	070		
फ़ौजा **FOUJA**	निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम फ़िल्म **Best Debut Film of a Director**	060	सहायक भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता **Best Actor in Supporting Role**	096
	सर्वश्रेष्ठ गीत **Best Lyrics**	112		

गुलमोहर **GULMOHAR**	सर्वश्रेष्ठ हिन्दी फ़िल्म **Best Hindi Film**	074	सर्वश्रेष्ठ पटकथा (संवाद लेखक) **Best Screenplay (Dialogues Writer)**	103
	विशेष उल्लेख **Special Mention**	119		
के.जी.एफ चैप्टर -2 **K.G.F: CHAPTER 2**	सर्वश्रेष्ठ कन्नड़ फ़िल्म **Best Kannada Film**	076	सर्वश्रेष्ठ एक्शन निर्देशन (स्टंट कोरियोग्राफी) **Best Action Direction Award (Stunt Choreography)**	114
काबेरी अंतरधान **KABERI ANTARDHAN**	सर्वश्रेष्ठ बांग्ला फ़िल्म **Best Bengali Film**	072		
कधिकन **KADHIKAN**	विशेष उल्लेख **Special Mention**	120		
कांतारा **KANTARA**	संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म **Award for Best Popular Film Providing Wholesome Entertainment**	062	मुख्य भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता **Best Actor in a Leading Role**	093
कार्तिकेय -2 **KARTHIKEYA-2**	सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फ़िल्म **Best Telugu Film**	088		
कच्छ एक्सप्रेस **KUTCH EXPRESS**	राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों पर सर्वश्रेष्ठ फ़ीचर फ़िल्म **Best Feature Film Promoting National, Social and Environmental Values**	064	मुख्य भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री **Best Actress in a Leading Role**	095
			सर्वश्रेष्ठ वेशभूषाकार **Best Costume Design**	108

फ़ीचर फ़िल्में , एक नज़र में
Feature Films At A Glance

मलिकाप्पुरम **MALIKAPPURAM**	सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार **Best Child Artist**	098		
पोन्नियन सेल्वन - पार्ट 1 **PONNIYIN SELVAN - PART I**	सर्वश्रेष्ठ तमिल फ़िल्म **Best Tamil Film**	086	सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी **Best Cinematography**	101
	सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिज़ाइन **Best Sound Design**	105	सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (बैकग्राउंड) **Best Music Direction (Background)**	111
सउदी वेल्लाक्का सीसी.225/2009 **SAUDI VELLAKKA** **CC.225/2009**	सर्वश्रेष्ठ मलयालम फ़िल्म **Best Malayalam Film**	078	सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका **Best Female Playback Singer**	100
सिकैसल **SIKAISAL**	सर्वश्रेष्ठ तिवा फ़िल्म **Best Tiwa Film**	090		
थिरुचित्रम्बलम **THIRUCHITRAMBALAM**	मुख्य भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री **Best Actress in a Leading Role**	094	सर्वश्रेष्ठ नृत्य कला **Best Choreography**	113
ऊँचाई **UUNCHAI**	सर्वश्रेष्ठ निर्देशन **Best Direction**	092	सहायक भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री **Best Actress in Supporting Role**	097
वाल्वी **VAALVI**	सर्वश्रेष्ठ मराठी फ़िल्म **Best Marathi Film**	080		

आट्टम
AATTAM

मलयालम / **Malayalam** | **141** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ फ़ीचर फ़िल्म
Best Feature Film

स्वर्ण कमल | **Swarna Kamal**
₹3,00,000/-

Director	Anand Ekarshi
Producer	Joy Movie Productions LLP
Editor	Mahesh Bhuvanend
Cinematographer	Anurudh Aneesh
Sound Designer	Renganaath Ravee

कथासार / SYNOPSIS

एक रंगमंच समूह को हरि की बदौलत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का मौका मिलता है, हरि, मुख्य अभिनेता विनय की जगह ले लेता है। अंजली जो नाटक की एक मात्र महिला कलाकार है, वह विनय को बताती है कि हरी ने उसके साथ बदसलूकी की थी। आगे चलकर पूरी टीम इस बारे में विचार विमर्श करती है और आखिरकार हरि को निकाल दिया जाता है। दोस्ती दांव पर होती है लेकिन लोगों के ज़मीर को खरीदने के लिए पैसो और सफलता का लालच दिया जाता है।

A theatre group has a shot at international recognition through Hari, who replaces Vinay as the lead. Anjaly, the only female member, informs Vinay she was mistreated by Hari. There follows a team discussion, leading to Hari's expulsion. Friendships and the chance for success are at stake as conflict ensues.

आट्टम एक रंगमंच समूह की महिला कलाकार के ख़िलाफ हुए अपराध के माध्यम से समाज के बदसूरत पहलू की पड़ताल करती है। इस रंगमंच समूह को केंद्र में रखते हुए एक काव्यात्मक लहज़े में, फ़िल्म सहानुभूति, प्रेम, ईर्ष्या, क्रोध, पश्चाताप और आगे बने रहने की चाहत को दिखाती है, जो कहानी को तीव्रता प्रदान करती है।

Aattam explores the ugly facades of society through a crime against one of the women performers in a theatre group. Centering this troupe, with a touch of poetics, the film shows us shades of empathy, love, jealousy, anger, remorse and the quest to remain ahead, lending intensity to the story.

निर्माता / PRODUCER

जॉय मूवी प्रोडक्शंस एलएलपी
Joy Movie Productions LLP

जॉय मूवी प्रोडक्शंस एक प्रोडक्शन हाउस है जिसकी स्थापना न्यूक्लियर मेडिसिन चिकित्सक और व्यवसायी डॉ. अजित जॉय ने डॉ. जॉयज़ वेंचर्स के माध्यम से की है, जिनके कई व्यवसाय हैं, जिसमें स्टूडियो आइरिस, जॉय म्यूजिक और आइरिस पिक्सल्स आते हैं, इन्होंने फ़िल्म निर्माण व्यवसाय में कदम रखा है और 'विचित्राम', "चार्ल्स एंटरप्राइजेज", 'मुकुंदन उन्नी एसोसिएट्' और 'आट्टम' जैसी फ़िल्मों का निर्माण किया है।

Joy Movie Productions is one of many business ventures helmed by Dr. Ajith Joy, a nuclear medicine physician and a businessman. Affiliated with Studio Iris, Joy Music and Iris Pixels, it has ventured into the filmmaking business and has produced films like 'Vichithram', 'Charles Enterprises', 'Mukundan Unni Associates' and Aattam.

निर्देशक / DIRECTOR

आनंद एकर्षि
Anand Ekarshi

आनंद एकार्षि केरल के एक फ़िल्मकार हैं। इनकी दिलचस्पी रंगमंच में रही है, और यह 10 साल की उम्र से अभिनय कर रहे हैं, और फ़िल्म निर्माण के जुनून के साथ ही बढ़े हुए हैं। यह कहानी कहने की अपनी कला का श्रेय कोच्चि के रंगमंच समूह लोकधर्मी को देते हैं। इन्होंने मलयालम में कई लघु फ़िल्में और म्यूज़िक वीडियो बनाए हैं।

Anand Ekarshi is a filmmaker from Kerala, India. His interest in theatre and acting began at the age of 10, and grew into a passion for filmmaking. He credits his roots in storytelling to Lokadharmi, a Kochi-based theatre group, and has made several short films and music videos in Malayalam.

फ़ौजा
FOUJA

हरयाणवी / **Haryanvi** | **091** minutes

पुरस्कार / AWARD

निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम फ़िल्म
Best Debut Film of a Director

स्वर्ण कमल | **Swarna Kamal**
₹3,00,000/-

Director	Pramod Kumar
Producer	Raahi Production
Editor	Jitender Prakash Dongare
Cinematographer	Shashank Virag
Sound Designer	Dipan Das, Neeraj Rohilla

कथासार / SYNOPSIS

फ़ौजा की कहानी हरियाणा के एक ऐसे परिवार की है, जहां सेना में भर्ती होने की परंपरा रही है। जब एक दुर्घटना में अपना पैर गंवा देने की वजह से फ़ौजा सेना में नहीं जा पाता है तो उसे यह उम्मीद है कि उसका बेटा उसके सपनों को पूरा करेगा, लेकिन उसका बेटा ऐसा नहीं चाहता है। फ़िल्म पिता-पुत्र के बीच के द्वंद्व को दिखाती है।

एक भारतीय परिवार जिसमें सेना में भर्ती होकर देश-सेवा की परंपरा रही है। शारीरिक परेशानियों के कारण फ़ौजा इस परंपरा को जारी रखने में असमर्थ होता है, लेकिन अगली पीढ़ी को सेना में शामिल होने के लिए तैयार करता है।

Fouja centers on a family from Haryana who have a tradition of joining the army. Since he lost a limb in an accident and couldn't join, Fouja hopes that his son will fulfill his dream of conscripting instead, but he doesn't want to - the film follows this father-son conflict.

An Indian family has a tradition of serving the nation by joining the Army. Due to physical unfitness, Fouja is unable to continue the tradition but prepares the next generation to join the Army and fulfill this dream.

प्रमोद कुमार
Pramod Kumar

रंगमंच पर बतौर निर्देशक और अभिनेता दो दशक बिता देने के बाद प्रमोद कुमार ने 'फ़ौजा' फ़िल्मों से रजत पटल की ओर रुख किया है। इससे पहले यह सौ से ज्यादा नाटकों का मंचन और प्रदर्शन कर चुके हैं और हरियाणा में सामाज सुधार से जुड़ी कई पहल का हिस्सा रह चुके हैं। इन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का बलराज साहनी पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है।

With more than 20 years of theater experience as a director and actor, Pramod Kumar makes his film debut with 'Fouja'. He has staged and performed over a hundred plays and has also initiated many social-impact initiatives in Haryana. He has been awarded the Balraj Sahni Award for Best Actor.

कांतारा
KANTARA

कन्नड़ / **Kannada** | **150** minutes

पुरस्कार / AWARD

संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म
Award for Best Popular Film Providing Wholesome Entertainment

स्वर्ण कमल | **Swarna Kamal**
₹3,00,000/-

Director	Rishab Shetty
Producer	Hombale Films LLP
Editor	Pratheek Shetty, KM Prakash
Cinematographer	Arvind S Kashyap
Sound Designer	Raja Krishna M R

कथासार / SYNOPSIS

दक्षिणा कन्नड़ नाम के काल्पनिक गांव की कहानी बताती कांतारा, प्रकृति और इंसानों के बीच के वैचारिक द्वंद्व की पड़ताल करती है। जंगलो के साथ सहभागिता में रह रही जनजाति की जिंदगी में एक वन अधिकारी बाधा बनता है, उसे लगता है कि जनजातियों की कुछ प्रथाएं और रिवाज़ प्रकृति और ज़मीन के लिए खतरा हैं। बस यही बात एक संघर्ष को जन्म देती है।

कांतारा एक दिल को छू लेने वाली फ़िल्म जो दमदार तरीके से धार्मिक मान्यताओं के भीतर गढ़ी कहानियों को दिखाती है। दर्शकों के दिमाग के माध्यम से, फ़िल्म दिलों को जोड़ती है और बंद विचारों की खिड़कियां खोलती है।

Kantara is a story set in the fictional village of Dakshina Kannada which explores the age-old conflict between humans and nature. A tribe's coexistence with the forest is strained by a forest officer who feels that the tribe's practices pose a 'threat' to the land, with various complications breaking out.

Kantara is the most heartwarming picture that has appealingly displayed the inner story of religious beliefs. Through the viewers' minds, the film creates a deliberation of collective connection to hearts and opens the windows of locked thoughts.

निर्माता / PRODUCER

होम्बले फ़िल्म्स एलएलपी
Hombale Films LLP

होम्बले फ़िल्म्स एक फ़िल्म निर्माण कंपनी है जिसकी स्थापना दूरदर्शी फ़िल्म निर्माता विजय किरागांदुर ने की है। विश्व स्तर पर भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के जुनून के साथ इन्होंने, 'केजीएफ चैप्टर 1', 'केजीएफ चैप्टर 2' और 'कांतारा' जैसी उल्लेखनीय ब्लॉकबस्टर फ़िल्मों का निर्माण किया है, जिन्होंने मनोरंजन उद्योग को फिर से परिभाषित किया है और इनके प्रोडक्शन को फ़िल्म उद्योग में जितनी सराहना मिली है उतना ही इन्होंनें पुरस्कार भी जीते हैं।

Hombale Films is a film production company founded by visionary filmmaker Vijay Kiragandur. With a passion for promoting Indian culture globally, he has produced notable films like 'KGF Chapter','KGF Chapter 2' and 'Kantara' which have redefined the entertainment industry, earning him many awards and accolades.

निर्देशक / DIRECTOR

रिषभ शेट्टी
Rishab Shetty

रिषभ शेट्टी, अभिनेता और फ़िल्मकार हैं जो कन्नड़ फ़िल्म जगत से जुड़े हुए हैं। इन्हें समीक्षकों द्वारा सराही गई ब्लॉकबस्टर, 'कांतारा' के लिए जाना जाता है, इन्हें 'प्रा. शाले, कासरगोडु, कोडुगे' के लिए 66वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ बाल फ़िल्म का पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। "किर्की पार्टी" इनके निर्देशन की पहली फ़िल्म है।

Rishab Shetty is an actor and filmmaker in the Kannada film industry. Known for his critically acclaimed blockbuster, 'Kantara', he has been awarded the Best Children's Film at the 66th National Film Awards for 'Sarkari Hi. Pra. Shaale, Kasaragodu', his directorial debut and has also directed the entertainer 'Kirik Party'.

कच्छ एक्सप्रेस
KUTCH EXPRESS

गुजराती / **Gujarati** | **134** minutes

पुरस्कार / AWARD

राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों पर सर्वश्रेष्ठ फ़ीचर फ़िल्म
Best Feature Film Promoting National, Social and Environmental Values

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Viral Shah
Producer	Soul Sutra LLP
Editor	Chandrashekhar Prajapati
Cinematographer	Dhawalika Singh
Sound Designer	Yash Darji

कथासार / SYNOPSIS

कच्छ एक्सप्रेस एक गुजराती फ़िल्म है जो आत्म-खोज और व्यक्तिगत विकास की एक मार्मिक कहानी को एक साथ जोड़ती है। कहानी कच्छ के सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और जीवंत क्षेत्र में एक महिला की परिवर्तनकारी यात्रा पर केंद्रित है। कैसे वह विभिन्न व्यक्तिगत और पारिवारिक चुनौतियों से गुजरते हुए, गहरी भावनाओं और सामाजिक अपेक्षाओं का सामना करती है।

कच्छ एक्सप्रेस एक गुजराती फ़िल्म जो परिवार को केंद्र में रखकर महिला के उनमुक्त होने का सपना पिरोती है। पितृसत्तात्मक समाज में एक महिला का संघर्ष और उसकी सफलता हासिल करने की कहानी को बेहद संवेदनशील तरीके से दिखाया गया है। पारंपरिक लोक-कला की पृष्ठभूमि ने फ़िल्म को और विस्तार दे दिया।

Kutch Express is a Gujarati film that intricately weaves together a moving tale of self-discovery and personal growth. The story centers around a woman’s transformative journey through the culturally rich and vibrant region of Kutch. As she navigates various personal and familial challenges, she confronts deep-seated emotions and societal expectations.

Kutch Express a Gujarati film takes family as its subject and weaves a dream for women's liberation. In a male-dominated society, a woman's struggle and her rise to success is treated with great sensitivity and insight. The backdrop of traditional folk arts broadens the scope of the film.

निर्माता / PRODUCER

सोल सुत्र एलएलपी
Soul Sutra LLP

सोल सूत्र फ़िल्म प्रोडक्शन हाउस गुजराती सिनेमा में अपने उल्लेखनीय योगदान के लिए जाना जाता है। दर्शकों को सम्मोहित कर देने वाली कहानियां कहने के मकसद के साथ सोलसूत्र तीन गुजराती फ़िल्मों का सफलतापूर्वक निर्माण कर चुका है। इन्होंनें वेब सीरिज के क्षेत्र में भी कदम रखा है और दो चर्चित सीरिज का निर्माण किया है जिसे दर्शकों ने काफी सराहा है।

Soul Sutra is a film production house renowned for its significant contribution to Gujarati cinema. With a vision to tell compelling stories that resonate with audiences, Soulsutra has successfully produced three Gujarati films. They have also ventured into web series, creating two popular series that have captivated viewers.

निर्देशक / DIRECTOR

विरल शाह
Viral Shah

विरल शाह एक फ़िल्मकार और पटकथा लेखक हैं जिन्हें गुजराती सिनेमा में उनके काम के लिए जाना जाता है। इन्होंनें ऊषा प्रवीण गांधी प्रबंधन महाविद्यालय से मीडिया में शिक्षा अर्जित की है। इसके बाद से इन्होंनें कई उल्लेखनीय फ़िल्मे बनाई जिसमें, 'मिडनाइट्ट विद मेनका' (2018), 'गोलकेरी' (2020), 'कच्छ एक्सप्रेस' (2022) शामिल है।

Viral Shah is a filmmaker and screenwriter known for his work in Gujarati cinema. He pursued his education in media studies at the Usha Pravin Gandhi College of Management. He has, since, directed several notable films, including 'Midnights with Menka' (2018), 'Golkeri' (2020), 'Kutch Express' (2022).

ब्रह्मास्त्र- पार्ट 1: शिवा
BRAHMASTRA- PART 1: SHIVA

हिन्दी / **Hindi** | **167** minutes

पुरस्कार / AWARD

एवीजीसी में सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म
Best Film in AVGC

स्वर्ण कमल | **Swarna Kamal**
₹3,00,000/-

Director	Ayan Mukerji
Producer	Dharma Productions Pvt Ltd, Prime Focus Ltd, Starlight Pictures, Star Studios
Editor	Prakash Kurup
Cinematographer	V Manikandan ISC, Pankaj Kumar, Sudeep Chatterjee ISC, Vikash Nowlakha & Patrick Duroux
Sound Designer	Bishwadeep Chatterjee

कथासार / SYNOPSIS

ब्रह्मास्त्र भारतीय पौराणिक और आधुनिक भारत को एक साथ जोड़ती एक फंतासी कथा है, जिसका निर्देशन अयन मुखर्जी ने किया है। त्रयी के तौर पर बनी ब्रह्मास्त्र के पहला पार्ट: शिवा की कहानी मुंबई के एक ऐसे अनाथ लड़के की है, जिसे आग के साथ अपने जादुई नाते का पता चलता है जो रहस्यमयी ताकतों और प्रेम के ज़रिये अपने नियति तक पहुंचने की यात्रा पर निकलता है।

एक आदर्श मल्टीवर्स यानि ब्रह्मांडो की रचना के लिए जिसमें भारतीय महाकाव्य और पौराणिक कथाओं को निर्बाध तरीके से जोड़ा गया है।

Brahmāstra is an epic fantasy-adventure trilogy blending Indian mythology with modern India. Directed by Ayan Mukerji, Part One: Shiva follows an orphan from Mumbai who discovers his magical connection to fire and embarks on a journey through mystical forces and epic love to fulfill his destiny.

For creating a utopian multiverse that seamlessly blends Indian Epics and Mythology together.

धर्मा प्रोडक्शंस प्रा. लि.
Dharma Productions Pvt Ltd

धर्मा प्रोडक्शन्स भारत के शीर्ष प्रोडक्शन हाउस में से एक है, जिसकी कमान करण जौहर के हाथों में हैं, इस कंपनी की स्थापना इनके पिता ने 1976 में की थी और 35 से ज्यादा फ़िल्मों का निर्माण किया, जिसमें कई फ़िल्में ब्लॉकबस्टर रहीं।

Dharma Productions is one of India's top film production houses. Led now by Karan Johar, the company was founded by his father in 1976 and has gone on to produce more than 35 films, including many critically acclaimed blockbusters.

प्राइम फोकस लि.
Prime Focus Ltd

प्राइम फ़ोकस स्टूडियोज एक स्वतंत्र प्रोडक्शन कंपनी है जो विश्व स्तरीय, दिलचस्प और अनूठा कंटेट निर्मित करती है। नमित मल्होत्रा के नेतृत्व में, प्राइम फोकस स्टूडियो लाइव-एक्शन और एनिमेटेड मोशन पिक्चर्स और गेमिंग में सामग्री और आईपी में निवेश करता है और इसे विकसित करता है।

Prime Focus Studios is an independent production company dedicated to the creation of innovative and exciting global content. Led by Namit Malhotra, Prime Focus Studios invests in and develops content and IP across live-action and animated motion pictures, and gaming.

स्टारलाइट पिक्चर्स
Starlight Pictures

स्टारलाइट पिक्चर्स प्रा.लि अयान मुखर्जी द्वारा स्थापित कंपनी है, जो सभी प्लेटफार्मों के लिए विभिन्न मीडिया का निर्माण और निर्देशन करके मनोरंजन सेवाएं प्रदान करने का व्यवसाय करती है। इन्होंनें सिनेमा में ,हिंदू पौराणिक कथाओं से प्रेरित एक मौलिक दुनिया को रचने का काम किया है, जिसे इन्होंनें एस्ट्रावर्स का नाम दिया है।

Starlight Pictures Pvt. Ltd. is a company founded by Ayan Mukerji, in the business of rendering entertainment services by producing and directing various media across platforms. It has brought to life an original Universe of Cinema called Astraverse, derived from Hindu mythology.

स्टार स्टूडियोज़
Star Studios

स्टार स्टूडियोज़ भारत की एक अग्रणी फ़िल्म प्रोडक्शन है और वितरण कंपनी है, यह स्टार इंडिया प्रा. लि का एक विभाग है और डिज़्नी समूह की सहयोगी है। स्टार स्टूडियोज कई सफल और सराहनीय फ़िल्मों का निर्माण कर चुका है।

Star Studios is a leading India-based movie production and distribution company and a division of STAR India Pvt. Ltd., a subsidiary of the Disney Group. Star Studios has achieved significant box office and critical success with projects like 'My Name is Khan', 'Kaaka Muttai', 'Jolly LLB', 'Neerja' and 'Sanju'.

ब्रह्मास्त्र- पार्ट 1: शिवा
BRAHMASTRA- PART 1: SHIVA

हिन्दी / **Hindi** | **167** minutes

पुरस्कार / AWARD

एवीजीसी में सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म
Best Film in AVGC

स्वर्ण कमल | **Swarna Kamal**
₹3,00,000/-

Director	Ayan Mukerji
Producer	Dharma Productions Pvt Ltd, Prime Focus Ltd, Starlight Pictures, Star Studios
Editor	Prakash Kurup
Cinematographer	V Manikandan ISC, Pankaj Kumar, Sudeep Chatterjee ISC, Vikash Nowlakha & Patrick Duroux
Sound Designer	Bishwadeep Chatterjee

कथासार / SYNOPSIS

ब्रह्मास्त्र भारतीय पौराणिक और आधुनिक भारत को एक साथ जोड़ती एक फंतासी कथा है, जिसका निर्देशन अयन मुखर्जी ने किया है। त्रयी के तौर पर बनी ब्रह्मास्त्र के पहला पार्ट: शिवा की कहानी मुंबई के एक ऐसे अनाथ लड़के की है, जिसे आग के साथ अपने जादुई नाते का पता चलता है जो रहस्यमयी ताकतों और प्रेम के ज़रिये अपने नियति तक पहुंचने की यात्रा पर निकलता है।

एक आदर्श मल्टीवर्स यानि ब्रह्मांडो की रचना के लिए जिसमें भारतीय महाकाव्य और पौराणिक कथाओं को निर्बाध तरीके से जोड़ा गया है।

Brahmāstra is an epic fantasy-adventure trilogy blending Indian mythology with modern India. Directed by Ayan Mukerji, Part One: Shiva follows an orphan from Mumbai who discovers his magical connection to fire and embarks on a journey through mystical forces and epic love to fulfill his destiny.

For creating a utopian multiverse that seamlessly blends Indian Epics and Mythology together.

अयान मुखर्जी
Ayan Mukerji

अयान मुखर्जी , लेखक-निर्देशक हैं, इनकी पहली फ़िल्म 'वेक अप सिड' को आलोचनात्मक और व्यावसायिक सफलता मिली। उनकी फ़िल्म 'ये जवानी है दीवानी' रिकॉर्ड तोड़ हिट रही थी। इसके बाद उन्होंने हिंदू पौराणिक कथाओं और फंतासी पर काम किया, 'ब्रह्मास्त्र' बनाई, जो एक त्रयी में पहली फ़िल्म थी, जिसने भारतीय सिनेमा में वीएफएक्स के लिए एक नया मानक स्थापित किया।

Ayan Mukerji is a writer-director whose debut film 'Wake Up Sid' garnered critical and commercial success. His film 'Yeh Jawani Hai Deewani' was a record-breaking hit. He tackled Hindu mythology and fantasy next, creating 'Brahmāstra', the first film in a trilogy, setting a new bar for VFX in Indian cinema.

ऐमुठी पुठी
EMUTHI PUTHI

104 minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ असमिया फ़िल्म
Best Assamese Film

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Kulanandini Mahanta
Producer	Metanormal Motion Pictures Pvt Ltd, Ruhan Films
Editor	Shweta Rai Chamling
Cinematographer	Ujwala Viswanath
Sound Designer	Rukmajit Baruah, Bulganin Baruah

कथासार / SYNOPSIS

रितिका अपनी मां के सख्त रवैये के साथ रहते हुए तंग आ चुकी है, वह भागने की योजना बनाती है लेकिन उसके पास पैसों की कमी है। उसकी दादी मखोनी भी एक पौराणिक झील पर जाना चाहती हैं तो दोनों साथ में भाग जाते हैं, लेकिन उसकी मां इंदिरा उनका पीछा करती है, झील पर पहुंचकर रितिका का प्यार और इंदिरा की मांगे मखोनी पर किसी एक को चुनने का दबाव डालती है।

मानवीय महत्वाकांक्षा और पूर्ति की जटिलता पर शानदार कहानी के लिए।

Ritika despises her strict life under her single mother Indira and plans to escape but lacks the funds. Her grandmother Makhoni also wants to leave for a mythical lake. They flee together, but Indira pursues them. At the lake, Ritika's love and Indira's demands force Makhoni to make a choice.

For its brilliant narrative on the complex nature of human ambition and fulfillment.

मेटानॉर्मल मोशन पिक्चर्स प्रा. लि.
Metanormal Motion Pictures Pvt Ltd

भास्कर हज़ारिका और श्याम बोरा के नेतृत्व में 2013 में स्थापित, मेटानॉर्मल की नवीनतम हिंदी फ़िल्म, 'सेकेंड चांस', का प्रीमियर 58वें कार्लोवी वेरी इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल में हुआ। कंपनी ने 'ऐमुठी पुठी' (2022), 'आमिस' (2019) और 'कोथानोडी' (2015) जैसी प्रशंसित असमिया फ़िल्में बनाई हैं, जिन्होंने भारतीय राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार जीते हैं।

Founded in 2013, Metanormal's latest Hindi film, 'Second Chance', premiered at the 58th Karlovy Vary International Film Festival. The company has produced acclaimed Assamese films like 'Emuthi Puthi' (2022), 'Aamis' (2019) and 'Kothanodi' (2015), which have won National Film Awards. Metanormal is led by Bhaskar Hazarika and Shyam Bora.

रुहान फ़िल्म्स
Ruhan Films

रुहान फ़िल्म्स की स्थापना सुनील अग्रवाल ने की थी, जिन्हें जिंदगी से जुड़ी कहानियों को सिनेमा पर उतारने का जुनून है। 'ऐमुठी पुठी' इस कंपनी की पहली फ़िल्म है।

Ruhaan Films was founded by Shri Sunil Agarwal who is passionate about bringing cinematic stories to life. 'Emuthi Puthi' is the company's first feature film production.

कुलनन्दिनी महंता
Kulanandini Mahanta

छायाकार-निर्देशक, कुलनंदिनी महंता ने उत्तरपूर्व फिल्म महोत्सव में 'ऐमुठी पुठी' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (रजत) और आर.के. यूनिवर्स में निर्देशक की पहली सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म का पुरस्कार जीता। कोलोराडो फ़िल्म स्कूल में सिनेमैटोग्राफी में शिक्षित, कुलनंदिनी ने विभिन्न हॉलीवुड परियोजनाओं और यूनिसेफ के साथ काम किया है। वह एक प्रशिक्षित भरतनाट्यम नर्तक, चित्रकार और हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीतकार भी हैं।

Kulanandini Mahanta, a cinematographer-director, won Best Director (Silver) for Emuthi Puthi at Northeast Film Festival and Best Debut Director at R.K Universe. Educated in cinematography at Colorado Film School, she has worked on various Hollywood projects and also with UNICEF. She is also a trained Bharatnatyam dancer, painter, and Hindustani Classical musician.

काबेरी अंतरधान
KABERI ANTARDHAN

141 minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ बांग्ला फ़िल्म
Best Bengali Film

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Kaushik Ganguly
Producer	Surinder Films Pvt. Ltd
Editor	Subhajit Singha
Cinematographer	Gopi Bhagat
Sound Designer	Anindit Roy (CAS), Aadip Singh Manki

कथासार / SYNOPSIS

नक्सलबाड़ी विद्रोह की पृष्ठभूमि पर आधारित फ़िल्म की कहानी एक संयुक्त परिवार के इर्दगिर्द घूमती है, जिसमें मृणमोय घोष है, जो एनकाउंटर स्पेशलिस्ट है. वह अपने पिता की राजनीतिक मान्यताओं से नफरत करता है। उसके परिवार में उसकी पत्नी और बेटे के साथ ही मृणमोय की बहन काबेरी और उसका पति अमियो भी शामिल है।

उथल-पुथल भरे समय को संवेदनशील तरीके से दिखाने और अभिनेताओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए।

Set against the backdrop of Naxalbari uprising, the film focuses on a joint family consisting of Mrinmoy Ghosh, an encounter specialist; his wife Nayantara and their young son M.G. who hates his father for his political beliefs. The family also consists of Kaberi, Mrinmoy's sister and Amiyo, her husband.

For the sensitive handling of tumultuous times and the superlative performances of the actors.

निर्माता / PRODUCER

सुरिन्दर फ़िल्म्स प्रा. लि.
Surinder Films Pvt. Ltd

सुरिंदर फ़िल्म्स 1970 से कोलकाता के फ़िल्म और टेलीविजन क्षेत्र में शीर्ष पर है। इसने 'सागरद्वीपे जॉकेर धान', 'ज्येष्ठपुत्रो', 'दृष्टिकोण', 'घरे बायरे', 'छाया ओर छोबी', 'पगलु 2', 'बोलो ना तुमी आमार', 'मोन माने ना', 'बेश कोरेचि प्रेम कोरेचि', 'देवा', 'अरुंधुति' जैसी फ़िल्मों सहित 20 से ज्यादा टेलिविजन शो का निर्माण किया है।

Surinder Films is a leading film and television production house established in Kolkata in 1970. It has produced blockbuster films like 'Sagardwipey Jawker Dhan', 'Jyeshthoputro', 'Drishtikone', 'Ghare & Baire', 'Chhaya O Chhobi', 'Paglu 2, Paglu', 'Bolo Na Tumi Amar', 'Mon Mane Na', and others, along with over 20 television shows.

निर्देशक / DIRECTOR

कौशिक गांगुली
Kaushik Ganguly

कौशिक गांगुली बांग्ला सिनेमा के जाने माने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फ़िल्म निर्देशक, पटकथा लेखक और अभिनेता हैं। जिन्हें उनकी यथार्थवादी, सहज और संवेदनशील फ़िल्मों जैसे 'बिशोरजन', 'छोटोदेर छोबि' 'नगरकीर्तन' और 'सिनेमावाला' के लिए जाना जाता है। इन्हें कई बार राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार से नवाजा जा चुका है, इसके साथ ही 9 बार फ़िल्म फेयर अवार्ड सहित यह कई अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित हैं।

Kaushik Ganguly is a film director, screenwriter and actor working in Bengali cinema. Known for his realistic, simple and sensitive films like 'Bishorjon', 'Chotoder Chobi', 'Nagarkirtan' and 'Cinemawala', he has won the prestigious National Film Award several times, the Filmfare Award nine times along with various international awards and accolades.

गुलमोहर
GULMOHAR

132 minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ हिन्दी फ़िल्म
Best Hindi Film

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Rahul V. Chittella
Producer	Star Studios, Chalkboard Entertainment, Autonomous Works
Editor	Tanupriya Sharma
Cinematographer	Eeshit Narain
Sound Designer	P M Satheesh, Manoj Goswami

कथासार / SYNOPSIS

अपने पुश्तैनी घर ‘ गुलमोहर’ को समेटते समय बत्रा परिवार एक उथल-पुथल का सामना करता है। वसीयत को लेकर तनाव बढ़ जाता है। द्वेष और व्यक्तिगत संकटों के बीच, रिश्तों की भी परख होती है और कई और रहस्य उजागर होते हैं। अंततः परिवार को पता चलता है कि उनका असली घर उनके भीतर और एक-दूसरे में है, इस तरह फ़िल्म का अंत एक होली उत्सव में होता है।

एक फ़िल्म, जो अपनी काव्यात्मक संवेदनाओं में, परिवार के टूटने, रिश्तों की दुविधाओं, भावनात्मक उथल-पुथल और एक बेटे के अपने परिवार को बचाने की कोशिश के बारे में बात करती है। सर्वश्रेष्ठ हिंदी फ़िल्म गुलमोहर हमारे समय के समाज को सूक्ष्म तरीके से दिखाती है।

In Gulmohar, the Batra family navigates upheaval as they pack up their ancestral home. Tensions flare over a will. Amidst chaos and personal crises, relationships are tested and secrets revealed. Ultimately, the family discovers their true home is within themselves and in each other, culminating in a unifying Holi celebration.

A film that, in its poetic sensibilities, talks about the disintegration of family, the dilemmas of relationships, emotional turmoil and a son's bid to save his family – almost as distant as a dream. The Best Hindi Film Gulmohar depicts the society of our times in a nuanced way.

निर्माता / PRODUCER

स्टार स्टूडियोज़
Star Studios

स्टार स्टूडियोज़ भारत की एक अग्रणी फ़िल्म प्रोडक्शन है और वितरण कंपनी है, यह स्टार इंडिया प्रा. लि का एक विभाग है और डिज़्नी समूह की सहयोगी है। स्टार स्टूडियोज कई सफल और सराहनीय फ़िल्मों का निर्माण कर चुका है।

Star Studios is a leading India-based movie production and distribution company and a division of STAR India Pvt. Ltd., a subsidiary of the Disney Group. Star Studios has achieved significant box office and critical success with projects like 'My Name is Khan', 'Kaaka Muttai', 'Jolly LLB', 'Neerja' and 'Sanju'.

चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट
Chalkboard Entertainment

चॉकबोर्ड एंटरटेन्मेंट की स्थापना 2019 में विकेश भूटानी और शुजात सौदागर ने की थी, जो दिलचस्प फ़िल्म और सीरिज के निर्माण में शामिल है।

Established in 2019, Chalkboard Entertainment, led by Vikesh Bhutani and Shujaat Saudagar, produces engaging films and series.

ऑटनमस वर्क्स
Autonomous Works

ऑटनमस वर्क्स एक स्वतंत्र रचनात्मक स्टूडियो हैं जिसकी स्थापना राहुल वी. चित्तेला और गीतिका अग्रवाल ने की है। स्टूडियो फ़िल्म, टेलिविजन और ऑडियो निर्माण में शामिल है।

Autonomous Works is an independent creative studio founded by Rahul V. Chittella and Gitika Aggarwal. The independent studio produces film, television and audio narratives.

निर्देशक / DIRECTOR

राहुल वी. चिट्टेल्ला
Rahul V. Chittella

राहुल वी. चिट्टेल्ला एक फ़िल्म निर्माता, लेखक और निर्माता हैं, जिन्होंने मीरा नायर के साथ 'द रिलक्टेंट फंडामेंटलिस्ट' और 'क्वीन ऑफ कटवे' जैसी फ़िल्मों में सहयोग किया है। उन्होंने 'मॉनसून वेडिंग म्यूजिकल' (2022) का भी निर्माण किया। उनकी फ़िल्म 'आज़ाद' को कई पुरस्कार और प्रशंसाएं मिली हैं।

Rahul V. Chittella is a filmmaker, writer, and producer who collaborated with Mira Nair on films including 'The Reluctant Fundamentalist' and 'Queen of Katwe'. He also produced 'Monsoon Wedding Musical' (2022). His film 'Azaad' has received multiple awards and accolades.

के.जी.एफ चैप्टर -2
K.G.F: CHAPTER 2

168 minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ कन्नड़ फ़िल्म
Best Kannada Film

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Prashanth Neel
Producer	Hombale Films LLP
Editor	Ujwal Kulkarni
Cinematographer	Bhuvan Gowda
Sound Designer	Nandu J

कथासार / SYNOPSIS

प्रसिद्ध पत्रकार आनंद इंगाल्गी ने केजीएफ के गुप्त इतिहास पर अल डोराडो नामक पुस्तक लिखी थी, लेकिन भारत सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब विजेंद्र इंगल्गी इस कहानी को अध्याय 2 में जारी रखते हैं। रॉकी गरुड़ की मौत से बच जाता है और केजीएफ का पुनर्निर्माण करता है, अब उसके सामने नए दुश्मन हैं। पुस्तक में दमन का खुलासा किया गया है, जिसमें सरकार की कठोर कार्रवाइयां भी शामिल हैं।

केजीएफ चैप्टर-2 अपार संपत्ति पर कब्ज़े के लिए अलग-अलग गिरोहों के बीच के संघर्ष को दिखाती है।

Anand Ingalgi, a renowned journalist, wrote the book EL DORADO on the secret history of KGF, but the Indian government banned it. Vijendra Ingalgi continues this story in Chapter 2. Rocky survives Garuda's death, rebuilds KGF, and faces new foes. The book's suppression is revealed, including the government's drastic actions.

KGF Chapter -2 involves a battle among numerous gangs for the possession of a vast collection of wealth.

निर्माता / PRODUCER

होम्बले फ़िल्म्स एलएलपी
Hombale Films LLP

होम्बले फ़िल्म्स एक फ़िल्म निर्माण कंपनी है जिसकी स्थापना दूरदर्शी फ़िल्म निर्माता विजय किरागांदुर ने की है। विश्व स्तर पर भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के जुनून के साथ इन्होंने, 'केजीएफ चैप्टर 1', 'केजीएफ चैप्टर 2' और 'कांतारा' जैसी उल्लेखनीय ब्लॉकबस्टर फ़िल्मों का निर्माण किया है, जिन्होंने मनोरंजन उद्योग को फिर से परिभाषित किया है और इनके प्रोडक्शन को फ़िल्म उद्योग में जितनी सराहना मिली है उतना ही इन्होंनें पुरस्कार भी जीते हैं।

Hombale Films is a film production company founded by visionary filmmaker Vijay Kiragandur. With a passion for promoting Indian culture globally, he has produced notable films like 'KGF Chapter 1', 'KGF Chapter 2' and 'Kantara' which have redefined the entertainment industry, earning him many awards and accolades.

निर्देशक / DIRECTOR

प्रशांत नील
Prashanth Neel

कर्नाटक के लेखक-निर्देशक प्रशांत नीलकंठपुरम ने व्यापक रूप से सफल कन्नड़ फ़िल्म 'उग्रम' (2014) से शुरुआत की और सर्वश्रेष्ठ प्रथम फ़िल्म निर्देशक का एसआईआईएमए का पुरस्कार जीता। आगे इनके निर्देशन में बनी 'केजीएफ' और इसके अगले भाग ने वैश्विक प्रशंसा और रिकॉर्ड-तोड़ सफलता हासिल की।

Prashanth Neelakantapuram, a writer-director from Karnataka, debuted with the widely successful Kannada film 'Ugramm' (2014), winning the SIIMA Award for Best Debut Director. His follow-up, 'KGF', and its sequel achieved global acclaim and record-breaking success.

सउदी वेल्लाक्का सीसी.225/2009
SAUDI VELLAKKA CC.225/2009

148 minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ मलयालम फ़िल्म
Best Malayalam Film

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Tharun Moorthy
Producer	Urvasi Theatres
Editor	Nishadh Yusuf
Cinematographer	Sharan Velayudhan
Sound Designer	Vishnu Govind

कथासार / SYNOPSIS

अभिलाष शशिधरन को बचपन के एक मामले में अदालत में पेश होने का समन मिलता है। मामले की हकीकत जानने के लिए उत्सुक अभिलाष पाता है कि किस तरह एक छोटी सी लड़ाई एक बड़े संघर्ष में तब्दील हो चुकी है, जिसने उस मामले में शामिल सभी लोगों की जिंदगी को बदल कर रख दिया है ।

भारतीय अदालतों में लंबित मामलों पर एक गहन और बांधकर रखने वाली फ़िल्म जो संवेदनशील न्याय प्रणाली का आह्वान करती है। सिस्टम में देरी के कारण दो दशकों से अधिक समय से पीड़ा झेल रही एक वृद्ध महिला के किरदार का बखूबी चित्रण किया गया है।

Abhilash Sasidharan receives a summons warrant to appear in court for a case from his childhood. Desperate to learn the truth, he finds a small conflict snowballed into a larger one that changed the lives of everyone involved.

An intense and engrossing movie on the pendency of cases in Indian courts which makes an earnest call for a more responsive justice system. The picture of an aged woman who is subjected to agony for over two decades due to the delays in the system is very well portrayed.

निर्माता / PRODUCER

उर्वशी थियेटर्स
Urvasi Theatres

संदीप सेनन द्वारा 2012 में स्थापित उर्वशी थिएटर मलयालम फ़िल्म उद्योग का एक प्रतिष्ठित प्रोडक्शन हाउस है जो अपनी असाधारण गुणवत्ता और प्रभावशाली कहानी कहने के लिए जाना जाता है, उर्वशी थिएटर के खाते में राष्ट्रीय पुरस्कार, केरल राज्य फ़िल्म पुरस्कार, फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार, एशियानेट फ़िल्म सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार जैसे सिमा पुरस्कार, वनिता पुरस्कार, और बहुत कुछ शामिल है।

Urvasi Theatres, founded in 2012 by Sandip Senan, is a prestigious production house in Malayalam film industry known fork its exceptional quality and impactful storytelling, Urvasi Theatres has garnered numerous prestigious awards including National Awards, Kerala State Film Awards, Filmfare Awards, Asianet Film Awards, SIIMA Awards, Vanitha Awards, and more.

निर्देशक / DIRECTOR

तरुण मूर्ति
Tharun Moorthy

तरुण मूर्ति भारतीय फ़िल्म निर्देशक हैं, इन्होंनें प्रमुखतौर पर मलयालम सिनेमा जगत के लिए काम किया है। इनकी पहली फ़िल्म 'ऑपरेशन जावा' व्यवायिक तौर पर बहुत बड़ी सफल फ़िल्म रही और इसने ढेर सारी सराहना और पुरस्कार भी हासिल किए। इन्हें अपने अनूठे फ़िल्म निर्माण और पर्दे पर सहजता से भावों को प्रकट करने के लिए जाना जाता है, जो इन्हें मलयालम सिनेमा जगत के सफल निर्देशकों की श्रेणी में रखता है।

Tharun Moorthy is a prominent film director in Malayalam cinema. His debut film, 'Operation Java', was a commercial success and earned numerous accolades. Renowned for his unique style and skillful emotional storytelling, Moorthy is now one of the most sought-after directors in the industry.

वाल्वी
VALVI

105 minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ मराठी फ़िल्म
Best Marathi Film

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Paresh Mokashi
Producer	Mayasabha Karamanuk Mandali, Zee Studios
Editor	Abhijeet Deshpande, Saurabh Prabhudesai
Cinematographer	Satyajeet Shobha Shriram
Sound Designer	Shishir Chousalkar

कथासार / SYNOPSIS

दिवालियापन, बेदखली और बांझपन का सामना कर रहा एक जोड़ा अपने जीवन को समाप्त करने की योजना बनाता है , पत्नी आत्महत्या और पति हत्या द्वारा काम को अंजाम देने की योजना बनाते हैं। वालवी स्वार्थ, उदासीनता और आत्म-संरक्षण के विषयों की खोज करने वाली एक डार्क कॉमेडी है। क्या पति सफल होगा, या अप्रत्याशित बाधाएँ उसकी योजना को बाधित कर देंगी?

मिड-लाइफ संकट को दिलचस्प ढंग से दिखाती फ़िल्म जो दर्शकों को बांधे रखती है।

Facing bankruptcy, eviction, and infertility, a couple plans to end their lives: the wife by suicide, the husband by murder. Vaalvi is a dark comedy exploring themes of selfishness, apathy, and self-preservation. Will the husband succeed, or will unforeseen obstacles disrupt his plan?

For its quirky narrative of an extreme midlife crisis drama that keeps the audience on edge throughout the film.

मायासभा कारामानुक मंडली
Mayasabha Karamanuk Mandali

2007 में स्थापित, मायासभा करमानुक मंडली ने मराठी सिनेमा के निर्माण में लगातार खुद को साबित किया है। इनकी पहली फ़िल्म, 'हरिश्चंद्राची फैक्ट्री', भारत की ऑस्कर प्रविष्टि थी और इसने सर्वश्रेष्ठ मराठी फ़िल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। 'एलिजाबेथ एकादशी' और 'वालवी' सहित बाद की फ़िल्मों ने भी पुरस्कार जीते हैं। उनका नवीनतम प्रोडक्शन 'नच गा घुमा' है।

Founded in 2007, Mayasabha Karamanuk Mandali excels in producing Marathi cinema. Their debut film, 'Harishchandrachi Factory', was India's Oscar entry and won the National Award for Best Marathi Film. Subsequent films, including 'Elizabeth Ekadashi' and 'Vaalvi', have also won awards. Their latest production is 'Nach Ga Ghuma'.

ज़ी स्टूडियोज़
Zee Studios

ज़ी स्टूडियोज़ की स्थापना 2012 में हुई थी, जो आज टेलिविजन, फ़िल्म और स्ट्रीमिंग के क्षेत्र में एक अग्रणी प्रोडक्शन कंपनी है। मुंबई स्थित यह कंपनी प्रोडक्शन, मार्केटिंग, और वितरण को संभालती है। इन्हें 'कश्मीर फ़ाइल्स', 'गदर 2', और '12वीं फेल' जैसी फ़िल्मों के लिए जाना जाता है, इस बैनर के तले कई सराहनीय हिंदी और क्षेत्रीय फ़िल्मों का निर्माण हो चुका है ।

Zee Studios, established in 2012, is a leading entertainment and production company specializing in film, streaming, and television content. Based in Mumbai, it handles production, marketing, and distribution. Known for hits like 'The Kashmir Files', 'Gadar 2', and '12th Fail', it produces acclaimed Hindi and regional films.

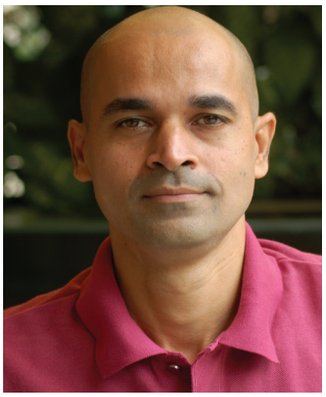

परेश मोकाशी
Paresh Mokashi

परेश मोकाशी भारतीय फ़िल्म निर्देशक, लेखक और अभिनेता हैं। इनकी पहली फ़ीचर फ़िल्म 'हरीशचंद्राची फ़ैक्ट्री' भारत की तरफ से 2009 में ऑस्कर प्रवेश के लिए चयनित हुई थी। इनकी हालिया फ़िल्म 'एलिज़ाबेथ एकादशी' ने 62वें राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने के साथ व्यवसायिक सफलता भी हासिल की है।

Paresh Mokashi is a film director, writer and actor. His first feature film 'Harishchandrachi Factory' was selected as India's entry to the Oscars in 2009. His recent work 'Elizabeth Ekadashi' received the prestigious 62nd National Award and was a huge commercial success.

दमन
DAMAN

121 minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ उड़िया फ़िल्म
Best Odia Film

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Vishal Mourya, Debi Prasad Lenka
Producer	JP Motion Pictures
Editor	Debi Prasad Lenka
Cinematographer	Pratap Rout
Sound Designer	Tusar Jena

कथासार / SYNOPSIS

डॉ. सिद्धार्थ की नियुक्ति सुदूर मलकानगिरी पीएचसी में हो जाती है, यह इलाका खराब परिस्थितियों और नक्सली प्रभाव से जूझ रहा हैं। एलएलआईएन जाल और दमन कार्यक्रम का उपयोग करके वह स्वास्थ्य देखभाल में सुधार लाते हैं और इस तरह से मलेरिया से निपटने का उनका मिशन क्षेत्र को पूरी तरह से बदल देता है। सिद्धार्थ के प्रयासों से मलेरिया के मामलों में काफी कमी आती है जिससे वह स्थानीय नायक बन जाता है।

दक्षिणी ओडिशा का नक्सली बहुल आदिवासी क्षेत्र मल्कानगिरी जहां न्यूनतम बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। फ़िल्म दमन दुर्गम आंचलरे मलेरिया निराकरण उन्मूलन कार्यक्रम से संबंधित है जो दुर्गम क्षेत्रों में मलेरिया को लक्षित करता है।

In the year 2015, Dr. Siddharth, assigned to a remote Malkangiri PHC, struggles with the region's poor conditions and Naxal influence. His mission to improve healthcare and tackle Malaria, using LLIN nets and the Daman program, transforms the area. Siddharth's efforts reduce Malaria cases significantly, making him a local hero.

Malkanagiri, a tribal area in southern Odisha dominated by Naxals, lacks minimum basic facilities. The film Daman deals with the Durgama Anchalre Malaria Nirakarana eradication programme targeting malaria in inaccessible areas.

निर्माता / PRODUCER

जेपी मोशन पिकचर्स
JP Motion Pictures

जेपी मोशन पिक्चर्स की स्थापना 2022 में ओडिशा के भुवनेश्वर में हुई थी जो अपनी आकर्षक, दिल को छू लेने वाली और नई कहानियों के लिए जाना जाता है। 'दमन' जैसी सराहनीय फ़िल्म बनाने वाला जेपी मोशन सामाजिक मुद्दों पर बात करता है । गुणवत्ता के लिए प्रतिबद्ध कंपनी के सिनेमाई करिश्मे का असर स्थानीय और वैश्विक दोनों स्तरों पर नज़र आता है।

Founded in 2022 in Bhubaneswar, Odisha, JP Motion Pictures is known for compelling, diverse storytelling and lots of innovation. Acclaimed for projects like 'Daman', the company's projects explore social issues and push cinematic boundaries. Committed to quality, JP Motion Pictures creates impactful films that resonate both locally and globally.

निर्देशक / DIRECTOR

विशाल मौर्य
Vishal Mourya

विशाल मौर्य उड़िया और हिंदी फ़िल्मों के निर्देशक, निर्माता और पटकथा लेखक हैं। उनकी ब्लॉकबस्टर 'दमन' (2022) और उनकी हिट फ़िल्म 'बीजू बाबू' (2019) ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा हासिल की है। मौर्य ने 'बी फॉर बुंदेलखंड' (2017) के साथ-साथ उल्लेखनीय सरकारी और कॉर्पोरेट फ़िल्मों का भी निर्देशन किया। फ़िल्म निर्माण से पहले उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है।

Vishal Mourya is a director, producer, and screenwriter known for Odia and Hindi films. His blockbuster 'Daman' (2022) and his hit film 'Biju Babu' (2019) have gained national acclaim. Mourya also directed 'B for Bundelkhand' (2017) as well as notable government and corporate films. He studied engineering before pursuing filmmaking.

निर्देशक / DIRECTOR

देबी प्रसाद लेंका
Debi Prasad Lenka

देबी प्रसाद लेंका एक निर्देशक, निर्माता, पटकथा लेखक और संपादक हैं, जिन्हें व्यापक रूप से 'दमन' (2022) और 'बीजू बाबू' (2019) के लिए जाना जाता है। उन्होंने 'बी फॉर बुंदेलखंड' (2017) का भी निर्देशन किया, जिसने फ़िल्म समारोहों में पुरस्कार जीते। लेंका ने पुरुष हॉकी विश्व कप 2018 टीवीसी सहित कॉर्पोरेट, वृत्तचित्र और सरकारी फ़िल्मों पर काम किया है।

Debi Prasad Lenka is a director, producer, screenwriter, and editor widely known for 'Daman' (2022) and 'Biju Babu' (2019). He also directed 'B for Bundelkhand' (2017), which won awards at film festivals. Lenka has worked on corporate, documentary, and government films, including the Men's Hockey World Cup 2018 TVC.

बाघी दि धी
BAGHI DI DHEE

92 minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ पंजाबी फ़िल्म
Best Punjabi Film

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Mukesh Gautam
Producer	G-Next Media Pvt. Ltd
Editor	Vikas Tyagi
Cinematographer	Lucky Yadav
Sound Designer	Suneet Kumar

कथासार / SYNOPSIS

दीप, गदर आंदोलन से जुड़े दो क्रांतिकारियों की बेटी है, उसे अस्थमा है। हालात ऐसे बनते हैं कि दीप के माता-पिता पकड़े जाते हैं और दीप को कहीं से कोई मदद नहीं मिलती है, यही नहीं बीमारी के चलते उसे अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है, अपनी बेटी से मिलने आए पिता की ताक में पुलिस वाले हैं, दीप अपनी जिंदगी की आखरी लड़ाई लड़ती है और पिता को बचाते हुए शहीद हो जाती है।

इतिहास और साहित्य से निकाला गया एक छोटा सा हिस्सा जो आज़ादी के संघर्ष को दर्शाता है।

The film's protagonist Deep is the daughter of two Ghadar Movement leaders and who, despite her asthma, remains dedicated to the cause. Abandoned and shunned, she is eventually helped by freedom fighters. Deep's bravery culminates in her martyrdom as she sacrifices her life to save her father from the British.

A slice of history and literature depicting the freedom struggle of our motherland.

निर्माता / PRODUCER

जी-नेक्सट मीडिया प्रा. लि
G-Next Media Pvt. Ltd

जी नेक्स्ट मीडिया द्वारा प्रचारित, पीटीसी नेटवर्क एक प्रमुख पंजाबी टीवी नेटवर्क है, जिसकी कमान रवीन्द्र नारायण के हाथों में है। पीटीसी पंजाबी और पीटीसी न्यूज सहित सात चैनलों के साथ, यह लाखों लोगों को पंजाबी संस्कृति से जोड़ता है। अपने विशिष्ट गुरबानी कीर्तन प्रसारण और विविध प्रोग्रामिंग के लिए प्रसिद्ध, पीटीसी के पास संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में भी स्टूडियो हैं।

Promoted by G-Next Media, PTC Network is a leading Punjabi TV network, expanding under Rabindra Narayan's leadership. With seven channels including PTC Punjabi and PTC News, it connects millions with Punjabi culture. Notable for its exclusive Gurbani Kirtan broadcasts and diverse programming, PTC also has studios in USA and Canada.

निर्देशक / DIRECTOR

मुकेश गौतम
Mukesh Gautam

मुकेश गौतम थिएटर, फ़िल्म और टेलीविजन आर्ट्स में मास्टर डिग्री के साथ एक फिल्म निर्माता हैं। वर्तमान में, वह पीटीसी नेटवर्क में मुख्य सलाहकार हैं। इनके उल्लेखनीय कार्यों में 'बाघी दि धी' और अज़ाब और टीवी 'श्रृंखला सजदा' शामिल हैं।

Mukesh Gautam is a filmmaker with a Master's in Theatre, Film, and Television Arts. Currently, he is Chief Advisor at PTC Network. His notable works include films like 'Baghi Di Dhee' and 'Azaab', and the TV series 'Sajda'. Gautam has won a National Film Award for 'Baghi Di Dhee'.

पोन्नियन सेल्वन - पार्ट 1
PONNIYIN SELVAN - PART I

167 minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ तमिल फ़िल्म
Best Tamil Film

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Mani Ratnam
Producer	Madras Talkies, Lyca Productions
Editor	Sreekar Prasad
Cinematographer	Ravi Varman
Sound Designer	Anand Krishnamoorthi

कथासार / SYNOPSIS

दसवीं शताब्दी में, चोल साम्राज्य के राजकुमारों अदिथा करिकालन और अरुणमोझी वर्मन ने बड़ी सफलता हासिल की। लेकिन वहां षड्यंत्र भी रचे जा रहे हैं: एक तरफ पांड्य सैनिक अपने मारे गए राजा का बदला लेना चाहते हैं, वहीं चोल सरदार, कोषाध्यक्ष पेरिया पझुवेट्टारयार के नेतृत्व में, सिंहासन पर कब्ज़ा करने की साजिश रच रहे हैं। भविष्य के राजा अदिथा को इन धमकियों और व्यक्तिगत विश्वासघातों को विफल करना होगा।

चोल राजवंश की जीत पर एक फ़िल्म बनाने के लिए, जिसमें अदिथा करिकालन और अरुणमोझी वर्मन काल के प्यार और प्रतिशोध को दिखाया गया है, जिसमें भावनात्मकता और दृश्य की भव्यता को बहुत ही सौंदर्यपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया गया है।

In the tenth century, under Chola rule, Princes Aditha Karikalan and Arunmozhi Varman achieve great success. Conspiracies brew: Pandya soldiers seek revenge for their slain king, while Chola chieftains, led by treasurer Periya Pazhuvettarayar, plot to usurp the throne. Crown Prince Aditha must thwart these threats and personal betrayals.

For making a film on the Chola Dynasty's victory, featuring love and vengeance during Aditha Karikalan and Arunmozhi Varman period in which the emotional drama and visual grandeur are dealt with very aesthetically.

MADRAS TALKIES

मद्रास टॉकीज़
Madras Talkies

मद्रास टॉकीज़ एक स्थापित फ़िल्म और टेलिविजन प्रोडक्शन कंपनी है, जिसकी स्थापना 1995 में मणिरत्नम और सुहासिनी मणिरत्नम ने की थी। मद्रास टॉकीज के बैनर तले अभी तक 18 फ़िल्मों का निर्माण और वितरण और 4 टेलिविजन सीरियल का निर्माण किया जा चुका है।

Madras Talkies is an established Film and Television Production Company, setup in 1995, with Mani Ratnam and Suhasini Maniratnam as partners. Madras Talkies has produced and distributed over 18 feature films and four television serials.

LYCA PRODUCTIONS

लाइका प्रोडक्शंस
Lyca Productions

लायका प्रोडक्शन्स की स्थापना 2014 में सुभाषकरन अल्लिराजा ने की थी जिनका जोर नई तमिल कहानियों को कहने पर रहा है। इन्होंनें अपनी फ़िल्म 'काथथि' और 'चेक्का चिवंथा वान्नम' के ज़रिया काफी सराहना बटोरी है।

Lyca Productions, founded in 2014 by Subaskaran Allirajah, emphasizes on innovative Tamil storytelling. It has won accolades for movies like 'Kaththi' and 'Chekka Chivantha Vaanam', pioneering advanced screening formats.

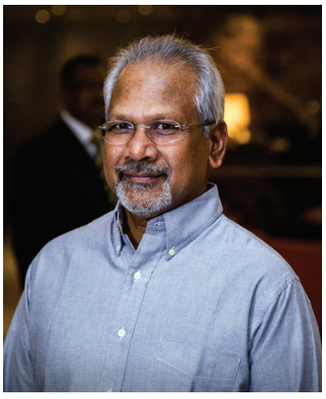

मणि रत्नम
Mani Ratnam

मणिरत्नम भारतीय सिनेमा जगत का ऐसा नाम है जो किसी परिचय का मोहताज नहीं है, इन्होंनें तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी भाषा में सार्थक सिनेमा रचा है। यह भारत के सबसे सफल और सराहनीय फ़िल्मकारों में से एक हैं जिन्होंनें 30 से ज्यादा फ़िल्मों का निर्माण किया और इन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाज़ा जा चुका है जिसमें भारत सरकार द्वारा प्रदान किया जाने वाले पदम श्री (2002) भी शामिल है।

Mani Ratnam is an iconic and award-winning film director, producer and screenwriter across Tamil, Telugu, Malayalam and Hindi cinema. He is one of India's most acclaimed and commercially successful filmmakers, having made over 30 films and has garnered multiple prestigious accolades for his films, including the Padma Shri (2002) by the Government of India.

कार्तिकेय -2
KARTHIKEYA-2

145 minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फ़िल्म
Best Telugu Film

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Chandoo Mondeti
Producer	Abhishek Agarwal Arts LLP, People Media Factory LLP
Editor	Karthik Gattamneni
Cinematographer	Karthik Gattamneni
Sound Designer	Kannan Ganpat, Pradeep G

कथासार / SYNOPSIS

अस्पताल के अधिकारी कार्तिक की एक अनुष्ठान को लेकर मेयर के साथ झड़प हो जाती है जिसके बाद उसे निलंबित कर दिया जाता है। वह स्वामीजी की सलाह पर द्वारका की यात्रा करता है, जहां उसे एक जीवन रक्षक पौराणिक कंगन मिलता है, वहीं उसे पता चलता है कि प्रोफेसर राव को एक गुप्त समाज द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। इसके बाद कार्तिक और राव की पोती मुधा कंगन को बचाते हैं और सरकार को सौंप देते हैं।

धर्म और विज्ञान का कुशल समागम, फ़िल्म को एक ऐसी बांधकर रखने वाली थ्रिलर का रूप देता है, जो तेलुगू सिनेमा में अनोखा है।

Karthik, a hospital officer, is suspended after clashing with the mayor over a ritual. Advised by Swamiji, he travels to Dwarka, discovers a life-saving mythological bracelet, and learns Professor Rao is being targeted by a secret society. Karthik and Rao's granddaughter Mugha then secure and submit the bracelet to the government.

This film is a masterful blend of religion and science, delivering a captivating mythical thriller that stands out in Telugu cinema.

निर्माता / PRODUCER

भिषेक अग्रवाल आर्ट्स एलएलपी
Abhishek Agarwal Arts LLP

अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स एक अग्रणी टॉलीवुड प्रोडक्शन हाउस है। 'ए1 एक्सप्रेस' और 'राजा राजा चोरा' जैसी हिट फ़िल्मों सहित इनकी फ़िल्म, 'द कश्मीर फाइल्स' ने राष्ट्रीय एकता पर सर्वश्रेष्ठ फ़ीचर फ़िल्म का पुरस्कार जीता। इनकी आने वाली फ़िल्मों में 'जी2' और 'डॉ.अब्दुल कलाम' है।

Abhishek Agarwal Arts is a leading Tollywood production house. Notable projects include hits like 'A1 Express' and 'Raja Raja Chora'. Their film, 'The Kashmir Files' won Best Feature Film on National Integration. Upcoming films include 'G2' and 'Dr. Abdul Kalam'.

पीपल मीडिया फ़ैक्टरी एलएलपी
People Media Factory LLP

टीजी विश्वा प्रसाद द्वारा 2017 में स्थापित पीपुल मीडिया फैक्ट्री आज फ़िल्म जगत में एक बड़ा नाम बन चुकी है। 'कार्तिकेय 2', 'वेंकी मामा' और 'ओह बेबी' जैसी हिट फ़िल्मों और 'जी2' और 'द राजा साब' सहित बीस से अधिक आगामी फ़िल्मों साथ, इनका लक्ष्य प्रभावशाली और यादगार सिनेमा प्रस्तुत करना है।

Founded by TG Vishwa Prasad in 2017, People Media Factory has become a major film industry player. With hits like 'Karthikeya 2', 'Venky Mama', and 'Oh Baby', and over 20 upcoming films, including 'G2' and 'The Raja Saab', they aim to deliver impactful and memorable cinematic experiences.

निर्देशक / DIRECTOR

चंदू मोन्डेटी
Chandoo Mondeti

अपनी पहली फ़िल्म कार्तिकेय के निर्देशन से सराहना बटोरने वाले चंदू मोन्डेटी नंदी पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए एसआईआईएमए अवार्ड से नवाज़े जा चुके है। तेलुगु सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए चर्चित चंदू ने 2022 में 'कार्तिकेय 2' के साथ ब्लॉकबस्टर सफलता हासिल की। अब वह सच्ची घटनाओं पर आधारित 'थंडेल' का निर्देशन कर रहे हैं।

Chandoo Mondeti, acclaimed for his directorial debut Karthikeya, has earned a Nandi Award and SIIMA Best Film Award. Known for his versatility in Telugu Cinema, he achieved blockbuster success with 'Karthikeya 2' in 2022. He is now directing 'Thandel', a drama based on true events.

सिकैसल
SIKAISAL

104 minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ तिवा फ़िल्म
Best Tiwa Film

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Dr. Bobby Sarma Baruah
Producer	Imaging Media
Editor	Ratul Deka
Cinematographer	Yuvraj Dhir
Sound Designer	Amrit Pritam

कथासार / SYNOPSIS

असम के उलुकुंची में रहने वाले महेश्वर पातार तमाम चुनौतियों और सामाजिक उदासीनता के बावजूद ज्ञान के सपने सिकैसल का निर्माण करते हैं। जब उनका कोई साथी उनका साथ नहीं देता है और स्कूल खाली रहता है, तब भी पातार एकमात्र शिक्षक के तौर पर कायम रहते हैं, अपने घर पर पढ़ाते हैं। उनकी पत्नी का उनके साथ जुड़ना उनके शिक्षा के ख्वाब को पूरा होने का प्रतीक है।

एक रिटायर्ड स्कूल शिक्षक महेश्वर पट्टर के जीवन का उद्देश्य उलुकुंची नाम के सुदूर गांव के लोगों को शिक्षित करना है। स्थानीय लोगों की रुचि और सहयोग उनके दृढ़ निश्चय को पूरा करती है।

In Ulukunchi, Assam, Maheshwar Patar builds Sikaisal, a dream of knowledge. Despite challenges and community indifference, Patar perseveres as the sole teacher. When no colleagues join and the school remains empty, he teaches at home. His wife's addition of a new name symbolizes the fulfillment of his lifelong educational dream.

Away from town, the dream to educate the people of the remote village Ulukunchi becomes the purpose of life of a retired primary school teacher Maheswar Pattar. His determination is fulfilled with the interest and cooperation of locals.

निर्माता / PRODUCER

इमेजिंग मीडिया
Imaging Media

इमेजिंग मीडिया की स्थापना डॉ. बॉबी सर्मा बरुआ ने की थी, यह एक उत्तरपूर्वी भारत स्थित एक फ़िल्म प्रोडक्शन कंपनी है, जो फ़िल्मों के ज़रिये क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति को प्रस्तुत करने के लिए समर्पित है। इन्होंनें 'यो लो गोंगम' से शुरुआत की जो काफी सराही गई, इसके बाद इन्होंनें फ़ीचर फ़िल्म 'सिकैसल' का निर्माण किया। इनकी अगली फ़िल्म 'राडोर पाखी' फिलहाल पोस्ट प्रोडक्शन में है।

Imaging Media, founded by Dr. Bobby Sarma Baruah, is a Northeast India-based film production company dedicated to showcasing the region's rich cultures through film. Their acclaimed debut, 'Yo Lo Gognam,' was followed by the feature film 'Sikaisal.' Their latest project, 'Rador Pakhi,' is in post-production.

निर्देशक / DIRECTOR

डॉ. बॉबी सर्मा बरुआ
Dr. Bobby Sarma Baruah

डॉ. बॉबी सर्मा बरुआ एक फ़िल्मकार जो राष्ट्रीय (रजत कमल) और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता हैं। गुवाहाटी विश्वविद्यालय से कई विषयो में डिग्री धारक बॉबी को 2014 में संस्कृति मंत्रालय से वरिष्ठ फैलोशिप प्रदान की गई थी। इनकी सराहनीय फ़िल्मों की सूची में 'अदोम्या', 'सोनार बारन पाखी', 'मिशिंग' और 'सिकैसल' जैसी फ़िल्में शामिल हैं।

Dr. Bobby Sarma Baruah is a filmmaker with National (Rajat Kamal) and International awards. She holds multiple degrees from Gauhati University and received a Senior Fellowship from the Ministry of Culture in 2014. Her acclaimed films include 'Adomya', 'Sonar Baran Pakhi', 'Mishing' and 'Sikaisal' with 'Rador Pakhi' currently in post-production.

ऊँचाई
UUNCHAI

हिन्दी / **Hindi** | **170** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ निर्देशन
Best Direction

स्वर्ण कमल | **Swarna Kamal**
₹3,00,000/-

विजेता / AWARDEE

सूरज बड़जात्या
Sooraj Barjatya

सूरज बड़जात्या ऐसे फ़िल्मकार और निर्माता हैं जो किसी परिचय के मोहताज नहीं है, इन्होंनें कई फ़िल्मफेयर और राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं। इनका लेखक, निर्देशक और निर्माता होना उनकी फ़िल्म को और बेहतर बना देता है। इन्होंने 'मैंने प्यार किया' 'विवाह' और 'हम साथ साथ हैं' जैसी ऐतिहासिक फ़िल्मों का निर्देशन किया है।

Sooraj Barjatya is a widely known filmmaker and producer who has won many Filmfare and National Awards. His being a writer, director and producer himself, amplifies the importance of him helming a film. He has directed landmark films like 'Maine Pyaar Kiya' 'Vivah' and 'Hum Saath Saath Hain'.

Director	Sooraj Barjatya
Producer	Rajshri Productions Private Limited
Editor	Shweta Venkat Mathew
Cinematographer	Manoj Kumar Khatoi
Sound Designer	Pritam Das, Alok De

एक प्रेरणादायक और सार्थक फ़िल्म है। सूरज आर बड़जात्या ने इसे व्यापक रूप से निर्देशित किया है, जिसमें एवरेस्ट बेस कैंप में प्रकृति की उदात्तता को कैद करते हुए दृश्य, कुशल संपादन, एक कसी हुई पटकथा और भावुकता बिखेरते दृश्यों ने फ़िल्म को मज़बूती प्रदान की। वह अपने किरदारों की चहुंमुखी दृढ़ता और संवेदनशीलता को दिखाने में कामयाब रहे हैं।

A meaningful and inspiring film. Sooraj Barjatya has directed it comprehensively, capturing the sublimity of nature in the Everest Base Camp, aided by deft editing, a well-crafted screenplay and emotionally driven scenes. He has managed to portray three-dimensional solidity and sensitivity in his characters.

कांतारा
KANTARA

कन्नड़ / **Kannada** | **150** minutes

पुरस्कार / AWARD

मुख्य भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता
Best Actor in a Leading Role

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

रिषभ शेट्टी
Rishab Shetty

रिषभ शेट्टी, अभिनेता और फ़िल्मकार हैं जो कन्नड़ फ़िल्म जगत से जुड़े हुए हैं। इन्हें समीक्षकों द्वारा सराही गई ब्लॉकबस्टर, कांतारा के लिए जाना जाता है, इन्हें 'प्रा. शाले, कासरगोडु, कोडुगे' के लिए 66वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ बाल फ़िल्म का पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।'किर्की पार्टी ' इनके निर्देशन की पहली फ़िल्म है।

Rishab Shetty is an actor and filmmaker in the Kannada film industry. Known for his critically acclaimed blockbuster, Kantara, he has been awarded the Best Children's Film at the 66th National Film Awards for 'Sarkari Hi. Pra. Shaale', 'Kasaragodu', his directorial debut and has also directed the entertainer 'Kirik Party'.

Director	Rishab Shetty
Producer	Hombale Films LLP
Editor	Pratheek Shetty, KM Prakash
Cinematographer	Arvind S Kashyap
Sound Designer	Raja Krishna M R

फ़ीचर फ़िल्म/FEATURE FILM

रिषभ शेट्टी के रोंगटे खड़े कर देने वाले अभिनय ने हमें अनगिनत भावनाओं से भर दिया, उनके अभिनय में दिखे यथार्थवाद को दर्शकों का दिमाग अपनाने में वक्त लगाता है,जो दर्शकों के सोचने-समझने की शक्ति को एक पायदान ऊपर ले जाता है ताकि वह हमारे देश के विभिन्न हिस्सों में चल रहे रीति-रिवाजों और प्रथाओं का पुनर्मूल्यांकन कर पांए।

Such a bone-chilling performance represented by Rishab Shetty has left us frozen with countless emotions, his contribution has hammered a nail in the brain to process the realism.His performance has significantly transfigured the neurons of one to reevaluate the custom and practices going inside various parts of our country.

थिरुचित्रम्बलम
THIRUCHITRAMBALAM

तमिल / **Tamil** | **133** minutes

पुरस्कार / AWARD

मुख्य भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (साझा)
Best Actress in a Leading Role (Shared)

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

नित्या मेनन
Nithya Menen

नित्या मेनन एक अभिनेत्री और पार्श्व गायिका हैं, इन्होंनें तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ सिनेमा में प्रमुखता से काम किया है। इनके फ़िल्मी सफर की शुरुआत 1998 में बतौर बाल कलाकर के तौर पर हुई, उन्हें अला मोदालैंडी (2011) से प्रसिद्धि मिली। वह राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार और दक्षिण फ़िल्मफेयर पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुकी हैं।

Nithya Menen is a renowned Indian actress and playback singer acclaimed for her work in Tamil, Telugu, Malayalam, and Kannada cinema. Beginning her career as a child artist in 1998, she gained prominence with Ala Modalaindi (2011). Her accolades include National Film Awards and Filmfare Awards South.

Director	Mithran R. Jawahar
Producer	Sun TV Network Limited
Editor	Prasanna GK
Cinematographer	Om Prakash
Sound Designer	Udaya Kumar

एक ऐसे चरित्र के कुशल चित्रण के लिए जो परोपकार के उद्देश्य के लिए अपने प्यार का त्याग करती है। यह अभिनय निस्वार्थ भक्ति के सार को दिखाता है।

For her skillful portrayal of a character sacrificing her own love for the greater good. The performance resonates capturing the essence of selfless devotion.

कच्छ एक्सप्रेस
KUTCH EXPRESS

गुजराती / **Gujarati** | **134** minutes

पुरस्कार / AWARD

मुख्य भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (साझा)
Best Actress in a Leading Role (Shared)

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

मानसी पारेख
Manasi Parekh

मानसी पारेख एक कुशल अभिनेत्री, गायिका और निर्माता हैं, इन्हें टेलिविजन, थियेटर और डिजिटल मीडिया में इनके योगदान के लिये जाना जाता है। इन्होंनें गुजराती में फ़िल्म और वेब सीरिज का निर्माण भी किया है। इनके समर्पण और विविध क्षेत्रों में इनकी उत्कृष्टता के चलते भारतीय मनोरंजन जगत में इन्हें एक अलग सम्मान हासिल है।

Manasi Parekh is an accomplished actress, singer, and producer widely known for her work in television, theater, and digital media. She has also produced films and web series in Gujarati. Her dedication and ability to excel in multiple disciplines have made her a respected figure in the Indian entertainment industry.

Director	Viral Shah
Producer	Soul Sutra LLP
Editor	Chandrashekhar Prajapati
Cinematographer	Dhawalika Singh
Sound Designer	Yash Darji

फ़ीचर फ़िल्म/FEATURE FILM

आशा और अकूत प्रतिभा की धनी दमन झेल रही गृहिणी के चरित्र का बारीकी से प्रदर्शन करने के लिए।

For delicately illustrating the character of a suppressed housewife, brimming with immense hope and untapped talent.

फ़ौजा
FOUJA

हरयाणवी / **Haryanvi** | **91** minutes

पुरस्कार / AWARD

सहायक भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता
Best Actor in Supporting Role

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Pramod Kumar
Producer	Raahi Production
Editor	Jitender Prakash Dongare
Cinematographer	Shashank Virag
Sound Designer	Dipan Das, Neeraj Rohilla

विजेता / AWARDEE

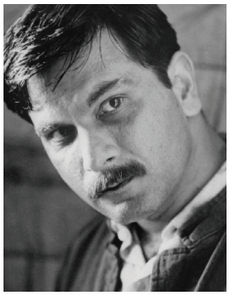

पवन मल्होत्रा
Pavan Malhotra

'गांधी' और 'खामोश' जैसी फिल्मों से कॉस्ट्यूम और प्रोडक्शन विभाग से अपने फ़िल्मी सफर की शुरुआत करने वाले पवन मल्होत्रा ने बाद में अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा और रंगमंच, टेलिविजन और फ़िल्मों के लिए दीपा मेहता, सईद अख्तर मिर्जा जैसे दिग्गज निर्देशकों के सानिध्य में अभिनय के जौहर दिखाए। इन्हें कई पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है जिसमें दो फ़िल्मफ़ेयर अवार्ड और राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार भी शामिल है।

Malhotra began his career in the costume and production departments of films like 'Gandhi' and 'Khamosh' before transitioning to acting in theater, television and films. He has worked with directors like Deepa Mehta and Saeed Akhtar Mirza. He has been awarded many accolades, including two Filmfare Awards and a National Award.

फ़ौजा में पवन मल्होत्रा ने एक ऐसे पिता की भूमिका निभाई है जो अपने बेटे को सेना में भर्ती करने की इच्छा रखता है। मानवीय संवेदनाओं, रिश्तों और अपने देश के प्रति प्रेम में छुपी सूक्ष्मता को अपने अभिनय की बारीकियों से बखूबी व्यक्त किया है।

Pavan Malhotra in Fauja has scaled heights with his organic portrayal of a father who aspires for his son to be in the army. The vulnerabilities of human emotions, relationships and one's love for one's country - all find their places of expression in the nuances of his acting.

ऊँचाई
UUNCHAI

हिन्दी / **Hindi** | **170** minutes

पुरस्कार / AWARD

सहायक भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री
Best Actress in Supporting Role

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Sooraj Barjatya
Producer	Rajshri Productions Private Limited
Editor	Shweta Venkat Mathew
Cinematographer	Manoj Kumar Khatoi
Sound Designer	Pritam Das, Alok De

विजेता / AWARDEE

नीना गुप्ता
Neena Gupta

दो बार की राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार विजेता, नीना गुप्ता एक अभिनेत्री, फ़िल्मकार और निर्माता हैं, यह संस्कृत में स्नातोकोत्तर और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ता हैं। इन्हें 2022 में दादासाहेब फ़ाल्के एक्सीलेंस अवॉर्ड्स जैसे उत्कृष्ट पुरस्कार भी हासिल हो चुका है। इनके किए गए उल्लेखनीय कार्यों की लंबी सूची में हालिया फ़िल्म बधाई हो और वेब सीरिज पंचायत भी शामिल है।

Neena Gupta, a two-time National Award winning actor, filmmaker, and producer, holds an MA in Sanskrit and a Gold Medal from NSD. Honored with the Dadasaheb Phalke Excellence Award in 2022, she has starred in acclaimed films and TV shows, including 'Badhai Ho!' and 'Panchayat.'

फ़ीचर फ़िल्म/FEATURE FILM

नीना गुप्ता को उनके सीमित स्क्रीनटाइम के बावजूद सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार दिया जाता है, क्योंकि वह मानवीय रिश्तों के बहु-आयाम दिखाने और अपनी भावनाओं की तीव्रता के ज़रिए किरदार में गहराई ला पाने में कामयाब हुई।

It is noteworthy to mention that we award Best Supporting Actress to Neena Gupta despite her limited screentime because she has managed to portray the multidimensionality of human relationships and added a depth to it through her intensity of emotions.

मलिकाप्पुरम
MALIKAPPURAM

मलयालम / **Malayalam** | **121** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार
Best Child Artist

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

श्रीपत पी के
Sreepath P K

१२ वर्षीय श्रीपत एक बाल अभिनेता और इन्फ्लूएंसर हैं, इन्हें प्रसिद्ध वायरल टिकटॉक वीडियो के लिए जाना जाता है। इनकी शुरुआत "द फ्रॉग" से हुई थी और 'कुमारी' से इनके फ़िल्मी सफर ने गति पकड़ी, जिसमें इनका किरदार 'चोकन' था। ब्लॉकबस्टर 'मलिकाप्पुरम' से पहले इनका एक वीडियो "वनिलुयारे" आया था। यह शिक्षक राजिश और रसना के बेटे हैं।

Sreepath P K is a 12 year old child actor and influencer known for his famous viral TikTok videos. His career began with 'The Frog' and gained momentum with 'Kumari', featuring the character "Chokan." His video 'Vaniluyare' preceded the blockbuster 'Malikappuram'. He is the son of teachers Rajish and Rasna.

Director	Vishnu Sasi Shankar
Producer	Aan Mega Media
Editor	Shameer Muhammed
Cinematographer	Vishnu Narayanan
Sound Designer	Rajakrishnan M R

हास्य, साहस, डरपोकपन से भरे एक छोटे बच्चे के रोमांचक जीवन और साथ में एक ज़िंदादिल अदायगी ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

The adventure of a small boy with a sense of humour, courage, timidness and a lively performance secured the hearts of viewers.

ब्रह्मास्त्र- पार्ट 1: शिवा
BRAHMASTRA- PART 1: SHIVA

हिन्दी / **Hindi** | **167** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक
Best Male Playback Singer

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Ayan Mukerji
Producer	Dharma Productions Pvt Ltd, Prime Focus Ltd, Starlight Pictures, Star Studios
Editor	Prakash Kurup
Cinematographer	V Manikandan ISC, Pankaj Kumar, Sudeep Chatterjee ISC, Vikash Nowlakha & Patrick Duroux
Sound Designer	Bishwadeep Chatterjee

विजेता / AWARDEE

अरिजीत सिंह
Arijit Singh

अरिजीत सिंह गायिकी की दुनिया में वह नाम है जिनकी पहचान आज वैश्विक स्तर पर है, संगीतकार, संगीत निर्माता और गायक अरिजीत नए ज़माने की आवाज़ के तौर पर पहचाने जाते हैं। यह 1000 से ज्यादा गीतों को अपनी आवाज़ से सजा चुके हैं, जिसमें से अधिकतर हिंदी सिनेमा और क्षेत्रीय सिनेमा में हिट रहे हैं। अपनी मखमली आवाज़ के साथ यह सिनेमा जगत के एक अग्रणी गायक हैं।

Arijit Singh is a globally celebrated artist known for his singing, composing, and music production. Recognized as the "Voice of New Age," he has sung over 1,000 songs, delivering numerous chart-toppers in both Bollywood and regional music. With unmatched vocal talent, he remains a leading performer in the industry.

'केसरिया तेरा रंग है पिया' के लिए सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक का पुरस्कार अरिजीत को मिलता है ,जो उत्साह और प्रेम को एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली धुन में पिरोते हैं। रोमांस की शानदार संगीतमय प्रस्तुति जहां अरिजीत ने लय का ध्यान रखते हुए मृदुता की ऊंचाइयों को छुआ है।

Kesariya Tera Rang Hai Piya' is a signature song in terms of the Best Male Playback Song where the singer weaves together rapture and love in an enthralling melody for the audience. Brilliant musical rendition of romance where Arijit has touched the heights of tenderness while being mindful of rhythm.

फ़ीचर फ़िल्म/FEATURE FILM

सउदी वेल्लाक्का सीसी.225/2009
SAUDI VELLAKKA CC.225/2009

मलयालम / **Malayalam** | **148** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका
Best Female Playback Singer

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Tharun Moorthy
Producer	Urvasi Theatres
Editor	Nishad Yousuf
Cinematographer	Sharan Velayudhan
Sound Designer	Vishnu Govind

विजेता / AWARDEE

बंबई जयश्री
Bombay Jayashri

बॉम्बे जयश्री रामनाथ एक ख्यातिप्राप्त कर्नाटक संगीतकार,गायक और निर्माता हैं, जिनका संगीत जगत से 40 साल पुराना नाता है। 2012 में ऑस्कर नामांकन और संगीत की शिक्षा में इनका योगदान इनकी महत्व को बयान करता है। कई पीढ़ियों के संगीत परिवार से ताल्लुक रखने वाली जयश्री का पारंपरिक कर्नाटक के साथ आधुनिकता के साथ जो संगम किया उस वजह से आज इनका नाम सभी की ज़बान पर है।

Bombay Jayashri Ramnath is a renowned Carnatic vocalist, composer, and producer with a 40-year career. Her 2012 Oscar nomination and contributions to music education highlight her impact. Combining deep Carnatic traditions with innovation, she has become a global household name, rooted in a multi-generational musical family.

सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका का पुरस्कार मलयालम फ़िल्म 'सऊदी वेलाक्का' के गीत 'चयूम वेयिल' के लिए बॉम्बे जयश्री को दिया गया। उनकी आवाज़, गीत की भावुकता को समेटती हैं और वह जीवन के संघर्षों को नए अर्थ देने के लिए सुरों के आरोह-अवरोह का उपयोग करती हैं। उनका शास्त्रीय प्रशिक्षण साफ तौर पर गायन में चमक लेकर आता है।

The best female playback singer award goes to Bombay Jaishree for the song 'Chayum Veyil' from the Malyalam film 'Saudi Velakka'. Her voice embraces the emotionality of the song and she uses the ascent and descent of notes to lend new meaning to life's struggles. Her classical training shines through.

पोन्नियन सेल्वन - पार्ट 1
PONNIYIN SELVAN - PART I

तमिल / **Tamil** | **167** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी
Best Cinematography

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Mani Ratnam
Producer	Madras Talkies, Lyca Productions
Editor	Sreekar Prasad
Cinematographer	Ravi Varman
Sound Designer	Anand Krishnamoorthi

विजेता / AWARDEE

रवि वर्मन
Ravi Varman

स्वशिक्षित सिनेमैटोग्राफर रवि वर्मन ने पहली बार 14 साल की उम्र में कैमरा थामा, इसके लिए उन्हें अपनी स्वर्गीय मां की फोटो से प्रेरणा मिली। एक ऑफिस बॉय के तौर पर काम शुरू करते हुए इन्होंनें करीब 35 से ज्यादा फ़िल्में और 350 कमर्शियल को शूट करने तक का सफर तय किया। इनके काम को अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर भी सराहा गया है।

Self-taught cinematographer Ravi Varman, orphaned at 12, bought his first camera at 14, inspired by a photo of his late mother. Starting as an office boy, he has since shot over 35 films and 350 commercials, earning international acclaim for his vibrant, surreal cinematography.

फ़ीचर फ़िल्म/FEATURE FILM

सिनेमेटोग्राफर के तौर पर रवि वर्मन इस फ़िल्म में कुशलता के शिखर को छूते नज़र आते हैं। आकर्षक दृश्य, मनमोहक फ्रेम, एंगल और मूवमेंट स्क्रिप्ट को एक काव्यात्मक अपील देते हैं और कहानी को एक ऊंचे दर्जे पर पहुंचा देते हैं।

Ravi Varman touches the pinnacle of finesse in this film as a cinematographer. Exotic visuals, captivating frames and angles and movements lends the script a poetic appeal and raises the storyline to epic proportions.

आट्टम
AATTAM

मलयालम / **Malayalam** | **141** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ पटकथा (मौलिक)
Best Screenplay (Original)

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Anand Ekarshi
Producer	Joy Movie Productions LLP
Editor	Mahesh Bhuvanend
Cinematographer	Anurudh Aneesh
Sound Designer	Renganaath Ravee

विजेता / AWARDEE

आनंद एकर्षि
Anand Ekarshi

आनंद एकार्षि केरल के एक फ़िल्मकार हैं। इनकी दिलचस्पी रंगमंच में रही है, और यह 10 साल की उम्र से अभिनय कर रहे हैं, और फ़िल्म निर्माण के जुनून के साथ ही बढ़े हुए हैं। यह कहानी कहने की अपनी कला का श्रेय कोच्चि के रंगमंच समूह लोकधर्मी को देते हैं। इन्होंने मलयालम में कई लघु फ़िल्में और म्यूज़िक वीडियो बनाए हैं।

Anand Ekarshi is a filmmaker from Kerala, India. His interest in theatre and acting began at the age of 10, and grew into a passion for filmmaking. He credits his roots in storytelling to Lokadharmi, a Kochi-based theatre group, and has made several short films and music videos in Malayalam.

एक सीमित परिवेश में दिखाई गई धोखेबाज़ी के पेचीदा जाल की कहानी जिसे बेहद सरल अंदाज़ में दर्शकों तक पहुंचाया गया।

For masterfully captivating the audience with an intentionally simple narrative that skillfully unravels a complex web of deceit, all within the confines of a small, intimate setting.

गुलमोहर
GULMOHAR

हिन्दी / **Hindi** | **132** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ पटकथा (संवाद लेखक) (साझा)
Best Screenplay (Dialogues Writer) (Shared)

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

अर्पिता मुखर्जी
Arpita Mukherjee

पुरस्कार विजेता एनवायसी निर्देशक और लेखिका अर्पिता मुखर्जी ने प्रशंसित लघु फिल्मों का निर्देशन किया है और फ़िल्म 'गुलमोहर' के लिए फ़िल्मफेयर पुरस्कार जीता है। इन्होंने डब्ल्यूआईआईपी, एएमसी, सोनी और नेटफ्लिक्स के साथ काम किया है और हाल ही में 'द काइट रनर' के साथ ब्रॉडवे में शुरुआत की है। अर्पिता ने 'मॉनसून वेडिंग', 'द म्यूजिकल' का सह-लेखन भी किया और हाइपोक्रिट की सह-संस्थापक और कलात्मक निदेशक हैं।

Arpita Mukherjee, an award-winning NYC director and writer, has directed acclaimed short films and won a Filmfare award for the Disney+ Hotstar film 'Gulmohar'. She has worked with WIIP, AMC, Sony, and Netflix, and recently made her Broadway debut with 'The Kite Runner'. Arpita co-wrote 'Monsoon Wedding', 'The Musical' and is Hypokrit's Co-founder and Artistic Director.

Director	Rahul V. Chittella
Producer	Star Studios, Chalkboard Entertainment, Autonomous Works
Editor	Tanupriya Sharma
Cinematographer	Eeshit Narain
Sound Designer	P M Satheesh, Manoj Goswami

फ़ीचर फ़िल्म/FEATURE FILM

गुलमोहर अपने संवादों से ख़ास छाप छोड़ती है। जिसमें लेखक हर किरदार को अभिव्यक्त होने के लिए उचित अवसर देता है।

Gulmohar makes a special mark with its dialogues, with the dialogue writer giving every character the space and scope to express their feelings. These dialogues reverberating with intangible silences make up an extraordinary world - one where practicality doesn't stop its inhabitants from questioning themselves.

गुलमोहर
GULMOHAR

हिन्दी / **Hindi** | **132** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ पटकथा (संवाद लेखक) (साझा)
Best Screenplay (Dialogues Writer) (Shared)

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

राहुल वी. चिट्टेल्ला
Rahul V. Chittella

राहुल वी. चित्तेला एक फ़िल्मकार , लेखक और निर्माता हैं, इन्होंने मीरा नायर के साथ 'द रिलक्टेंट फंडामेंटलिस्ट' और 'क्वीन ऑफ कटवे' जैसी फिल्मों में सहयोग किया है। इन्होंने 'मॉनसून वेडिंग म्यूजिकल' (2022) का भी निर्माण किया। इनकी फ़िल्म 'आज़ाद' को कई पुरस्कार और प्रशंसाएं मिली हैं।

Rahul V. Chittella is a filmmaker, writer, and producer who collaborated with Mira Nair on films including 'The Reluctant Fundamentalist' and 'Queen of Katwe'. He also produced 'Monsoon Wedding Musical' (2022). His film 'Azaad' has received multiple awards and accolades.

Director	Rahul V. Chittella
Producer	Star Studios, Chalkboard Entertainment, Autonomous Works
Editor	Tanupriya Sharma
Cinematographer	Eeshit Narain
Sound Designer	P M Satheesh, Manoj Goswami

गुलमोहर अपने संवादों से ख़ास छाप छोड़ती है। जिसमें लेखक हर किरदार को अभिव्यक्त होने के लिए उचित अवसर देता है।

Gulmohar makes a special mark with its dialogues, with the dialogue writer giving every character the space and scope to express their feelings. These dialogues reverberating with intangible silences make up an extraordinary world - one where practicality doesn't stop its inhabitants from questioning themselves.

पोन्नियन सेल्वन - पार्ट 1
PONNIYIN SELVAN - PART I

तमिल / **Tamil** | **167** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिज़ाइन
Best Sound Design

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

आनंद कृष्णमूर्ति
Anand Krishnamoorthi

आनंद कृष्णमूर्ति एक अनुभवी साउंड रिकॉर्डिस्ट, संपादक और मिक्सर हैं, इन्होंने 2006 में कमल हासन के तहत अपने करियर की शुरुआत की और मणिरत्नम के साथ 'पोन्नियिन सेलवन' में सहयोग किया। इससे पहले 'अंजलि' में एक बाल कलाकार के रूप में भी काम कर चुके हैं। तमिल फ़िल्म उद्योग में लौटने से पहले बीबीसी में विजुअल कम्युनिकेशन और फ़िल्म, प्रशिक्षण का अध्ययन भी किया है।.

Anand Krishnamoorthi is a seasoned sound recordist, editor, and mixer since 2006, beginning his career under Kamal Haasan and collaborating with Mani Ratnam on 'Ponniyin Selvan'. He started as a child actor in 'Anjali' and studied Visual Communication and Film, training at the BBC before returning to Tamil film industry.

Director	Mani Ratnam
Producer	Madras Talkies, Lyca Productions
Editor	Sreekar Prasad
Cinematographer	Ravi Varman
Sound Designer	Anand Krishnamoorthi

फ़ीचर फ़िल्म/FEATURE FILM

अपनी शानदार ध्वनि कौशल के लिए, जो युद्ध की तीव्रता के साथ, मौन के क्षणों को कुशलतापूर्वक संतुलित करते हुए, चोल साम्राज्य के दौर को जीवंत कर देता है।

For its exquisite sonic craftsmanship, which vividly brings the Chola dynasty era to life while expertly balancing moments of silence with the earth-shaking intensity of war.

आट्टम
AATTAM

मलयालम / **Malayalam** | **141** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ संपादन
Best Editing

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Anand Ekarshi
Producer	Joy Movie Productions LLP
Editor	Mahesh Bhuvanend
Cinematographer	Anurudh Aneesh
Sound Designer	Renganaath Ravee

विजेता / AWARDEE

महेश भुवनेंद
Mahesh Bhuvanend

महेश भुवनेंद फ़िल्म एडिटर हैं, फ़िल्म और वृत्तचित्र के क्षेत्र में आने से पहले इन्होंने अपने काम की शुरुआत केरल में विख्यात चैनलों जैसे एशियानेट और माझविल मनोरमा से की थी । इन्हें मधुरम, केरला क्राइम फ़ाइल्स, गोलम, वेला और हालिया फ़िल्म आट्टम में इनके कार्य के लिए जाना जाता है। जिसके लिए इन्हें सराहना और पुरस्कार दोनों प्राप्त हुए ।

Mahesh Bhuvanend is a film editor who began working at prominent media channels like Asianet and Mazhavil Manorama in Kerala, before branching into documentaries and films. He is known for his work in Madhuram, Kerala Crime Files, Golam, Vela and more recently, Aattam, which has received a number of accolades.

आट्टम एक सामान्य कहानी जिसे तमाम उतार-चढ़ाव के साथ असामान्य तरीके से पेश किया गया है। बातचीत के दौरान मौन का प्रयोग और साथ ही फ़िल्म की गति पर नियंत्रण संपादक की परिपक्वता को दर्शाता है।

Aattam is an usual story treated in unusual way with various twists and turns. The use of silences during the discussions and its control over the film's pace at the same time shows the maturity of the editor.

अपराजित
APARAJITO

बांग्ला / **Bengali** | **138** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिज़ाइन
Best Production Design

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Anik Datta
Producer	Friends Communication
Editor	Arghya Kamal Mitra
Cinematographer	Supratim Bhol
Sound Designer	Anik Dutta, Utsav Mukherjee, Sreeparna Mitra

विजेता / AWARDEE

आनंद आध्य
Ananda Addhya

विख्यात कला निर्देशक और चित्रकार आनंद आध्या ने सिनेमा और विज़ुअल आर्ट के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इंडियन कॉलेज ऑफ आर्ट्स से बीवीए के साथ, उन्होंने 100 से अधिक फ़िल्मों पर काम किया है। इन्होंने वेस्ट बंगाल फ़िल्म जर्नलिस्ट एसोसिएशन और टेलीएकेडमी से कई पुरस्कार जीते हैं।

Ananda Addhya, an acclaimed art director and painter, has made significant contributions to cinema and visual arts. With a BVA from the Indian College of Arts, he has worked on over a hundred films. He has won multiple awards from the West Bengal Film Journalist Association and Teleacademy.

फ़ीचर फ़िल्म/FEATURE FILM

जीवंत माहौल और विभिन्न दृश्यों से जुड़े बारीकियों के कुशल प्रबंधन के लिए, जो पर्दे पर उस युग को जीवंत करते हैं।

For the life-like ambience and the meticulous handling of various visual components that bring the era alive onscreen.

कच्छ एक्सप्रेस
KUTCH EXPRESS

गुजराती / **Gujarati** | **141** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ वेशभूषाकार
Best Costume Design

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Viral Shah
Producer	Soul Sutra LLP
Editor	Chandrashekhar Prajapati
Cinematographer	Dhawalika Singh
Sound Designer	Yash Darji

विजेता / AWARDEE

निकी जोशी
Niki Joshi

निकि जोशी एक कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर और स्टाइलिस्ट हैं, इनका हिंदी और गुजराती फ़िल्म उद्योग में अहम योगदान रहा है। 'कच्छ एक्सप्रेस', 'चबुत्रो', 'कामथान' जैसी फ़िल्मों में इनका कार्य प्रदर्शित होता है, जिसने व्यापक सराहना बटोरी। इनकी विशेषज्ञता यहीं तक सीमित नहीं है बल्कि म्यूज़िक वीडियो, हाइ-प्रोफाइल फैशन सूट और सेलिब्रिटि फैशन में भी इनका काम उमर का आता है।

Niki Joshi is a costume designer and stylist renowned for her significant contributions to the Gujarati and Bollywood film industries. Her work, featured in acclaimed films like 'Kutch Express', 'Chabutro' and 'Kamthaan' has earned her widespread acclaim. Her expertise also extends to music videos, high-profile fashion shoots and celebrity fashion.

कच्छ एक्सप्रेस ने गुजरात की पारंपरिक वेशभूषा की बारिकियों का बहुत ध्यान रखा है। देशज अभिव्यक्ति के ज़रिए फ़िल्म परंपरा और आधुनिकता को सहजता से मिलाती है।

Kutch Express has taken great care to incorporate the minute intricacies of the folk world of Gujarat in its costume. A rainbow of earthy expression - the film balances tradition with modernity seamlessly.

अपराजित
APARAJITO

बांग्ला / **Bengali** | **138** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ मेकअप
Best Make-Up

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Anik Dutta
Producer	Friends Communication
Editor	Arghyakamal Mitra
Cinematographer	Supratim Bhol
Sound Designer	Anik Dutta, Utsav Mukherjee, Sreeparna Mitra

विजेता / AWARDEE

सोमनाथ कुंडु
Somnath Kundu

सोमनाथ कुंडु एक प्रोस्थेटिक मेक-अप कलाकार है, इन्हें मेकअप के ज़रिए किरदार को यथार्थवादी बनाने और स्पेशल इफेक्ट को लेकर जुनून है। यह विशेषतौर पर प्रोस्थेटिक मेकअप एप्लीकेशन और चरित्र निर्माण में माहिर हैं, इन्हें इस क्षेत्र में करीब 28 साल का तजुर्बा है ।

Somnath Kundu is a prosthetic make-up artist, with a passion for creating realistic characters and special effects. He is especially skilled in prosthetic make-up application and character designs, with over 28 years of work experience.

एक प्रेरित और कल्पनाशील मेकअप के लिए जो वास्तविक जीवन से प्रेरित पात्रों को जीवंत बनाता है।

For an inspired and imaginative make up that brings the real life inspired characters alive.

फ़ीचर फ़िल्म/FEATURE FILM

ब्रह्मास्त्र- पार्ट 1: शिवा
BRAHMASTRA- PART 1: SHIVA

हिन्दी / **Hindi** | **167** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (गीत)
Best Music Direction (Songs)

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

प्रीतम
Pritam

प्रीतम भारतीय सिनेमा के जाने माने संगीतकार हैं, इन्होंने 130 से ज़्यादा हिंदी फ़िल्मों कों संगीतबद्ध किया है। फ़िल्मों के साथ इनका नाता जितना पुराना है उतना ही विविधतापूर्ण भी है, जिसमें 'ब्रह्मास्त्र, 'बजरंगी भाईजान', 'यह जवानी है दिवानी' और 'बर्फी' जैसा कर्णप्रिय संगीत शामिल है। यही नहीं इन्होंने विश्वस्तरीय निर्माता जैसे डिप्लो और मार्शमैलों के साथ भी काम किया है।

Pritam is a celebrated and distinguished music director with more than 130 Hindi films to his credit. His filmography spans decades and genres, including albums like 'Brahmastra', 'Bajrangi Bhaijaan', 'Yeh Jawaani Hai Deewani' and 'Barfi'. He has also collaborated with global producers like Diplo and Marshmello.

Director	Ayan Mukerji
Producer	Dharma Productions Pvt Ltd, Prime Focus Ltd, Starlight Pictures, Star Studios
Editor	Prakash Kurup
Cinematographer	V Manikandan ISC, Pankaj Kumar, Sudeep Chatterjee ISC, Vikash Nowlakha & Patrick Duroux
Sound Designer	Bishwadeep Chatterjee

मौलिक रचनाओं, शानदार संगीत व्यवस्था, नवीनता और युवाओं को जोड़ने वाली आधुनिक शैली के ज़रिए रोमांस प्रस्तुत करने के लिए प्रीतम को फ़िल्म ब्रह्मास्त्र के लिए सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक का पुरस्कार दिया गया है।

For original compositions, majestic musical arrangements, innovation and a modern retelling of romance resonating with the youth, Pritam is awarded the best Music director for the film Brahmastra.

पोन्नियन सेल्वन - पार्ट 1
PONNIYIN SELVAN - PART I

तमिल / **Tamil** | **167** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (बैकग्राउंड)
Best Music Direction (Background)

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

ए. आर. रहमान
A. R. Rahman

ए.आर. रहमान एक दूरदर्शी भारतीय संगीतकार हैं जो शास्त्रीय भारतीय परंपराओं के समकालीन संगीत के साथ संगम के लिए जाने जाते हैं। दो अकादमी पुरस्कारों और वैश्विक सम्मानों के साथ, 'स्लमडॉग मिलियनेयर' के लिए उनके दिए गए संगीत को दुनिया भर में प्रशंसा मिली। रहमान शैक्षिक और मानवीय कार्यों से भी जुड़े हुए हैं और अपनी विरासत से वैश्विक स्तर पर संगीतकारों को प्रेरित करते रहे हैं।

A.R. Rahman is a visionary Indian composer known for blending classical Indian traditions with contemporary sounds. With two Academy Awards and global honors, his score for 'Slumdog Millionaire' gained worldwide acclaim. Rahman also supports educational and humanitarian causes, inspiring musicians globally with his legacy.

Director	Mani Ratnam
Producer	Madras Talkies, Lyca Productions
Editor	Sreekar Prasad
Cinematographer	Ravi Varman
Sound Designer	Anand Krishnamoorthi

फ़ीचर फ़िल्म/FEATURE FILM

पारंपरिक और समकालीन संगीत शैलियों का मिश्रण दर्शकों को रहस्य और रोमांच में बांधकर रखता है।

For its audacious blend of traditional and contemporary musical styles that suspends its audience in a continuous state of mystery and adventure.

फ़ौजा
FOUJA

हरयाणवी / **Haryanvi** | **91** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ गीत
Best Lyrics

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Pramod Kumar
Producer	Raahi Production
Editor	Jitender Prakash Dongare
Cinematographer	Shashank Virag
Sound Designer	Dipan Das, Neeraj Rohilla

विजेता / AWARDEE

नौशाद सदर ख़ान
Naushad Sadar Khan

नौशाद सादर ख़ान को बचपन से ही गीतों से लगाव रहा। इन्होंनें गंधर्व महाविद्यालय से संगीत की तालीम हासिल की और तमाम झंझावातों के बावजूद गीतों के प्रति इनका जुनून कम नहीं हुआ, यही वजह है कि राहुल जैन, रिचा शर्मा जैसी नामचीन हस्तियों ने इनके गीतों को अपनी आवाज़ दी और यही नहीं इनके उल्लेखनीय कार्य की बदौलत इन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाज़ा गया।

Naushad Sadar Khan grew up loving songs. He learned music from Gandharva Mahavidyalaya and pursued his passion for song, despite various challenges. His lyrics have been brought to life through renditions by famous singers like Richa Sharma and Rahul Jain, and have recently won him a National Award.

'सलामी फौलादी से' लावा से, नौशाद सदर खान द्वारा लिखा गया है और इसे सर्वश्रेष्ठ गीत के लिए चुना गया है। हमारे देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले हमारे शहीदों और क्रांतिकारियों को समर्पित, यह गीत एक संवेदनशील इरादे से बुना गया है। यह निश्चित रूप से हर भारतीय को प्रेरित करेगा।

'Salami Fauladi Se, Lava Se, is written by Naushad Sadar Khan and has been chosen for the Best Song. Dedicated to our martyrs and revolutionaries who lay down their lives for our nation, the song is woven with a sensitive pen. It will surely inspire every Indian.

थिरुचित्रम्बलम
THIRUCHITRAMBALAM

तमिल / **Tamil** | **133** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ नृत्य कला (साझा)
Best Choreography (Shared)

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Mithran R. Jawahar
Producer	Sun TV Network Limited
Editor	Prasanna GK
Cinematographer	Om Prakash
Sound Designer	Udaya Kumar

विजेता / AWARDEE

सतीश कृष्णन
Sathish Krishnan

भारतीय नर्तक, नृत्य निर्देशक और अभिनेता सतीश कृष्णन ने 2007 में तमिल सिनेमा से अपनी शुरुआत की वह कई भाषाओं में 200 से अधिक गानों का नृत्य निर्देशन कर चुके हैं। रजनीकांत और शाहरुख़ ख़ान जैसे सितारों के लिए भी उन्होंनें नृत्य निर्देशन किया है। सतीश अपनी पहली तमिल फ़िल्म का निर्देशन भी कर रहे हैं और साथ ही संगीत निर्देशक अनिरुद्ध रविचंदर के साथ उनका काम जारी।

Sathish Krishnan, an Indian dancer, choreographer, and actor debuted in Tamil cinema in 2007. Known for choreographing over 200 songs in multiple languages, he has worked with stars like Rajnikanth and Shahrukh Khan. Sathish is also directing his first Tamil film and continues collaborating with music director Anirudh Ravichander.

पात्रों का महिमामंडन किए बिना या उनके सार को खोए बिना सुरुचिपूर्ण कोरियोग्राफी के ज़रिए बातचीत को चित्रित करने के लिए।

For portraying conversations through elegant choreography without either glorifying or losing the essence of the characters.

के.जी.एफ चैप्टर -2
K.G.F: CHAPTER 2

कन्नड़ / **Kannada** | **168** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ एक्शन निर्देशन
(स्टंट कोरियोग्राफी) (साझा)
Best Action Direction Award (Stunt Choreography) (Shared)

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

अंबुमणि एम एम
Anbumani M M

अंबुमणि और अरिवुमणि, जिन्हें अंबरीव के नाम से जाना जाता है, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में 140 से अधिक फ़िल्मों कर चुके, प्रसिद्ध भारतीय स्टंट कोरियोग्राफर हैं। इनके उल्लेखनीय कार्यों में केजीएफ: चैप्टर '1, कैथी और विक्रम शामिल हैं। इन्होंने हाल ही में केजीएफ: चैप्टर 1 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता और कमल हासन की फ़िल्म केएच237 के निर्देशन में जुटे हुए हैं।

Anbumani and Arivumani, known as Anbariv, are renowned Indian stunt choreographers with over 140 films across Tamil, Telugu, Malayalam, Kannada, and Hindi. Notable works include KGF: Chapter '1, Kaithi and Vikram. They recently won the National Award for KGF: Chapter 1 and are set to direct Kamal Haasan's film KH237.

Director	Prashanth Neel
Producer	Hombale Films LLP
Editor	Ujwal Kulkarni
Cinematographer	Bhuvan Gowda
Sound Designer	Nandu J

फ़ीचर फ़िल्म/FEATURE FILM

यह फ़िल्म बारिकियों का ध्यान रखते हुए तैयार किए गए दृश्यों के साथ एक्शन सिनेमा के लिए एक नया मानदंड स्थापित करती है, जो दर्शकों को चकित और उत्साहित कर देती है।

This film sets a new benchmark for action cinema, with its meticulously crafted sequences that are both exhilarating and visually stunning.

के.जी.एफ चैप्टर -2
K.G.F: CHAPTER 2

कन्नड़ / **Kannada** | **168** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ एक्शन निर्देशन
(स्टंट कोरियोग्राफी) (साझा)
Best Action Direction Award (Stunt Choreography) (Shared)

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

अरिवुमणि एम एम
Arivumani M M

अंबुमणि और अरिवुमणि, जिन्हें अंबरीव के नाम से जाना जाता है, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में 140 से अधिक फ़िल्मों कर चुके, प्रसिद्ध भारतीय स्टंट कोरियोग्राफर हैं। इनके उल्लेखनीय कार्यों में 'केजीएफ: चैप्टर 1', 'कैथी' और 'विक्रम' शामिल हैं। इन्होंने हाल ही में 'केजीएफ: चैप्टर 1' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता और कमल हासन की फ़िल्म 'केएच237' के निर्देशन में जुटे हुए हैं।

Anbumani and Arivumani, known as Anbariv, are renowned Indian stunt choreographers with over 140 films across Tamil, Telugu, Malayalam, Kannada, and Hindi. Notable works include 'KGF: Chapter 1', 'Kaithi' and 'Vikram'. They recently won the National Award for 'KGF: Chapter 1' and are set to direct Kamal Haasan's film 'KH237'.

Director	Prashanth Neel
Producer	Hombale Films LLP
Editor	Ujwal Kulkarni
Cinematographer	Bhuvan Gowda
Sound Designer	Nandu J

यह फ़िल्म बारिकियों का ध्यान रखते हुए तैयार किए गए दृश्यों के साथ एक्शन सिनेमा के लिए एक नया मानदंड स्थापित करती है, जो दर्शकों को चकित और उत्साहित कर देती है।

This film sets a new benchmark for action cinema, with its meticulously crafted sequences that are both exhilarating and visually stunning.

ब्रह्मास्त्र- पार्ट 1: शिवा
BRAHMASTRA- PART 1: SHIVA

हिन्दी / **Hindi** | **167** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ वीएफएक्स पर्यवेक्षक (साझा)
Best VFX Supervisor (Shared)

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

जयकर अरुद्र
Jaykar Arudra

डीएनईजी मुंबई में वीएफएक्स सुपरवाइज़र जयकर अरुद्र ने 'वेनम' और 'द हरिकेन हीस्ट' और हाल ही में 'ब्रह्मास्त्र' पर काम किया है। उन्होंने 2003 में अपने करियर की शुरुआत की, 'ट्रॉन: लिगेसी', 'प्लेन्स', 'बॉम्बे वेलवेट', 'डेल्ही 6' जैसे प्रोजेक्टर पर यह काम कर चुके हैं।

Jaykar Arudra, a VFX Supervisor at DNEG Mumbai, has worked on 'Venom' and 'The Hurricane Heist', and recently 'Brahmāstra'. He started his career in 2003, gaining experience on projects like 'TRON: Legacy', 'Planes', 'Bombay Velvet', 'Delhi 6' as well as theme park rides.

Director	Ayan Mukerji
Producer	Dharma Productions Pvt Ltd, Prime Focus Ltd, Starlight Pictures, Star Studios
Editor	Prakash Kurup
Cinematographer	V Manikandan ISC, Pankaj Kumar, Sudeep Chatterjee ISC, Vikash Nowlakha & Patrick Duroux
Sound Designer	Bishwadeep Chatterjee

एक आदर्श मल्टीवर्स यानि ब्रह्मांडो की रचना के लिए जिसमें भारतीय महाकाव्य और पौराणिक कथाओं को निर्बाध तरीके से जोड़ा गया है।

For creating a utopian multiverse that seamlessly blends Indian Epics and Mythology together.

फ़ीचर फ़िल्म/FEATURE FILM

ब्रह्मास्त्र- पार्ट 1: शिवा
BRAHMASTRA- PART 1: SHIVA

हिन्दी / **Hindi** | **167** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ वीएफएक्स पर्यवेक्षक (साझा)
Best VFX Supervisor (Shared)

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

विरल ठक्कर
Viral Thakkar

रीडिफाइन मुंबई में क्रिएटिव डायरेक्टर और वीएफएक्स सुपरवाइजर विरल ठक्कर सत्रह साल से वीएफएक्स के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। साठ से अधिक फ़िल्मों और शो में योगदान दे चुके विरल को 2023 में 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन - शिव' के लिए पुरस्कृत किया गया है, वह एक TEDx वक्ता हैं।

Viral Thakkar, a Creative Director and VFX Supervisor at ReDefine Mumbai, has 17 years in VFX, contributing to over 60 films and shows. Awarded in 2023 for 'Brahmāstra: Part One – Shiva,' he's also a TEDx speaker and industry innovator.

Director	Ayan Mukerji
Producer	Dharma Productions Pvt Ltd, Prime Focus Ltd, Starlight Pictures, Star Studios
Editor	Prakash Kurup
Cinematographer	V Manikandan ISC, Pankaj Kumar, Sudeep Chatterjee ISC, Vikash Nowlakha & Patrick Duroux
Sound Designer	Bishwadeep Chatterjee

एक आदर्श मल्टीवर्स यानि ब्रह्मांडो की रचना के लिए जिसमें भारतीय महाकाव्य और पौराणिक कथाओं को निर्बाध तरीके से जोड़ा गया है।

For creating a utopian multiverse that seamlessly blends Indian Epics and Mythology together.

ब्रह्मास्त्र- पार्ट 1: शिवा
BRAHMASTRA- PART 1: SHIVA

हिन्दी / **Hindi** | **167** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ वीएफएक्स पर्यवेक्षक (साझा)
Best VFX Supervisor (Shared)

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

निलेश गोरे
Neelesh Gore

नीलेश, विज्ञापन और एनीमेशन/वीएफएक्स में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव रखते हैं, वह , रीडिफाइन इंडिया में वीएफएक्स विभाग का नेतृत्व करते हैं। वह 'फाइटर' और 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन - शिवा' जैसी परियोजनाओं के लिए नेतृत्त्व कर चुके हैं ।

Neelesh, with over 30 years in advertising and animation/VFX, leads VFX integration at ReDefine India. From illustrator to Head of CG, he excels in problem-solving, quality control, and overseeing projects like 'Fighter' and 'Brahmāstra: Part One – Shiva.'

Director	Ayan Mukerji
Producer	Dharma Productions Pvt Ltd, Prime Focus Ltd, Starlight Pictures, Star Studios
Editor	Prakash Kurup
Cinematographer	V Manikandan ISC, Pankaj Kumar, Sudeep Chatterjee ISC, Vikash Nowlakha & Patrick Duroux
Sound Designer	Bishwadeep Chatterjee

फ़ीचर फ़िल्म/FEATURE FILM

एक आदर्श मल्टीवर्स यानि ब्रह्मांडो की रचना के लिए जिसमें भारतीय महाकाव्य और पौराणिक कथाओं को निर्बाध तरीके से जोड़ा गया है।

For creating a utopian multiverse that seamlessly blends Indian Epics and Mythology together.

गुलमोहर
GULMOHAR

हिन्दी / **Hindi** | **132** minutes

पुरस्कार / AWARD

विशेष उल्लेख
Special Mention

Director	Rahul V. Chittella
Producer	Star Studios, Chalkboard Entertainment, Autonomous Works
Editor	Tanupriya Sharma
Cinematographer	Eeshit Narain
Sound Designer	P M Satheesh, Manoj Goswami

विजेता / AWARDEE

मनोज बाजपेयी
Manoj Bajpayee

पद्मश्री पुरस्कार विजेता मनोज बाजपेयी सिनेमा जगत की ऐसी शख्सियत हैं जो अपने दमदार और विविधतापूर्ण अभिनय के लिए जाने जाते हैं। तीन दशक लंबे फ़िल्मी सफर में इन्होंने 'सत्या' (1998) से लेकर 'सिर्फ एक बंदा काफी है' (2023) तक 'अलीगढ़' (2015) से 'भोंसले' (2018) तक कई पड़ाव तय किए और उल्लेखनीय भूमिकाओं ने उनकी असाधारण विरासत की पुष्टि करते हुए, इन्हें चार राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाए।

Padma Shri awardee Manoj Bajpayee is an actor celebrated for his versatility and powerful performances. Over three decades, he has excelled in films from 'Satya' (1998) to 'Sirf Ek Bandaa Kaafi Hai' (2023). Notable roles in 'Aligarh' (2015) and 'Bhonsle' (2018) earned him four National Awards, affirming his exceptional legacy.

गुलमोहर के लिए मनोज वाजपेयी का विशेष उल्लेख ज़रूरी है क्योंकि उन्होंने अपने अभिनय के ज़रिए मानवीय संवेदनाओं के छुपे हुए पहलुओं को बखूबी दिखाया और अपने किरदार को जीवंत और यादगार बनाया।

It is worth noting, while selecting Manoj Vajapyee as Special Mention for Gulmohar, that he has taken utmost care to craft his act with skilled precision to showcase all the hidden aspects of human emotions, making his character come alive; a part to remember.

कधिकन
KADHIKAN

मलयालम / **Malayalam** | **94** minutes

पुरस्कार / AWARD

विशेष उल्लेख
Special Mention

Director	Jayaraj
Producer	Wide Screen Media Production
Editor	Vipin Viswakarama
Cinematographer	Shaji Kumar
Sound Designer	Vinod P Sivaram

विजेता / AWARDEE

संजोय चौधरी
Sanjoy Chowdhury

संजोय चौधरी एक फिल्म स्कोर संगीतकार हैं, जिन्होंने 1998 में 'एन्नु स्वंथम जानकीकुट्टी' से शुरुआत की थी। इन्होंने जॉन मैथ्यू मैथन के लिए 'सरफ़रोश' फ़िल्म का संगीत देकर प्रसिद्धि प्राप्त की थी। पृष्ठभूमि संगीत और गीत निर्माण में विशेषज्ञता के साथ, इन्होंने हिंदी, मलयालम, बंगाली और पंजाबी फिल्मों में काम किया है। यह सलिल चौधरी के बेटे हैं।

Sanjoy Chowdhury is a film score composer who debuted in 1998 with 'Ennu Swantham Janakikutty. He gained prominence by scoring 'Sarfarosh' for John Matthew Matthan. Specializing in background music and song production, he has worked on Hindi, Malayalam, Bengali, and Punjabi films. He is the son of Salil Chowdhury.

फ़ीचर फ़िल्म/FEATURE FILM

पुराने दौर की याद दिलाती एक गैर-परंपरागत, नवीन धुन रचने के लिए संजय सलिल चौधरी को फ़िल्म 'कधिकन' के लिए विशेष उल्लेख दिया जाता है। वह उम्मीद जगाते हैं कि धुनें अभी ज़िंदा हैं।

For an unconventional, innovative melody tinged with old school charm Sanjay Salil Chaudhary gets the special mention for the film 'Kadhikan'. He gives us hope that there are some lovely melodies in the days to come.

कथासार
SYNOPSIS

ऊँचाई
UUNCHAI

ऊँचाई, तीन दोस्त - अमित, जावेद और ओम की सड़क यात्रा और एवरेस्ट बेस कैंप तक की ट्रेकिंग की कहानी है, वह यह यात्रा अपने मृत दोस्त की याद में करते हैं। यात्रा के दौरान वह अपनी सीमाओं, पुरानी गलतियों का सामना करते हैं और अपने अंदर की आज़ादी को हासिल करते हैं। यह आध्यात्मिक यात्रा किस तरह से उनके अंदर भावनात्मक बदलाव लाती है, फ़िल्म उसे ही दर्शाती है।

'Uunchai' follows three friends - Amit, Javed, and Om on a road trip and trek to Everest Base Camp in memory of a deceased friend. They confront personal limitations and past mistakes, discovering freedom, independence, and the need for change along their emotional and spiritual journey.

PAGE NO. 092, 097

कांतारा
KANTARA

दक्षिणा कन्नड़ नाम के काल्पनिक गांव की कहानी बताती कांतारा, प्रकृति और इंसानों के बीच के वैचारिक द्वंद्व की पड़ताल करती है। जंगलो के साथ सहभागिता में रह रही जनजाति की जिंदगी में एक वन अधिकारी बाधा बनता है, उसे लगता है कि जनजातियों की कुछ प्रथाएं और रिवाज़ प्रकृति और ज़मीन के लिए खतरा हैं। बस यही बात एक संघर्ष को जन्म देती है।

Kantara is a story set in the fictional village of Dakshina Kannada which explores the age-old conflict between humans and nature. A tribe's coexistence with the forest is strained by a forest officer who feels that the tribe's practices pose a 'threat' to the land, with various complications breaking out.

PAGE NO. 093

थिरुचित्रम्बलम
THIRUCHITRAMBALAM

परिवार के साथ, विभिन्न जटिलताओं और संघर्षों से गुजर रहे एक डिलीवरी बॉय पज़हम को अपने प्यार को पाने की जद्दोज़हद में अपनी सबसे अच्छी दोस्त शोबाना के साथ शांति और जिंदगी का अर्थ मिलता है। साथ ही इससे उसका अपने तेज तर्रार दादा के साथ एक रिश्ता भी पनपता है।

Amid various complications and conflicts with his family and through his struggle to find the love of his life, Pazham, a delivery boy, finds solace and meaning in the company of his best friend Shobana, as well as an evolving relationship with his quick-witted grandfather.

PAGE NO. 094, 113

कच्छ एक्सप्रेस
KUTCH EXPRESS

कच्छ एक्सप्रेस एक गुजराती फ़िल्म है जो आत्म-खोज और व्यक्तिगत विकास की एक मार्मिक कहानी को एक साथ जोड़ती है। कहानी कच्छ के सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और जीवंत क्षेत्र में एक महिला की परिवर्तनकारी यात्रा पर केंद्रित है। कैसे वह विभिन्न व्यक्तिगत और पारिवारिक चुनौतियों से गुजरते हुए, गहरी भावनाओं और सामाजिक अपेक्षाओं का सामना करती है।

Kutch Express is a Gujarati film that intricately weaves together a moving tale of self-discovery and personal growth. The story centers around a woman's transformative journey through the culturally rich and vibrant region of Kutch. As she navigates various personal and familial challenges, she confronts deep-seated emotions and societal expectations.

PAGE NO. 095, 108

कथासार
SYNOPSIS

फ़ौजा
FOUJA

फ़ौजा की कहानी हरियाणा के एक ऐसे परिवार की है, जहां सेना में भर्ती होने की परंपरा रही है। जब एक दुर्घटना में अपना पैर गंवा देने की वजह से फ़ौजा सेना में नहीं जा पाता है तो उसे यह उम्मीद है कि उसका बेटा उसके सपनों को पूरा करेगा, लेकिन उसका बेटा ऐसा नहीं चाहता है। फ़िल्म पिता-पुत्र के बीच के द्वंद्व को दिखाती है।

Fouja centers on a family from Haryana who have a tradition of joining the army. Since he lost a limb in an accident and couldn't join, Fouja hopes that his son will fulfill his dream of conscripting instead, but he doesn't want to - the film follows this father-son conflict.

PAGE NO. 096, 112

मलिकाप्पुरम
MALIKAPPURAM

8 साल की कल्लु की भगवान अयप्पा में गहरी आस्था है, उसे सबरीमाला मंदिर जाना है। लेकिन उम्र की वजह से उसके पास दर्शन के लिए बहुत सीमित समय है। जिस वजह से वह बहुत चुनौतियों का सामना करती है, फ़िल्म की कहानी इसी बारे में है कि वह और उसका चचेरा भाई , किस तरह इस तीर्थयात्रा को पूरा करने के लिए कई जोखिमों का सामना करते हैं। फ़िल्म मंदिर की कठोर तीर्थ परंपराओं और आध्यात्मिक प्रतिबद्धताओं को भी दर्शाती है ।

Eight-year-old Kallu, deeply devoted to Lord Ayyappa, faces challenges in her quest to visit Sabarimala Temple. With a limited time window due to her age, she and her cousin navigate numerous obstacles and receive unexpected help, reflecting the temple's rigorous pilgrimage traditions and spiritual commitments.

PAGE NO. 098

ब्रह्मास्त्र- पार्ट 1: शिवा
BRAHMASTRA- PART 1: SHIVA

ब्रह्मास्त्र भारतीय पौराणिक और आधुनिक भारत को एक साथ जोड़ती एक फंतासी कथा है, जिसका निर्देशन अयन मुखर्जी ने किया है। त्रयी के तौर पर बनी ब्रह्मास्त्र के पहला पार्ट: शिवा की कहानी मुंबई के एक ऐसे अनाथ लड़के की है, जिसे आग के साथ अपने जादुई नाते का पता चलता है जो रहस्यमयी ताकतों और प्रेम के ज़रिये अपने नियति तक पहुंचने की यात्रा पर निकलता है।

Brahmāstra is an epic fantasy-adventure trilogy blending Indian mythology with modern India. Directed by Ayan Mukerji, Part One: Shiva follows an orphan from Mumbai who discovers his magical connection to fire and embarks on a journey through mystical forces and epic love to fulfill his destiny.

PAGE NO. 099, 110, 116, 117, 118

सउदी वेल्लाक्का सीसी.225/2009
SAUDI VELLAKKA CC.225/2009

अभिलाष शशिधरन को बचपन के एक मामले में अदालत में पेश होने का समन मिलता है। मामले की हकीकत जानने के लिए उत्सुक अभिलाष पाता है कि किस तरह एक छोटी सी लड़ाई एक बड़े संघर्ष में तब्दील हो चुकी है, जिसने उस मामले में शामिल सभी लोगों की जिंदगी को बदल कर रख दिया है।

Abhilash Sasidharan receives a summons warrant to appear in court for a case from his childhood. Desperate to learn the truth, he finds a small conflict snowballed into a larger one that changed the lives of everyone involved.

PAGE NO. 100

कथासार
SYNOPSIS

पोन्नियन सेल्वन - पार्ट 1
PONNIYIN SELVAN PART I

दसवीं शताब्दी में, चोल साम्राज्य के राजकुमारों अदिथा करिकालन और अरुणमोझी वर्मन ने बड़ी सफलता हासिल की। लेकिन वहां षड्यंत्र भी रचे जा रहे हैं: एक तरफ पांड्य सैनिक अपने मारे गए राजा का बदला लेना चाहते हैं, वहीं चोल सरदार, कोषाध्यक्ष पेरिया पझुवेट्टारयार के नेतृत्व में, सिंहासन पर कब्ज़ा करने की साजिश रच रहे हैं। भविष्य के राजा अदिथा को इन धमकियों और व्यक्तिगत विश्वासघातों को विफल करना होगा।

In the tenth century, under Chola rule, Princes Aditha Karikalan and Arunmozhi Varman achieve great success. Conspiracies brew: Pandya soldiers seek revenge for their slain king, while Chola chieftains, led by treasurer Periya Pazhuvettarayar, plot to usurp the throne. Crown Prince Aditha must thwart these threats and personal betrayals.

PAGE NO. 101, 105, 111

आट्टम
AATTAM

एक रंगमंच समूह को हरि की बदौलत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का मौका मिलता है, हरि, मुख्य अभिनेता विनय की जगह ले लेता है। अंजली जो नाटक की एक मात्र महिला कलाकार है, वह विनय को बताती है कि हरी ने उसके साथ बदसलूकी की थी। आगे चलकर पूरी टीम इस बारे में विचार विमर्श करती है और आखिरकार हरि को निकाल दिया जाता है। दोस्ती दांव पर होती है। लेकिन लोगों के ज़मीर को खरीदने के लिए पैसो और सफलता का लालच दिया जाता है।

A theatre group has a shot at international recognition through Hari, who replaces Vinay as the lead. Anjaly, the only female member, informs Vinay she was mistreated by Hari. There follows a team discussion, leading to Hari's expulsion. Friendships and the chance for success are at stake as conflict ensues.

PAGE NO. 102, 106

गुलमोहर
GULMOHAR

अपने पुश्तैनी घर गुलमोहर को समेटते समय बत्रा परिवार एक उथल-पुथल का सामना करता है। वसीयत को लेकर तनाव बढ़ जाता है। द्वेष और व्यक्तिगत संकटों के बीच, रिश्तों की भी परख होती है और कई और रहस्य उजागर होते हैं। अंततः, परिवार को पता चलता है कि उनका असली घर उनके भीतर और एक-दूसरे में है, इस तरह फ़िल्म का अंत एक होली उत्सव में होता है।

In Gulmohar, the Batra family navigates upheaval as they pack up their ancestral home. Tensions flare over a will. Amidst chaos & personal crises, relationships are tested and secrets revealed. Ultimately, the family discovers their true home is within themselves and in each other, culminating in a unifying Holi celebration.

PAGE NO. 103, 104, 119

कथासार
SYNOPSIS

अपराजित
APARAJITO

PAGE NO. 107, 109

1950 के मध्य के दौर को दिखाती फ़िल्म की कहानी, एक युवा फिल्म निर्माता, अपराजित रे की पहली पूर्ण लंबाई वाली फीचर फिल्म, पाथेर पोदाबोली के निर्माण के दौरान आने वाली बाधाओं और यात्रा को दिखाती है । कान्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाली यह फ़िल्म विभूतिभूषण मुखोपाध्याय द्वारा लिखित लोकप्रिय बंगाली नामांकित उपन्यास से प्रेरित है।

Set in the mid-1950s, the film revolves around the journey and hurdles faced by a young filmmaker, Aparajito Ray, during the making of lis first full-length feature film, Pather Podaboli, inspired by the popular Bengali eponymous novel written by Bibhutibhushan Mukhopadhyay The film has created a sensation in world cinema and won an international award at the Cannes International Film Festival.

के.जी.एफ चैप्टर -2
K.G.F: CHAPTER 2

PAGE NO. 114, 115

प्रसिद्ध पत्रकार आनंद इंगाल्गी ने केजीएफ के गुप्त इतिहास पर अल डोराडो नामक पुस्तक लिखी थी, लेकिन भारत सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब विजेंद्र इंगल्गी इस कहानी को अध्याय 2 में जारी रखते हैं। रॉकी गरुड़ की मौत से बच जाता है और केजीएफ का पुनर्निर्माण करता है, अब उसके सामने नए दुश्मन हैं। पुस्तक में दमन का खुलासा किया गया है, जिसमें सरकार की कठोर कार्रवाइयां भी शामिल हैं।

Anand Ingalgi, a renowned journalist, wrote the book EL DORADO on the secret history of KGF, but the Indian government banned it. Vijendra Ingalgi continues this story in Chapter 2. Rocky survives Garuda's death, rebuilds KGF, and faces new foes. The book's suppression is revealed, including the government's drastic actions.

कधिकन
KADHIKAN

PAGE NO. 120

1980 के दशक की पृष्ठभूमि पर केंद्रित फ़िल्म एक विख्यात कहानीकार पर केंद्रित है जो एक आराघर में काम करता है और हालात के चलते अपनी इस कला को छिपा कर रखता है। किशोर गृह में रहने वाला एक 17 साल का लड़का जिसे अधीक्षक का समर्थन प्राप्त है, वह उससे कहानी कहना सीखना चाहता है। इससे कहानीकार में फिर से कहानी कहने का जुनून जागता है और दोनों के बीच एक परिवर्तनकारी बंधन बन जाता है।

Set in the 1980s, a renowned storyteller is working at a sawmill and hides his craft due to tough circumstances. A 17-year-old juvenile home resident, supported by the superintendent, seeks to learn storytelling from him. This rekindles the storyteller's passion and forges a transformative bond between them.

फ़ीचर फ़िल्म/FEATURE FILM

किसी भी भारतीय भाषा में बनी फ़िल्में, जो डिजिटल या वीडियो प्रारूप में शूट की गई हों अथवा फ़िल्म, वीडियो या डिजिटल प्रारूप में रिलीज़ की गई हों।फ़िल्में, जिन्हें केंद्रीय फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड द्वारा वृत्तचित्र, न्यूज़रील, गैर-कथाचित्र या लघु कथाचित्र के रूप में 2022 में प्रमाणित किया गया हो, **गैर-फ़ीचर फ़िल्म वर्ग** के लिए पात्र हैं।

Films made in any Indian language, shot in digital or video format, and released on film, video, or digital format.The films certified by the Central Board of Film Certification as a documentary, newsreel, non-fiction, or short fiction in the year 2022, are eligible for the Non-Feature Section.

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार २०२२
National Film Awards 2022

70वें

गैर-फीचर फिल्में

NON-FEATURE FILMS

गैर-फ़ीचर फ़िल्में, एक नज़र में
Non-Feature Films, At A Glance

ए कोकोनट ट्री **A COCONUT TREE**	सर्वश्रेष्ठ एनीमेशन फ़िल्म **Best Animation Film**	**144**
आणखी एक मोहेंजोदारो **AANAKHI EK MOHENJO DARO**	सर्वश्रेष्ठ जीवनी/ऐतिहासिक पुनर्निर्माण/संकलन फ़िल्म **Best Biographical / Historical Reconstruction / Compilation**	**134**
आइना **AYENA**	सर्वश्रेष्ठ गैर-फ़ीचर फ़िल्म **Best Non-Feature Film**	**130**
बिरुबाला “विच टू पद्मश्री” **BIRUBALA “WITCH TO PADMASHRI”**	विशेष उल्लेख **Special Mention**	**155**
फ्रॉम द शैडोज़ **FROM THE SHADOWS**	सर्वश्रेष्ठ निर्देशन **Best Direction**	**148**
फ़ुरसत **FURSAT**	सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन **Best Music Direction**	**152**
हरगिला - दि ग्रेटर एडजुटेंट स्टोर्क **HARGILA – THE GREATER ADJUTANT STORK**	विशेष उल्लेख **Special Mention**	**157**
मध्यांतर **MADHYANTARA**	निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम गैर-फ़ीचर फ़िल्म **Best Debut Non-Feature Film of A Director**	**132**
	सर्वश्रेष्ठ संपादन **Best Editing**	**151**

मोनो नो अवेर **MONO NO AWARE**	सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी **Best Cinematography**	**149**	सर्वश्रेष्ठ पटकथा **Best Script**	**154**
मर्मर्स ऑफ द जंगल **MURMURS OF THE JUNGLE**	सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र **Best Documentary**	**140**	सर्वश्रेष्ठ प्रकथन/वॉइस ओवर **Best Narration/Voice Over**	**153**
ऑन दि ब्रिंक सीज़न 2 - घड़ियाल **ON THE BRINK SEASON 2 - GHARIAL**	सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों पर सर्वश्रेष्ठ गैर-फ़ीचर फ़िल्म **Best Non Feature Film Promoting Social And Environmental Values**	**142**		
रंग विभोग **RANGA VIBHOGA**	सर्वश्रेष्ठ कला एवं सांस्कृतिक फ़िल्म **Best Arts and Cultural Film**	**136**		
वारसा **VARSA**	सर्वश्रेष्ठ कला एवं सांस्कृतिक फ़िल्म **Best Arts and Cultural Film**	**138**		
सुनयोटा **XUNYOTA**	सर्वश्रेष्ठ लघु फ़िल्म **Best Short Film**	**146**		
यान **YAAN**	सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिज़ाइन **Best Sound Design**	**150**		

आइना
AYENA

हिन्दी एवं उर्दू / **Hindi & Urdu** | **70** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ गैर-फ़ीचर फ़िल्म
Best Non-Feature Film

स्वर्ण कमल | **Swarna Kamal**
₹3,00,000/-

Director	Siddhant Sarin
Producer	Teh Films
Editor	Nilanjan Bhattacharya
Cinematographer	Siddhant Sarin, Debankon S. Solanky
Sound Designer	Israel Banuelos

विजेता / AWARDEE

एक एसिड अटैक ने रितु और फरहा की जिंदगी को हमेशा के लिए बदल दिया। रितु को प्रसिद्धि तो मिलती है लेकिन अकेलेपन और एक जटिल रिश्ते से बहुत संघर्ष करना पड़ता है, जबकि फरहा स्वतंत्रता और मातृत्व के अपने सपनों को अपनाती है। आईना आशा और आत्म-खोज के व्यापक विषयों पर रोशनी डालते हुए, उनकी अंतर्निहित छाया और रोशनी को प्रतिबिंबित करता है।

यह एक जीवन संघर्ष की कहानी है, जिसे करुणा और संवेदनशीलता के साथ सुनाया गया है। साझा अनुभवों को बारीकी से जोड़ते हुए, यह धैर्य और दृढ़ता की एक सहानुभूतिपूर्ण कहानी प्रस्तुत करती है।

An acid attack forever changes Ritu and Faraha's lives. Ritu gains fame but struggles a lot with loneliness and a complex relationship, while Faraha embraces independence and her dreams of motherhood. Ayena mirrors their intertwined shadows and lights, reflecting the broader themes of hope and self-discovery.

An observational story of survival, told with compassion and sensitivity. For intricately weaving shared experiences and offering an empathetic tale of resilience.

निर्माता / PRODUCER

तेह फ़िल्म्स
Teh Films

सिद्धांत सरीन द्वारा स्थापित और नई दिल्ली स्थित तेह फ़िल्म्स, 'आईना', 'मम' और 'भांगर' जैसी पुरस्कार विजेता गैर-फ़ीचर फ़िल्मों के लिए जानी जाती है। बुसान के एशियन सिनेमा फंड और डोसेज कोलकाता जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा समर्थित, कंपनी अपने विशिष्ट तरीके से सामाजिक रूप से प्रभावशाली सिनेमा पर ध्यान केंद्रित करती है जो पारंपरिक रूप से कहानी कहने के तरीके को चुनौती देती है।

Teh Films, founded by Siddhant Sarin and based out of New Delhi, is widely known for its award-winning non-feature films like 'Ayena', 'Mum', and 'Bhangaar'. Supported by international organizations such as Busan's Asian Cinema Fund and Docedge Kolkata, the company focuses on auteur-driven, socially impactful cinema that challenges conventional narratives.

निर्देशक/DIRECTOR

सिद्धांत सरीन
Siddhant Sarin

भारतीय फ़िल्म निर्माता और डॉकस्टन के सह-संस्थापक सिद्धांत सरीन ने अपने पहले वृत्तचित्र 'आयना (मिरर)' के लिए प्रशंसा हासिल की, जिसका प्रमुख फ़िल्म समारोहों में प्रीमियर हुआ। इनके लघु मम ने आईडीएसएफएफके और Caminhos do Cinema Português में पुरस्कार अर्जित किए। सिनेमैटोग्राफी और कानून की पढ़ाई के साथ डॉक नोमैदस से स्नातक, सरीन सामाजिक रूप से प्रासंगिक, लेखक संचालित कला का निर्माण करते हैं।

Siddhant Sarin, an Indian filmmaker and the co-founder of Docustan, won acclaim for his debut documentary 'Ayena (Mirror)', which premiered at major festivals. His short Mum earned awards at IDSFFK and Caminhos do Cinema Português. A Doc Nomads graduate with studies in cinematography and law, Sarin creates socially relevant, auteur-driven art.

मध्यान्तर
MADHYANTARA

कन्नड़ / **Kannada** | **39** minutes

पुरस्कार / AWARD

निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम गैर-फ़ीचर फ़िल्म
Best Debut Non-Feature Film of A Director

स्वर्ण कमल | **Swarna Kamal**
₹3,00,000/-

Director	Basti Dinesh Shenoy
Producer	In Focus Pictures
Editor	Suresh URS
Cinematographer	Sunil Borkar
Sound Designer	Arun Kumar

विजेता / AWARDEE

1970 के दशक के कर्नाटक में पले-बढ़े दो लड़के, एक सुदूर इलाके में एक भोजनालय में वेटर के रूप में काम करते हैं। उनकी गरीबी फिल्मों के प्रति उनके प्रेम में कोई रुकावट नहीं बनती और ये फिल्म इन दोनों के चप्पल घिसने वाले फिल्म प्रेमी होने से लेकर फिल्म निर्माण में कदम रखने और अंततः खुद निर्देशक बनने तक की यात्रा को दर्शाती है।

लघु फ़िल्म की श्रेणी में संवाद और दृश्य के ज़रिए कहानी कहने पर असाधारण पकड़ के लिए।

Two boys, growing up in the 1970s Karnataka, work as waiters at an eatery in a mofussil town. Their poverty is no impediment to their love for movies. This film follows the duo's journey from being pedestrian film buffs to their foray into filmmaking, eventually becoming directors themselves.

For the exceptional command over dialogue and visual storytelling in the short film form.

बस्ती दिनेश शेणै
Basti Dinesh Shenoy

पच्चीस वर्षों से अधिक अनुभव वाले बस्ती दिनेश शेणै एक फ़िल्म तकनीशियन और फ़िल्म निर्माता हैं, जिन्होंने एक सिनेमैटोग्राफर, निर्माता और निर्देशक के रूप में परस्पर काम किया है। उन्होंने वेस एंडरसन, एड्रियन ब्रॉडी और आमिर खान जैसे सिनेमा के दिग्गजों के साथ काम किया है और शीर्ष अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के लिए टीवी विज्ञापनों का निर्माण भी किया है।

Basti Dinesh Shenoy is a film technician and filmmaker with over 25 years of experience who has worked interchangeably as a cinematographer, producer, and director. He has collaborated with cinema legends such as Wes Anderson, Adrien Brody, and Aamir Khan, and has also produced TV commercials for top international brands.

आणखी एक मोहेंजोदारो
AANAKHI EK MOHENJO DARO

मराठी / **Marathi** | **130** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ जीवनी / ऐतिहासिक पुनर्निर्माण / संकलन फ़िल्म
Best Biographical / Historical Reconstruction / Compilation Film

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Ashok Rane
Producer	de Goan Studio, Ashok Rane Productions
Editor	Ashok Rane
Cinematographer	Aniket V. Khandagale
Sound Designer	Ketaki Chakradeo

विजेता / AWARDEE

1850 के दशक में, मुंबई में कपास मिलों के आसपास एक सभ्यता विकसित हुई। इस सभ्यता को 'गिरांगांव' - 'मिलों का निवास', के नाम से जाना जाता था जिसे औद्योगिक क्रांति की संतान कहा गया. 1982 में मिल-मज़दूरों की हड़ताल जिसके कारण गिरनगांव पूरी तरह से तबाह हो गया। गिरनगांव का अस्तित्व समाप्त हो गया।

गिरनगांव में रहने वाले लोगों की आवाज़ों के माध्यम से यादों को ताज़ा करने के लिए, जिनकी अपनी एक दुनिया है जो अब एक पुरानी जगह बन चुकी है। मुंबई के लोकाचार को जीवित रखने के लिए।

In the 1850s, a civilisation flourished around the cotton mills in Mumbai. This civilisation was known as 'Girangaon' - 'the Abode of Mills', an offspring of the industrial revolution. In 1982, a strike of mill-workers led to total devastation of Girangaon. Girangaon ceased to exist.

For reconstructing memories through the voices of those who lived in Girangaon, a world of its own, now a bygone space. For keeping the ethos of Mumbai alive.

निर्माता / PRODUCER

डी गोअन स्टुडिओ
de Goan Studio

2016 में गायत्री और राजेश पेडनेकर द्वारा सह-स्थापित, डी गोअन स्टूडियो ने कोंकणी फ़िल्म 'के सेरा सेरा' का निर्माण किया, जिसका प्रीमियर आईएफएफआई में हुआ और जिसने राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार जीता। उनकी दूसरी फ़िल्म 'काजरो' ने भी सर्वश्रेष्ठ कोंकणी फिल्म का पुरस्कार जीता। तब से उन्होंने लघु फ़िल्में और अपने पहले वृत्तचित्र, 'अनाखी एक मोहनजोदड़ो' का निर्माण किया है।

Co-founded by Gayatri and Rajesh Pednekar in 2016, de Goan Studio produced the Konkani film 'K Sera Sera', which premiered at IFFI and won National Film Awards. Their second film, 'Kaajro', also won Best Konkani Film. They have since produced short films and their first documentary, 'Aanakhi Ek Mohenjodaro'.

अशोक राणे प्रोडक्शंस
Ashok Rane Productions

अशोक राणे प्रोडक्शंस ने तीन वृत्तचित्रों का निर्माण किया है, जिनके नाम हैं 'सिंगिंग इन सिनेमा', जो भारतीय सिनेमा के गीत-नृत्य प्रारूप को दर्शाता है, 'दशावतार: लोककला कोकांची', एक मराठी भाषा का वृत्तचित्र जो पारंपरिक कोंकणी लोक थिएटर पर केंद्रित है और 'बीइंग विद अपू', रे की प्रसिद्ध अपु त्रयी के नायक अपु पर केंद्रित एक वृत्तचित्र है।

Ashok Rane Productions has produced three documentaries, namely 'Singing In Cinema', which looks at the song-dance format of Indian cinema, 'Dashavatar: Lokkala Kokanchi', a Marathi language docu focusing on traditional Konkani folk theatre and 'Being with Apu', a documentary centered around Apu, the protagonist of Ray's famous Apu Trilogy.

निर्देशक / DIRECTOR

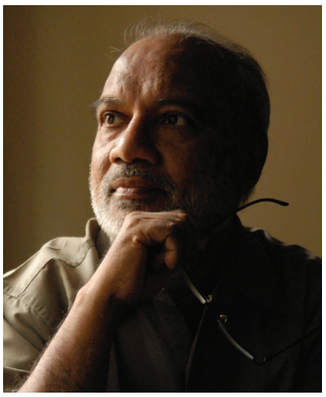

अशोक राणे
Ashok Rane

अशोक राणे एक फिल्म समीक्षक, अकादमिक और फ़िल्म निर्माता हैं, इनके पास फ़िल्म समालोचन और पटकथा लेखन में व्यापक अनुभव है। एक अतिथि संकाय सदस्य और शोधकर्ता, यह प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समारोहों में निर्णायक मंडल के सदस्य रहे हैं, आठ किताबें लिखी हैं और सात वृत्तचित्र बनाए हैं। इनके योगदान के लिए इन्हें सत्यजीत रे मेमोरियल अवॉर्ड मिल चुका है।

Ashok Rane is a film critic, academic, and filmmaker with extensive experience in film appreciation and scriptwriting. A visiting faculty member and researcher, he has served on juries at major international festivals, authored eight books, and created seven documentaries. He has received the Satyajit Ray Memorial Award for his contributions.

रंग विभोग
RANGA VIBHOGA

कन्नड़ / **Kannada** | **30** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ कला एवं सांस्कृतिक फ़िल्म (साझा)
Best Arts and Cultural Film (Shared)

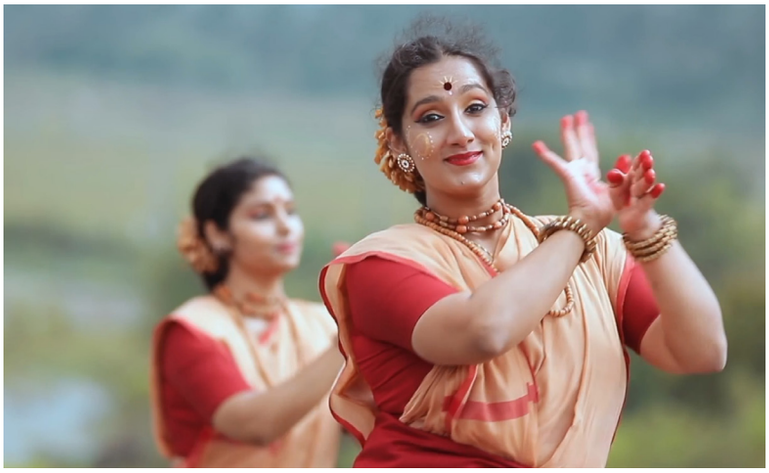

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Suneel Puranik
Producer	Puranik Productions
Editor	Uday Jagalur
Cinematographer	Annayyak
Sound Designer	Dr Ramya Suraj

विजेता / AWARDEE

'रंगवैभोग' - ये वृत्तचित्र कर्नाटक के मंदिरों की एक समृद्ध नृत्य परंपरा, रंगभोग की खोज करती है। यह अपने कलाकारों के जीवन, शिक्षा और तकनीकों को समझते हुए कर्नाटक के नृत्य इतिहास के दो हजार सालों से अधिक की पड़ताल करती है। यह फ़िल्म इस प्राचीन कला के विकास और प्रथाओं के बारे में आधिकारिक, शोध-आधारित जानकारियां देती हैं।

कर्नाटक की मंदिर नृत्य परंपराओं का एक गहन शोधपूर्ण अध्ययन, जो उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डालता है।

The documentary Rangavaibhoga explores Rangabhoga, a rich dance tradition from Karnataka's temples. It examines the lives, education, and techniques of its artists, and traces over two thousand years of Karnataka's dance history. The film offers authoritative, research-based insights into this ancient art form's evolution and practices.

A well-researched study of the temple dance traditions of Karnataka, throwing light on their rich cultural heritage.

निर्माता / PRODUCER

सागर पुराणिक
Sagar Puranik

दो बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित सागर पुराणिक निर्देशक, लेखक और अभिनेता हैं। वाहवाही हासिल कर चुकी लघु फ़िल्म 'महान हुतात्मा' के सह-निर्माता पुराणिक ने कई लघु फ़िल्मों और वृत्तचित्रों का निर्माण किया है। उनका लक्ष्य दर्शकों को प्रेरित और बांधे रखते हुए भारत की अनकही कहानियों को उजागर करना और साझा करना है।

Sagar Puranik is a two-time National Award-winning director, writer, and actor. Co-producer of the acclaimed short film 'Mahaan Hutatma', he has since produced numerous short films and documentaries. His goal is to uncover and share India's untold stories to inspire and engage audiences.

निर्देशक/DIRECTOR

सुनील पुराणिक
Suneel Puranik

फ़िल्म उद्योग में 34 सालों से भी ज़्यादा वक्त से सक्रिय सुनील पौराणिक ने 30 फ़िल्मों में अभिनय, पंद्रह कन्नड़ फीचर का सह-निर्देशन और ग्यारह धारावाहिकों का निर्देशन किया है। यह कर्नाटक चलचित्र अकादमी के पूर्व-अध्यक्ष होने के साथ ही राज्य और राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए निर्णायक मंडल के सदस्य और फ़िल्म महोत्सव के अध्यक्ष भी रहे. कर्नाटक की मंदिर नृत्य परंपरा को संरक्षित करने के लिए समर्पित हैं।

With over 34 years in the industry, Sunil Puranik has acted in 30 films, co-directed 15 Kannada features and directed 11 daily soaps. He served as a state and national award jury member, festival director, and ex-chairman of Karnataka Chalachitra Academy. He's dedicated to preserving Karnataka's temple dance tradition.

वारसा
VARSA

मराठी / **Marathi** | **27** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ कला एवं सांस्कृतिक फ़िल्म (साझा)
Best Arts and Cultural Film (Shared)

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Sachin Balasaheb Suryawanshi
Producer	Sachin Balasaheb Suryawanshi
Editor	Prasant Bhilawade
Cinematographer	Sachin Balasaheb Suryawanshi
Sound Designer	Mandar Kamalapurkar

विजेता / AWARDEE

‘वारसा’ पारंपरिक मार्शल आर्ट और उससे जुड़े हुनर के पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ने पर रोशनी डालती है, जिसमें छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में ‘मर्दानी खेल’ का जश्न मनाया गया है। यह इस साढ़े तीन सौ साल पुरानी कला के प्रति इसके अभ्यासकर्ताओं के अटूट समर्पण के साथ उनके रोज़मर्रा के संघर्षों को दिखाते हुए उन्हें असाधारण नायकों के रूप में चित्रित करता है।

असाधारण गहराई और अंतर्दृष्टि के माध्यम से रचनात्मकता और सांस्कृतिक विरासत को दिखाने के लिए।

Varsa highlights traditional martial arts and the generational transfer of skills, celebrating ‘Mardani Khel’ as a vital part of Chhatrapati Shivaji Maharaj’s legacy. It contrasts the everyday struggles of its practitioners with their unwavering dedication to this three hundred and fifty year old art, portraying them as extraordinary heroes.

For showcasing creativity and cultural heritage with exceptional depth & insight.

सचिन बालासाहेब सूर्यवंशी
Sachin Balasaheb Suryawanshi

सचिन बालासाहेब सूर्यवंशी एक फ़िल्म निर्माता और क्रिएटिव डायरेक्टर हैं, जिनके नाम 'द सॉकर सिटी' (2019) और 'वारसा' (2022) जैसी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हैं, जिनका सूर्यवंशी ने निर्देशन किया है और इन दोनों फ़िल्मों ने सर्वश्रेष्ठ लघु फ़िल्म (नॉन-फिक्शन) के लिए फ़िल्मफेयर पुरस्कार जीते। इन्होंने सहायक निर्देशक के रूप में काम किया है, 2006 से अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म समारोहों में हिस्सा ले रहे हैं और विज्ञापन जगत में शाबाशियां बटोरी हैं।

Sachin Balasaheb Suryawanshi is a filmmaker and creative director with notable achievements, including directing 'The Soccer City' (2019) and 'Varsa' (2022), both of which won Filmfare Awards for Best Short Film (Non-Fiction). He has worked as an assistant director, attended international film festivals since 2006, and earned accolades in advertising.

मर्मर्स ऑफ द जंगल
MURMURS OF THE JUNGLE

मराठी / **Marathi** | **20** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र
Best Documentary

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Sohil Abhijit Vaidya
Producer	Sohil Abhijit Vaidya
Editor	Sohil Abhijit Vaidya
Cinematographer	Digvijay Thorat
Sound Designer	Bigyna Dahal

विजेता / AWARDEE

एक लड़का पश्चिमी घाट के अपने सुदूर गाँव के बारे में अपनी दादी की कहानी सुनाता है, जहाँ जैसे ही सुबह होती है, आत्माएं जंगल में घूमने लगती हैं और अंधेरे राज़ और बाप-दादा के रहस्यों को उजागर करती हैं। जंगल जीवन, मृत्यु और पुनर्जन्म के शाश्वत चक्र का प्रतीक है, जो प्राचीन और आधुनिकता को जोड़ता है।

जैसे पेड़ फुसफुसाकर देवताओं और पूर्वजों की कहानियाँ सुनाते हैं और एक कविता जीवंत होकर सामने आती है, जो कहानी कहने के नए तरीके को बेमिसाल ढंग से पेश करती है।

A boy recounts his grandmother's tale about their remote village in the Western Ghats. As morning unfolds, spirits roam the forest, revealing dark secrets and ancestral whispers. The forest symbolizes the eternal cycle of life, death, and rebirth, bridging the ancient and the modern.

As whispering trees pass down stories of gods and ancestors, a visual poetry unfolds offering a masterfully crafted piece of new-age story telling.

सोहिल अभिजित वैद्य
Sohil Abhijit Vaidya

सोहिल एक लेखक और निर्देशक हैं जिन्होंने मेलबर्न अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव में ग्रां प्री सहित कई पुरस्कार जीते हैं।। इनकी फ़िल्में 100 से अधिक समारोह में दिखाई जा चुकी हैं। बाफ्टा फेलो और यूएससी फिल्म स्कूल से स्नातक, यह अपनी पहली फ़ीचर फ़िल्म 'आदिम (प्राइमोर्डियल)' पर काम कर रहे हैं|

Sohil is a writer and director who has won multiple awards including the Grand Prix at Melbourne International Film Festival. His films have been featured in over a hundred festivals. A BAFTA Fellow and USC Film School graduate, he's developing his debut feature, 'Aadim (Primordial)'.

ऑन दि ब्रिंक सीज़न 2 - घड़ियाल
ON THE BRINK SEASON 2 - GHARIAL

अंग्रेज़ी / **English** | **24** minutes

पुरस्कार / AWARD

सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों पर सर्वश्रेष्ठ गैर-फ़ीचर फ़िल्म

Best Non Feature Film Promoting Social And Environmental Values

रजत कमल | **Rajat Kamal**

₹2,00,000/-

Director	Akanksha Sood Singh
Producer	The Gaia People, The Habitats Trust
Editor	Sanjiv Monga
Cinematographer	Praveen Singh
Sound Designer	Sanjiv Monga

विजेता / AWARDEE

चम्बल नदी लुप्त हो रहे घड़ियाल का अंतिम गढ़ है। कुछ समय पहले तक, भारत की सबसे स्वच्छ नदियों में से एक होने के बावजूद, यह प्रजाति खतरनाक रूप से विलुप्त होने के करीब थी। शोधकर्ता पंकज कुमार घड़ियाल के छिपे हुए रहस्यों को उजागर करते हैं और सरीसृप के चतुर अनुकूलन की खोज करते हैं, जो इसके अस्तित्व की कुंजी है।

गुमनाम नायकों के रोजमर्रा के प्रयासों के माध्यम से मगरमच्छ की प्रजाति - घड़ियाल की यात्रा को दर्ज करने के लिए।

The Chambal river is the last stronghold of the disappearing gharial. Not long ago, the species was perilously close to extinction, despite being an inhabitant of one of India's cleanest rivers. Researcher Pankaj Kumar uncovers the gharial's hidden secrets and discovers the reptile's clever adaptations, key to its survival.

For chronicling the journey of a lesser known crocodilian species - the Gharial, through the everyday efforts of unsung heroes.

निर्माता / PRODUCER

द गाया पीपल
The Gaia People

गैया पीपल, भारत में स्थित एक स्वतंत्र निर्माण कंपनी है जो प्रकृति, वन्य जीवन और मानवीय कहानियों पर आधारित वृत्तचित्र और डिजिटल सामग्री बनाती है। 'द पैड पाइपर' और 'ऑन द ब्रिंक' के लिए पुरस्कार जीत चुकी टीजीपी अत्याधुनिक तकनीक के साथ विकास से लेकर उत्पादन तक की परियोजनाओं को संभालती है। यह विविध, समावेशी कर्मचारियों और उभरती प्रतिभा का बढ़ावा देने में यक़ीन रखती हैं।

The Gaia People, an India-based independent production company, creates documentaries and digital content on nature, wildlife, and human stories. Known for award-winning films like 'The Pad Piper' and 'On The Brink', TGP handles projects from development to production with cutting-edge technology. They foster a diverse, inclusive workforce and nurture emerging talent.

दि हैबिटाट्स ट्रस्ट
The Habitats Trust

2018 में स्थापित द हैबिटेट्स ट्रस्ट (टीएचटी) को रोशनी नादर मल्होत्रा और शिखर मल्होत्रा ने मिलकर शुरू किया था जिसका उद्देश्य भारत में कम ज्ञात प्रजातियों और उनके आवासों का संरक्षण करना है। रुशिकेश चव्हाण के नेतृत्व में टीएचटी ने 100 साझेदारों के साथ 26 राज्यों में काम करते हुए 40 संगठनों और संरक्षण परियोजनाओं का समर्थन किया है, जिसमें 40 से अधिक प्रजातियों के लिए अनुदान भी शामिल है।

Co-founded in 2018 by Roshni Nadar Malhotra and Shikhar Malhotra, The Habitats Trust (THT) focuses on conserving lesser-known species and habitats in India. Operating across 26 states with a hundred partners, THT, led by Rushikesh Chavan, has supported 40 organizations and conservation projects, including grants for over 40 species.

निर्देशक / DIRECTOR

आकांक्षा सूद सिंह
Akanksha Sood Singh

आकांक्षा सिंह, प्राकृतिक इतिहास से जुड़ी अग्रणी फ़िल्मकार, जिन्होंने द गैया पीपल की सह-स्थापना की और 'वुमेन ऑफ द वाइल्ड' श्रृंखला को तैयार किया। फ़िल्म निर्माण में बाईस वर्षों से अधिक समय से सक्रिय सिंह ने दो सौ से अधिक पुरस्कार अर्जित किए हैं। वह यूएनईपी संचार सलाहकार, अंतर्राष्ट्रीय एमी जूरर और जैक्सन वाइल्ड एडवाइजरी काउंसिल के सदस्य के रूप में अपनी सेवा देती रही हैं।

Akanksha Singh, a leading natural history filmmaker, co-founded The Gaia People and created the 'Women of the Wild series'. With over 22 years in film production, her work has earned over 200 awards. She serves as a UNEP communications consultant, International Emmy juror, and Jackson Wild Advisory Council member.

ए कोकोनट ट्री
A COCONUT TREE

साइलेंट / **Silent** | **09** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ एनीमेशन फ़िल्म
Best Animation Film

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Joshy Benedict
Producer	JB Productions
Editor	Joshy Benedict
Cinematographer	
Sound Designer	Ratheesh Vijayan

विजेता / AWARDEE

एक माँ प्यार से नारियल के उस पौधे की देखभाल करती है जो शायद आसपास की घास के ज़्यादा बढ़ जाने से बढ़ नहीं रहा था. हालात के चलते एक अप्रत्याशित मोड़ में, प्रकृति उस नारियल के पेड़ के पनपने के माध्यम से उसकी सहायता के लिए आती है।

शैलीबद्ध एनीमेशन तकनीकों के साथ-साथ रंगों, रेखाचित्रों और टायमिंग के ज़रिए फ़िल्म एक पेड़ की कहानी और मनुष्यों के लिए इसकी प्रासंगिकता बताती है।

A mother lovingly cares for a coconut seedling that might have been stunted or hindered by the exuberant growth of surrounding grasses. In an unexpected turn of events, nature comes to her aid through the growth of that coconut tree.

Through the bold use of colours, sketches and timing along with stylised animation techniques, the film tells the story of a tree and its relevance to humans.

निर्माता / PRODUCER

J B PRODUCTIONS

जे.बी. प्रोडक्शंस
JB Productions

जोशी बेनेडिक्ट और रॉबिन्सन थॉमस द्वारा 2022 में स्थापित, जेबी प्रोडक्शंस लघु एनीमेशन फ़िल्मों के निर्माण पर केंद्रित है। वर्तमान में पंजीकरण प्रक्रिया में यह कंपनी अवधारणा कला, स्टोरीबोर्डिंग और कैरेक्टर डिजाइन में भी माहिर है। इनकी पहली एनीमेशन लघु फ़िल्म 'ए कोकोनट ट्री' है।

Founded in 2022 by Joshy Benedict and Robinson Thomas, J B Productions focuses on producing short animation films. Currently in the registration process, the company also specializes in concept art, storyboarding, and character design. Its first animation short film is 'A Coconut Tree'.

निर्देशक एवं एनिमेटर / DIRECTOR & ANIMATOR

जोशी बेनेडिक्ट
Joshy Benedict

जोशी बेनेडिक्ट केरल से आने वाले एक कलाकार और एनिमेटर इन्होंने सरकारी ललित कला कॉलेज, त्रिशूर से स्नातक किया। इनके ग्राफिक उपन्यास 'पन्निमलथ' (द पिग फ्लिप) से इन्हें पहचान मिलने की शुरुआत हुई। इनका स्वतंत्र लघु एनीमेशन 'ए कोकोनट ट्री' अंतरराष्ट्रीय समारोहों में प्रदर्शित किया गया है। वह कई प्रोजेक्ट्स पर एक रचनात्मक निर्देशक और एनिमेटर के रूप में भी काम करते हैं।

Joshy Benedict, an artist and animator from Kerala, graduated from Government Fine Arts College, Thrissur. His acclaimed graphic novel 'Pannimalath' (The Pig Flip) marked his debut. His independent animation short 'A Coconut Tree' has been featured at international festivals. He also works as a creative director and animator on various projects.

सुनयोटा
XUNYOTA

असमिया / **Assamese** | **29** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ लघु फ़िल्म
Best Short Film

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Nabapan Deka
Producer	HM Productions
Editor	Divya Hansda, Joydeep Mukherjee
Cinematographer	Nihal Bhandari
Sound Designer	Nabapan Deka

विजेता / AWARDEE

सुनयोटा, जिसका अर्थ है 'शून्य', जो पड़ताल करती है कि किस तरह, बीना नाम की युवती के जीवन पर दुःख और किसी को खोने का दर्द सूक्ष्म तरीके से असर डालता है। बीना जिसका जीवन तब काफी बदल जाता है जब उसकी माँ को एक लाइलाज बीमारी घेर लेती है। फ़िल्म अनकही भावनाओं की शून्यता और गहन बातचीत की कमी पर ज़ोर देती है।

प्रेम को पाने और खोने के एक मार्मिक चित्रण के लिए। भाग्य के हवाले कर दिए गए जीवन और उसमें मचे तूफान को धूसर रंगो और खामाशियों का उपयोग कर सहजता से बयान करने के लिए।

Xunyota, meaning 'void,' explores the subtle impacts of grief and loss on a young girl, Bina, whose life changes drastically when her mother becomes bedridden with a terminal illness. The film emphasizes the emptiness of unspoken emotions and the absence of intense conversations.

For a poignant and moving portrait of love and loss. For subtly using shades of grey and silences to explore turmoil and a life resigned to fate.

निर्माता / PRODUCER

HM PRODUCTION

एचएम प्रोडक्शंस
HM Production

असम स्थित एचएम प्रोडक्शन विभिन्न शैलियों में असरदार सिनेमाई कहानियां रचने के लिए प्रसिद्ध है। इन्होंने 'पर्पल रेन', 'प्रिक्टो', 'सुनयोटा', 'खरमन ताल' और 'सुनीता' जैसी प्रभावशाली फ़िल्में बनाई हैं। इनकी रचना ने कई पुरस्कार जीते हैं और अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव में चयनित की गई हैं।

HM Production, based in Assam, is renowned for creating impactful cinematic narratives across genres. They have produced acclaimed films like 'Purple Rain', 'Prikto', 'Xunyota', 'Kharman Taal', and 'Sunita'. Their work has won awards and received international festival selections.

निर्देशक / DIRECTOR

नवपण डेका
Nabapan Deka

नबापन डेका, साउंड एडिटर और डिज़ाइनर हैं जो मुंबई में रहते हैं। क्षेत्रीय सरकारी फ़िल्म और टेलीविज़न संस्थान, असम से फ़िल्म अध्ययन में स्नातक डेका को कथात्मक फ़िल्म निर्माण की शैली बहुत पसंद है और इनकी निर्देशन की पहली फ़िल्म लघु 'सुनयोटा' है। इनकी पास फिल्म, वृत्तचित्र, विज्ञापन और वेब श्रृंखलाओं के लिए साउंड पर काम करने का व्यापक अनुभव है।

Nabapan Deka is a sound editor and designer based in Mumbai. A Film Studies graduate from the Regional Government Film & Television Institute, Assam, he is passionate about narrative filmmaking His directorial debut is the short 'Xunyota'. He has extensive experience in sound for films, documentaries, ads, and web series.

फ्रॉम द शैडोज़
FROM THE SHADOWS

अंग्रेज़ी / **English** | **76** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ निर्देशन
Best Direction

स्वर्ण कमल | **Swarna Kamal**
₹3,00,000/-

Director	Miriam Chandy Menacherry
Producer	Filament Pictures Pvt. Ltd
Editor	Irene Dhar Malik
Cinematographer	Ranu Ghosh
Sound Designer	Fibin Mohammad

विजेता / AWARDEE

मिरियम चांडी मीनाचेरी
Miriam Chandy Menacherry

मिरियम, फिलामेंट पिक्चर्स की संस्थापक-निदेशक, सामाजिक मुद्दों पर वृत्तचित्र के लिए जानी जाती हैं। बाफ्टा ब्रेकथ्रू टैलेंट और ग्लोबल मीडिया मेकर्स फेलो हासिल कर चुकी मिरियम की पुरस्कार विजेता फ़िल्मों में 'फ्रॉम द शैडोज़' और 'द लेपर्ड ट्राइब' शामिल हैं। इनकी कृतियों का प्रीमियर आईडीएफए में हुआ और इन्हें सिनेमा में महिलाओं पर शोध के लिए फुलब्राइट-नेहरू फ़ेलोशिप मिल चुकी है।

Miriam, Founder-Director of Filament Pictures, creates acclaimed social documentaries. Recognized as BAFTA Breakthrough Talent and a Global Media Makers Fellow, her award-winning films include 'From the Shadows' and 'The Leopard's Tribe'. Her work has premiered at IDFA, and she received a Fulbright-Nehru Fellowship for research on women in cinema.

अपनी जान बचा पाने वालों की शारीरिक और मानसिक संघर्षों से निपटने की कहानी और लापता लड़कियों की खोज के लिए किए गए कई अथक प्रयासों को संवेदनशील रूप से चित्रित करने के लिए।

For exploring individual trajectories of both the physical & mental struggles of survivors, for sensitively portraying the relentless pursuits to track missing girls.

मोनो नो अवेर
MONO NO AWARE

हिन्दी एवं अंग्रेज़ी / **Hindi & English**| **20** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी
Best Cinematography

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

सिद्धार्थ दीवान
Siddharth Diwan

सिद्धार्थ दीवान, समकालीन भारतीय फिल्म उद्योग में एक जाना-माना नाम हैं जिन्हें 'कला', 'बुलबुल', 'क्वीन', 'भावेश जोशी', 'ट्रैप्ड' और अन्य लोकप्रिय फ़िल्मों में सिनेमैटोग्राफी के लिए जाना जाता है। दो दशकों से ज़्यादा लंबे सिनेमैटोग्राफी करियर के साथ, दीवान ने देश के कई प्रसिद्ध फ़िल्मकारों के साथ मिलकर काम किया है।

Siddharth Diwan, a prominent figure in the contemporary Indian film industry, is celebrated for his cinematography in acclaimed works such as 'Qala', 'Bulbbul', 'Queen', 'Bhavesh Joshi', 'Trapped', and more. With a cinematography career spanning over two decades, Diwan has collaborated with several renowned filmmakers in the country.

Director	Koushik Sarkar
Producer	Kali Collective India
Editor	Rudro Bhandary
Cinematographer	Siddharth Diwan
Sound Designer	Amala Popuri

भूरे और धूसर जैसे मौन रंगों के माध्यम से अंदर मौजूद चिरउदासी, हासिल करने की लालसा और नैराश्य के रूपकों का प्रस्तुतिकरण दर्शकों के दिल पर गहरा प्रभाव छोड़ता है।

Evocative imagery through muted hues of greys and browns act as metaphors of underlying melancholy and a sense of longing and desolation.

गैर-फ़ीचर फ़िल्में/NON-FEATURE FILM

यान
YAAN

हिन्दी एवं मालवी / **Hindi & Malwi** | **11** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिज़ाइन
Best Sound Design

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Satish Sharma
Producer	Bohti Pictures
Editor	Aseem Sinha
Cinematographer	Vierendrra Lalit
Sound Designer	Manas Choudhury

विजेता / AWARDEE

मानस चौधरी
Manas Choudhury

एफटीआईआई से स्नातक मानस चौधरी के पास साठ से अधिक फ़ीचर फ़िल्मों, टीवी श्रृंखलाओं और वृत्तचित्रों में प्रोडक्शन साउंड मिक्सर और साउंड डिज़ाइनर के रूप में 30 वर्षों से अधिक का अनुभव है। इनकी उल्लेखनीय कृतियों में 'चकदे इंडिया', 'वेलकम टू सज्जनपुर' और 'फिराक़' शामिल हैं। उन्हें फ़िल्मफेयर पुरस्कार सहित कई अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए नामांकन प्राप्त हुए हैं।

Manas Choudhury, an FTII graduate, has over 30 years of experience as a production sound mixer and sound designer on over 60 feature films, TV series, and documentaries. His notable works include 'Chakde India', 'Welcome to Sajjanpur', and 'Firaaq'. He has received multiple nominations for prestigious awards, including Filmfare Awards.

पीड़ा की कहानी व्यक्त करने के लिए शानदार सॉनिक के साथ न्यूनतम ध्वनि के उपयोग के लिए।

For the use of minimalistic sound with a brilliant sonic texture to convey a beautiful tale of agony.

मध्यांतर
MADHYANTARA

कन्नड़ / **Kannada** | **39** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ संपादन
Best Editing

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

सुरेश अरस
Suresh URS

स्वर्गीय श्री सुंदर कृष्ण उर्स के मार्गदर्शन में, सुरेश उर्स ने 1980 के दशक में एक संपादक के रूप में अपना फ़िल्मी करियर शुरू किया। चालीस सालों में इन्होंने पाँच सौ से अधिक फिल्मों और टीवी श्रृंखलाओं पर काम किया है। इन्होंने कई पुरस्कार जीते हैं, जिनमें बॉम्बे के लिए सर्वश्रेष्ठ संपादक का राष्ट्रीय पुरस्कार भी शामिल है।

Mentored by the Late Shri Sundar Krishne Urs, Suresh Urs began his film career in the 1980s as an editor. With 40 years in the industry, he's worked on over 500 films and TV series. He has won numerous awards, including a National Award for Best Editor for Bombay.

Director	Basti Dinesh Shenoy
Producer	In Focus Pictures
Editor	Suresh Urs
Cinematographer	Sunil Borkar
Sound Designer	Arun Kumar

गैर-फ़ीचर फ़िल्में/NON-FEATURE FILM

प्रभावशाली शॉट, लयबद्ध प्रवाह और एक अच्छी गति के माध्यम से बांधकर रखने वाली कहानी के लिए।

For an engaging narrative through the use of effective shot selection, rhythmic flow and admirable pacing.

फ़ुरसत
FURSAT

हिन्दी / **Hindi** | **31** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन
Best Music Direction

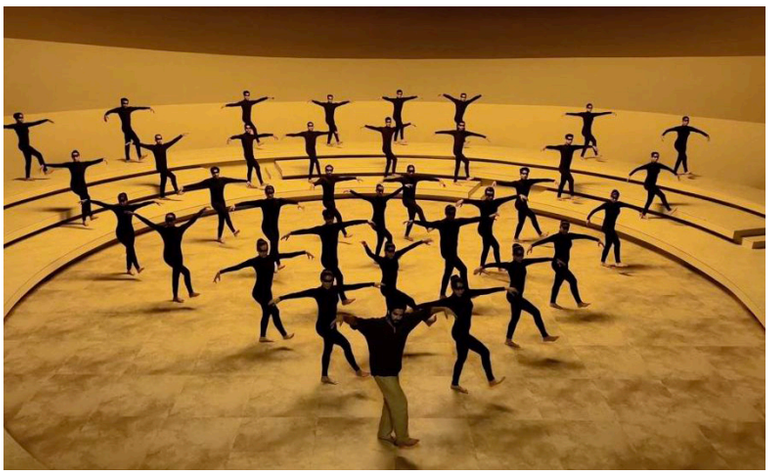

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

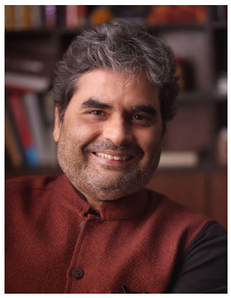

विशाल भारद्वाज
Vishal Bhardwaj

Director	Vishal Bhardwaj
Producer	Vishal Bhardwaj Films LLP
Editor	Vedant Joshi
Cinematographer	Swapnil Sonawane
Sound Designer	Shajith Koyeiri, Yash Darji

एक नाटकीय संगीतमय साउंडस्केप के साथ कल्पना को शामिल करके भविष्य की कहानी गढ़ने के लिए।

For creating a dramatic musical soundscape, infusing fantasy into a futuristic narrative.

विशाल भारद्वाज एक लोकप्रिय भारतीय फ़िल्म निर्देशक, लेखक, संगीतकार और निर्माता हैं। इन्होंने 'मकबूल', 'ओंकारा' और 'हैदर' समेत दस फिल्मों का निर्देशन किया है। इनके द्वारा निर्मित उल्लेखनीय फिल्मों में 'इश्क़िया' और 'तलवार' भी शामिल हैं। भारद्वाज ने चालीस से अधिक फ़िल्मों के लिए संगीत तैयार किया है और इन्हें शेक्सपियर त्रयी के रूपांतरणों के लिए जाना जाता है।

Vishal Bhardwaj is an acclaimed Indian film director, writer, composer, and producer. He has directed ten films, including 'Maqbool', 'Omkara', and 'Haider'. Notable works he produced are 'Ishqiya' and 'Talvar'. Bhardwaj has composed music for over 40 films and is known for his Shakespeare Trilogy adaptations.

मर्मर्स ऑफ द जंगल
MURMURS OF THE JUNGLE

मराठी / **Marathi** | **20** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ प्रकथन/वॉइस ओवर
Best Narration/Voice Over

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

विजेता / AWARDEE

सुमंत मंगल अनंत शिंदे
Sumant Mangal Anant Shinde

सुमंत शिंदे, एक अभिनेता होने के साथ ही वोइसओवर कलाकार और ललित कला केंद्र गुरुकुल से थिएटर स्नातक हैं। इन्होंने विज्ञापन और एनिमेटेड श्रृंखला में अपनी आवाज़ दी हैं और उनकी लघु फिल्म 'मरमर्स ऑफ द जंगल' ने पुरस्कार और सम्मान हासिल किए। सुमंत ने पचास से ज़्यादा नाटकों में अभिनय किया और कलर्स मराठी के इंद्रयानी में भी नज़र आए।

Sumant Shinde is an actor, voiceover artist, and theatre graduate from Lalit Kala Kendra Gurukul. He has voiced projects for animated series and commercials, and his award-winning short 'Murmurs of the Jungle' has earned many accolades. Sumant has performed in over 50 plays and appeared in 'Indrayani' on Colors Marathi.

Director	Sohil Abhijit Vaidya
Producer	Sohil Abhijit Vaidya
Editor	Sohil Abhijit Vaidya
Cinematographer	Digvijay Thorat
Sound Designer	Bigyna Dahal

वॉयसओवर (प्रकथन) रहस्यमय सुरों और ध्वनि की बनावट के माध्यम से भावनाओं को बहुत ही नाजुक और प्रभावी ढंग से जोड़ता है।

The voiceover connects the emotions very delicately and effectively through mysterious intonations & aural textures.

गैर-फीचर फिल्में/NON-FEATURE FILM

मोनो नो अवेर
MONO NO AWARE

हिन्दी एवं अंग्रेज़ी / **Hindi English**| **20** minutes

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ पटकथा
Best Script

रजत कमल | **Rajat Kamal**
₹2,00,000/-

Director	Koushik Sarkar
Producer	Kali Collective India
Editor	Rudro Bhandary
Cinematographer	Siddharth Diwan
Sound Designer	Amala Popuri

विजेता / AWARDEE

कौशिक सरकार
Koushik Sarkar

कौशिक सरकार ने एनआईडी, अहमदाबाद से फोटोग्राफी और फ़िल्म निर्देशन का अध्ययन किया। इनके वृत्तचित्रों को अंतर्राष्ट्रीय समारोहों में दिखाया गया है। इनकी फ़िल्म 'फ्लाइंग इन ए ब्लू ड्रीम' सोनी बीएमजी द्वारा प्रकाशित की गई थी। इन्होंने 2007 में एपोस्ट्रोफ फिल्म्स की स्थापना की, जो एक प्रमुख विज्ञापन कंपनी है, और अब विवरणात्मक प्रोजेक्ट पर ध्यान केंद्रित करते हुए KALI कलेक्टिव इंडिया चलाते हैं।

Koushik Sarkar studied photography and film direction at NID, Ahmedabad. His documentaries have been featured at international festivals. His film 'Flying in a Blue Dream' was published by Sony BMG. He founded Apostrophe Films in 2007, a leading advertising company, and now runs KALI Collective India, focusing on narrative projects.

एक बच्चे की आंखों से देखी गई घटनाओं के संवेदनशील चित्रण के लिए जो जीवन में खोने और नश्वरता को स्वीकार करता है।

For the sensitive portrayal of events leading to the acceptance of loss and impermanence of life as seen through the eyes of a child.

बिरुबाला “विच टू पद्मश्री”
BIRUBALA “WITCH TO PADMASHRI”

असमिया / **Assamese** | **30** minutes

पुरस्कार / AWARD

विशेष उल्लेख
Special Mention

Director	Aimee Baruah
Producer	Aimee Baruah Productions Society
Editor	Rantu Chetia
Cinematographer	Bitul Das
Sound Designer	Amrit Pritam

विजेता / AWARDEE

आईमी बरुआ प्रोडक्शन सोसाइटी
Aimee Baruah Production Society

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार विजेता अभिनेत्री-निर्देशक एमी बरुआ के नेतृत्व में एमी बरुआ प्रोडक्शन सोसायटी महत्वपूर्ण फ़िल्मों और वृत्तचित्रों का निर्माण करती है। ‘सेमखोर’ और ‘बीरुबाला: विच टू पद्मश्री’ के लिए तीन राष्ट्रीय पुरस्कारों के साथ, यह सोसायटी असम में बच्चों के पोषण और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए दान के कार्य में भी संलग्न है।

The Aimee Baruah Production Society, led by National Film Award-winning actress-director Aimee Baruah, produces acclaimed films and documentaries. With three National Awards, including for ‘Semkhor’ and ‘Birubala: Witch to Padmashree’, the society also engages in philanthropy, focusing on children’s nutrition and women’s empowerment in Assam.

ग्रामीण असम में डायन शिकार के संकट के खिलाफ अकेले लड़ने वाले बिरुबाला राभा के साहस और दृढ़ संकल्प को उजागर करने के लिए।

For highlighting Birubala Rabha’s courage and determination to single-handedly fight the scourge of witch hunting in rural Assam.

गैर-फ़ीचर फ़िल्में/NON-FEATURE FILM

बिरुबाला “विच टू पद्मश्री”
BIRUBALA “WITCH TO PADMASHRI”

असमिया / **Assamese** | **30** minutes

पुरस्कार / AWARD

विशेष उल्लेख
Special Mention

Director	Aimee Baruah
Producer	Aimee Baruah Productions Society
Editor	Rantu Chetia
Cinematographer	Bitul Das
Sound Designer	Amrit Pritam

विजेता / AWARDEE

आईमी बरुआ
Aimee Baruah

प्रसिद्ध अभिनेता-निर्देशक एमी बरुआ ने अपनी पहली फ़िल्म ‘सेमखोर’ के लिए दो राष्ट्रीय पुरस्कार और ‘स्क्रीमिंग बटरफ्लाइज’ के लिए सिल्वर कोंच जीता है। वह कान में भाग लेने वाली पहली असमी अभिनेत्री थीं। 29 फ़िल्मों के साथ-साथ समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र की पढ़ाई कर चुकी बरुआ डॉ. भूपेन हज़ारिका की फ़िल्मों पर पीएचडी कर रही हैं।

Aimee Baruah, a renowned actor-director, has won two National Awards for her debut film ‘Semkhor’ and the Silver Conch for ‘Screaming Butterflies’. She was the first Assamese actress to attend Cannes. With 29 films and a background in Sociology and Economics, she’s pursuing a PhD on Dr. Bhupen Hazarika’s films.

ग्रामीण असम में डायन शिकार के संकट के खिलाफ अकेले लड़ने वाले बिरुबाला राभा के साहस और दृढ़ संकल्प को उजागर करने के लिए।

For highlighting Birubala Rabha’s courage and determination to single-handedly fight the scourge of witch hunting in rural Assam.

हरगिला - दि ग्रेटर एडजुटेंट स्टोर्क
HARGILA – THE GREATER ADJUTANT STORK

असमिया / **Assamese** | **28** minutes

पुरस्कार / AWARD

विशेष उल्लेख
Special Mention

Director	Partha Sarathi Mahanta
Producer	PI Entertainment
Editor	Samujjal Kashyap, Gautam Mazumdar
Cinematographer	Amiya Ranjan Das, Joyprakash Chakravarty and Manas Sagra
Sound Designer	Nabarun Borah

विजेता / AWARDEE

पीआई एंटरटेन्मेंट
PI Entertainment

मीना महंत और इंद्राणी बरुआ के नेतृत्व में पीआई एंटरटेनमेंट, 'हरगिला', 'बोहाग बोहाग मोन' और 'लाचित द वॉरियर' जैसी वाह-वाही पा चुकी लघु फ़िल्मों और वृत्तचित्रों के माध्यम से असम की विरासत का जश्न मनाता है। असम की संस्कृति और उपलब्धियों को दुनिया से मिलवाने के लिए प्रतिबद्ध, इस प्रोडक्शन हाउस का लक्ष्य राज्य की अनूठी कहानियों को असम के बाहर के दर्शकों के साथ साझा करना है।

PI Entertainment, led by Mina Mahanta and Indrani Baruah, celebrates Assam's heritage through acclaimed short films and documentaries like 'Hargila', 'Bohag Bohag Mon', and 'Lachit the Warrior'. Committed to showcasing Assam's culture and achievements, the production house aims to share the state's unique stories with a broader audience.

ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क की घटती आबादी को विलुप्त होने से बचाने के लिए पूर्णिमा देवी बर्मन के अथक प्रयासों को प्रकाश में लाने के लिए।

For bringing to light Purnima Devi Barman's relentless efforts to save the dwindling population of the Greater Adjutant Stork from extinction.

गैर-फ़ीचर फ़िल्में/NON-FEATURE FILM

हरगिला - दि ग्रेटर एडजुटेंट स्टोर्क
HARGILA – THE GREATER ADJUTANT STORK

असमिया / **Assamese** | **28** minutes

पुरस्कार / AWARD

विशेष उल्लेख
Special Mention

Director	Partha Sarathi Mahanta
Producer	PI Entertainment
Editor	Samujjal Kashyap, Gautam Mazumdar
Cinematographer	Amiya Ranjan Das, Joyprakash Chakravarty, Manas Sagra
Sound Designer	Nabarun Borah

विजेता / AWARDEE

पार्थ सारथी महंत
Partha Sarathi Mahanta

डॉ. पार्थसारथी महंत 30 सालों से अधिक की सेवा के साथ एक पुलिस अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह कला, साहित्य और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं। इन्हें कई पुरस्कार मिले हैं। वह एक लेखक, कवि, फ़िल्म निर्माता और सांस्कृतिक कार्यकर्ता भी हैं, इन्हें असमिया सिनेमा और सामाजिक कारणों में उनके योगदान के लिए पहचाना जाता है।

Dr. Partha Sarathi Mahanta is a police officer and social worker with over 30 years of service. He excels in various fields, including arts, literature, and sports. He has received numerous awards. He is also an author, poet, filmmaker and cultural activist, recognized for his contributions to Assamese cinema and social causes.

ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क की घटती आबादी को विलुप्त होने से बचाने के लिए पूर्णिमा देवी बर्मन के अथक प्रयासों को प्रकाश में लाने के लिए।

For bringing to light Purnima Devi Barman's relentless efforts to save the dwindling population of the Greater Adjutant Stork from extinction.

कथासार
SYNOPSIS

फ्रॉम द शैडोज़
FROM THE SHADOWS

PAGE NO. 148

लीना, सामाजिक रूप से प्रासंगिक कला को दीवारों पर उकेरती है और वह एक ऐसी लड़की का साथ देती है जो अपने तस्करों को चुनौती देते हुए वेश्यालय से भाग जाती है। ये दोनों अनुभवी कार्यकर्ता हसीना से मदद मांगती हैं। उनके प्रयास एक दूसरे के प्रति तब आशा जगाते हैं, जब ये महिलाएं उस देश के एक खतरनाक तस्करी नेटवर्क का सामना करती हैं जहां हर आठ मिनट में एक बच्चा गायब हो जाता है।

Leena, who paints walls with socially relevant art, joins a girl escaping from a brothel to challenge her traffickers and they seek help from veteran activist Hasina. Their efforts intersect, offering hope as women confront a powerful trafficking network in a country where a child disappears every eight minutes.

मोनो नो अवेर
MONO NO AWARE

PAGE NO. 149, 154

मुंबई के उपनगर में रहने वाली 10 साल की पूर्णिमा रोज़ की तरह जब सुबह उठती है तो उसे कुछ खोने का एहसास होता है। जैसे-जैसे दिन चढ़ता है और वह स्कूल के लिए निकलती है, और वह पुरानी पहाड़ी पर मौजूद एक वृद्धाश्रम में पहुंचती है। जहां उसका राब्ता एक अहसास से होता है मोनो नो अवेर जो चीजों के प्रति सहानुभूति या गुज़रते हुए देखने के लिए एक बौद्ध शब्द है। पूर्णा को सर्कस रूपी जिंदगी के दुखद, खट्टे-मीठे भावों का पता चलता है और उसे समझ आता है कि जिंदगी में अच्छा हो या बुरा कुछ भी टिक कर नहीं रहता है ।

Poorna, a 10-year-old girl in suburban Mumbai, wakes up to her routine morning and a looming sense of loss. As the day progresses with a school outing, she visits an old hill and an old age home. A day spent in 'Mono no Aware' - a Buddhist word for 'watching the passing', Poorna discovers the quietly tragic, bittersweet circus of life - the ephemeral nature of all things bad or beautiful and knowing that none of it can last.

यान
YAAN

PAGE NO. 150

सुखराम, एक गरीब किसान है जो असाध्य बीमारी से पीड़ित है और छोटे शहर के पास एक अकेली झोपड़ी में रहता है। उसे अस्पताल जाने के लिए जब एंबुलेंस नहीं मिल पाती है, तो उसकी पत्नी और पोता खुद से एक गाड़ी तैयार करते हैं और उसे अस्पताल ले जाते हैं। वे लोग ठीक उसी वक्त अस्पताल पहुंचते हैं, जब देश मंगल मिशन की सफलता का जश्न मना रहा होता है, फ़िल्म एक तरफ देश में हो रहे तकनीकी विकास और दूसरी तरफ सुखराम जैसे लोग जो बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं उनके बीच की खाई को उजागर करती है ।

Sukhram, a terminally ill poor farmer, living in a solitary hut near a small town, is denied an ambulance to get to a hospital in a nearby town. His wife and grandson, decide to build a makeshift vehicle and drag him there themselves. They arrive at the same time as the country's celebration of a successful mission to Mars, highlighting the stark contrast between the lack of basic facilities for people like Sukhram and the country's technological advancements.

कथासार
SYNOPSIS

मध्यांतर
MADHYANTARA

PAGE NO. 151

1970 के दशक के कर्नाटक में पले-बढ़े दो छोटे लड़के, एक सुदूर इलाके में एक भोजनालय में वेटर के रूप में काम करते हैं। उनकी गरीबी कभी भी उनके फिल्मों के प्रति प्रेम में रुकावट नहीं बनती और यह फ़िल्म इन दोनों के चप्पल घिसने वाले फ़िल्म प्रेमी होने से लेकर फिल्म निर्माण में कदम रखने और अंततः खुद निर्देशक बनने तक की यात्रा को दर्शाती है।

Two little boys, growing up in the 1970s Karnataka, work as waiters at an eatery in a mofussil town. Their poverty is no impediment to their love for movies. This film follows the duo's journey from being pedestrian film buffs to their foray into filmmaking, eventually becoming directors themselves.

फ़ुरसत
FURSAT

PAGE NO. 152

एक वैज्ञानिक जिसकी नज़र हमेशा भविष्य पर केंद्रित रहती है और इसके चलते वह वर्तमान के आनंद को अपने से दूर करता रहता है। एक युवक को एक प्राचीन अवशेष मिलता है जो उसे भविष्य में झांकने का मौका देता है। हालांकि, जब उसकी प्रेमिका पर खतरा मंडराता है तो उसे एहसास होता है कि जीवन में वास्तव में क्या मायने रखता है। आगे क्या होगा, इसे नियंत्रित करने के जुनून में, वह वर्तमान में जो कुछ भी अहमियत रखता है उसे खोने का जोखिम उठाता है ।

A temporal scientist sets his sights on the future and lets the joys of the present slip away from him. A young man unearths an ancient relic that lets him peek into the future. However, when danger looms over his lady love, he comes to realize what truly matters in life. In his obsession to control what lies ahead, he risks losing all that's important in the present.

मर्मर्स ऑफ द जंगल
MURMURS OF THE JUNGLE

PAGE NO. 153

एक लड़का पश्चिमी घाट के अपने सुदूर गाँव के बारे में अपनी दादी की कहानी सुनाता है, जहां जैसे ही सुबह होती है, आत्माएं जंगल में घूमने लगती हैं और अंधेरे राज़ और बाप-दादा के रहस्यों को उजागर करती हैं। जंगल जीवन, मृत्यु और पुनर्जन्म के शाश्वत चक्र का प्रतीक है, जो प्राचीन और आधुनिकता को जोड़ता है।

A boy recounts his grandmother's tale about their remote village in the Western Ghats. As morning unfolds, spirits roam the forest, revealing dark secrets and ancestral whispers. The forest symbolizes the eternal cycle of life, death, and rebirth, bridging the ancient and the modern.

कथासार
SYNOPSIS

बिरुबाला "विच टू पद्मश्री"
BIRUBALA "WITCH TO PADMASHRI"

PAGE NO. 155, 156

वृत्तचित्र बीरुबाला: विच टू पद्मश्री असम में जादू-टोना और अंधविश्वास के खिलाफ बीरुबाला राभा की लड़ाई को दर्शाती है। अपनी सीमित औपचारिक शिक्षा के बावजूद, इन्होंने नीम-हकीम से निपटने के साथ ही महिलाओं को सहारा देने के लिए मिशन बिरुबाला की स्थापना की और 2021 में इन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया गया। वह 2005 में नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित भी थीं।

The documentary Birubala: Witch to Padmashri showcases Birubala Rabha's fight against witchcraft and superstitions in Assam. Despite her limited formal education, she founded Mission Birubala to combat quackery, provide refuge for women, and was honored with the Padma Shri in 2021. She was also a Nobel Peace Prize nominee in 2005.

हरगिला - दि ग्रेटर एडजुटेंट स्टोर्क
HARGILA – THE GREATER ADJUTANT STORK

PAGE NO. 157, 158

'हरगिला' पार्थ सारथी महंत द्वारा निर्देशित एक वृत्तचित्र है, जो लुप्तप्राय ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क पर प्रकाश डालती है। यह फ़िल्म असम में संरक्षण के लिए ग्रामीणों को शामिल करने के वन्यजीव विज्ञानी पूर्णिमा देवी बर्मन के प्रयासों पर प्रकाश डालती है। फ़िल्म इस महत्वपूर्ण प्रजाति के विलुप्त होने को रोकने के लिए समाधान तलाशती है, जिनकी संख्या असम में लगभग 800 है।

'Hargilla' is a documentary directed by Partha Sarathi Mahanta, spotlighting the endangered Greater Adjutant Stork. It highlights wildlife biologist Purnima Devi Barman's efforts to engage villagers in Assam for conservation. The film seeks solutions to prevent the extinction of this vital species, which total to about eight hundred in Assam.

पुरस्कारों का उद्देश्य एक कला रूप के रूप में सिनेमा के अध्ययन और सराहना को प्रोत्साहित करना और पुस्तकों, लेखों, समीक्षाओं आदि के प्रकाशन के माध्यम से इस कला रूप की जानकारी का प्रसार और आलोचनात्मक सराहना करना है।

The awards aim at encouraging study and appreciation of cinema as an art form and the dissemination of information and critical appreciation of this art form through the publication of books, articles, reviews, etc.

70वें

BEST WRITING ON CINEMA

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन

किशोर कुमार: द अल्टीमेट बायोग्राफी
KISHORE KUMAR: THE ULTIMATE BIOGRAPHY

अंग्रेज़ी / **English**

पुरस्कार / AWARD

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तक (साझा)
Best Book on Cinema (Shared)

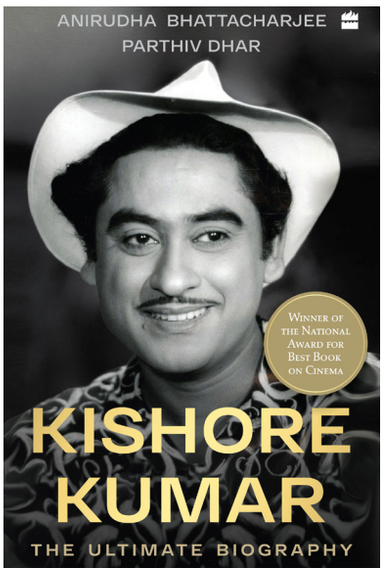

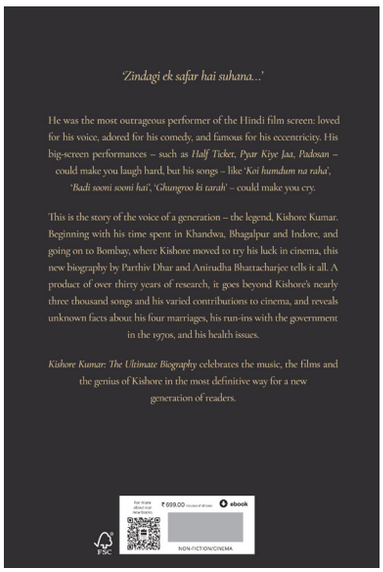
'Zindagi ek safar hai suhana...'
He was the most outrageous performer of the Hindi film screen: loved for his voice, adored for his comedy, and famous for his eccentricity. His big-screen performances – such as Half Ticket, Pyar Kiye Jaa, Padosan – could make you laugh hard, but his songs – like 'Koi humdum na raha', 'Badi soooni sooni hai', 'Ghungroo ki tarah' – could make you cry.
This is the story of the voice of a generation – the legend, Kishore Kumar. Beginning with his time spent in Khandwa, Bhagalpur and Indore, and going on to Bombay, where Kishore moved to try his luck in cinema, this new biography by Parthiv Dhar and Anirudha Bhattacharjee tells it all. A product of over thirty years of research, it goes beyond Kishore's nearly three thousand songs and his varied contributions to cinema, and reveals unknown facts about his four marriages, his run-ins with the government in the 1970s, and his health issues.
Kishore Kumar: The Ultimate Biography celebrates the music, the films and the genius of Kishore in the most definitive way for a new generation of readers.
₹ 699.00
ebook
NON-FICTION/CINEMA

स्वर्ण कमल | **Swarna Kamal**
₹1,00,000/-

कथासार / SYNOPSIS

हिंदी फ़िल्म स्क्रीन का ऐसा अद्भुत कलाकार - जिसकी आवाज़ को प्यार मिला, जिसकी कॉमेडी को सराहा गया और जो जाने जाते हैं अपने अनोखे अंदाज़ के लिए; यह कहानी है, एक पीढ़ी की आवाज़ की, यह किशोर कुमार की कहानी है। इस नई तरह की जीवनी को तैयार होने में तीस सालों का गहन शोध है। जो आज के दौर के पाठकों को इस महान शख्सियत से रूबरू करवाती है ।

भारत के प्रसिद्ध गायक, संगीतकार, अभिनेता और फ़िल्म निर्माता किशोर कुमार पर शोध करके लिखी गई किताब जो जितनी सरल है, उतनी ही असरदार भी। अध्यायों का सिलसिलेवार लेखन किशोर की कठिन यात्रा को आसानी से समझने में मदद करता है। लेखक जोड़ी अनिरुध भट्टाचार्य और पार्थिव धर ने इस विलक्षण प्रतिभा के हर पहलू को छुआ है ।

The most outrageous performer of the Hindi film screen - loved for his voice, adored for his comedy, and famous for his eccentricity; this is the story of the voice of a generation - Kishore Kumar. This new biography compiles over 30 years of research, redefining the legendary man for new readers.

A well-researched book on India's legendary singer, composer, actor, and filmmaker Krishore Kumar, it has a simple yet effective narrative. The linear construction of chapters helps in understanding Kishore's tedious journey. Writer duo Anirudha Bhattacharjee and Parthiv Dhar deal with every aspect of this maverick talent.

प्रकाशक / PUBLISHER

हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर्स इंडिया प्रा. लि.
HarperCollins Publishers India Pvt. Ltd

हार्पर कॉलिन्स भारत और दुनियाभर के कुछ बेहतरीन लेखकों को प्रकाशित कर चुका है। विभिन्न विषयों पर 250 से ज्यादा शीर्षकों के डिजिटल और प्रिंट कैटलॉग सहित हार्पर कॉलिन्स हर साल करीब 2000 नई किताबें प्रकाशित करता है। इनके लेखकों को साहित्यिक पुरस्कारों की श्रेणी में उल्लेखनीय सम्मान हासिल हो चुके हैं।

Harper Collins has published some of the finest writers from the Indian subcontinent and around the world, publishing 250 new books every year, with a print and digital catalogue of more than 2000 titles across genres. Their authors have won a phenomenal range of literary awards.

लेखक / AUTHOR

अनिरुध भट्टाचार्य
Anirudha Bhattacharjee

अनिरुध भट्टाचार्य की पहली किताब आर.डी.बर्मन - दि मैन, दि म्यूज़िक ने सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तक का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया है। इनकी दूसरी किताब, गाता रहे मेरा दिल ने सिनेमा पर उत्कृष्ट लेखन के लिए उद्घाटन मामी पुस्तक पुरस्कार जीता। यह इनकी चौथी पुस्तक है। यह शौकिया संगीतकार भी हैं ।

Anirudha Bhattacharjee's first book R.D. Burman: The Man, the Music won a National Award for Best Book on Cinema. His second book, Gaata Rahe Mera Dil, won the inaugural MAMI Book Award for Excellence in Writing on Cinema. This is his fourth book. He is also an amateur musician.

पार्थिव धर
Parthiv Dhar

पार्थिव धर, वीआरसीई नागपुर से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं, और इंडियन ऑइल कॉरपोरेशन के साथ जुड़े हुए हैं। गुवाहाटी के पार्थिव वर्तमान में अपने परिवार के साथ हैदराबाद में रहते हैं। जब यह किशोर कुमार को नहीं सुन रहे होते हैं, उस वक्त यह नेताजी सुभाष चंद्र बोस पर शोध कर रहे होते हैं।

Parthiv Dhar is a civil engineering graduate from VRCE Nagpur, currently employed with Indian Oil Corporation Ltd. Originally from Guwahati, he now lives in Hyderabad with his family. When not listening to Kishore Kumar, he is busy continuing his research on Netaji Subhas Chandra Bose.

दीपक दुआ
DEEPAK DUA

हिन्दी / **Hindi**

पुरस्कार / AWARD

सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म समीक्षक
Best Film Critic

स्वर्ण कमल | **Swarna Kamal**
₹1,00,000/-

प्रोफ़ाइल / PROFILE

दीपक दुआ फ़िल्म समीक्षक और पत्रकार हैं। यह विभिन्न अखबारों, वेब-पोर्टल और टीवी चैनल के लिए लिखते हैं। इन्होंनें फ़िल्म पत्रकारिता पर एक अध्याय लिखा है ,जिसे उत्तराखंड ओपन विश्वविद्यालय में पढ़ाया जाता है। इनकी दंगल पर की गई समीक्षा को विद्यालयों में पढ़ाया जाता है। यह फ़िल्म क्रिटिक गिल्ड के सदस्य भी हैं।

दीपक दुआ का लेखन उनके द्वारा समीक्षा की जाने वाली फ़िल्मों की संवेदनशीलता पर गहरी अंतर्दृष्टि और बिना किसी पक्षपात के राय देता है। अच्छी तरह से शोध किए गए, उनके कॉलम और लेख सिनेमा के उन पहलुओं की संवेदनाओं को बखूबी दर्शाते हैं जिनका वे मूल्यांकन करते हैं।

Deepak Dua is a film critic and journalist. He writes for various newspapers, web-portals and T.V. channels. He has authored the chapter 'Film Journalism' which is taught in Uttarakhand Open University. His review of Dangal is often taught in schools. He is also a member of the Film Critics Guild.

Deepak Dua's writings provide a deep insight and his objective opinion on the sensibilities of films he reviews. Well researched, his columns and articles ably capture the sensibilities of aspects of cinema he appraises.

77वें

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन / BEST WRITING ON CINEMA

NATIONAL FILM AWARDS CELL

Indrani Bose, Deputy Director
Tanu Rai, Deputy Director
Rakesh Kumar, Deputy Director (Accounts)
Anil Ambarik
Kaushalya Mehra
Hemant G. Khardikar
Gautam Singh
Roshan Kumar Vatsa
Govind Sahoo
Anup Kumar
Vikram Singh
Lokesh Chaudhary
Ankit

PROJECTION AND TECHNICAL SUPERVISION, SIRI FORT AUDITORIUM

Om Prakash, CCW (AE)
Imtiyaz Ahmad
Mahadev Road Auditorium
Ashok Hitaishi

STAFF CO-ORDINATORS:
Deepak Kumar
Mithun Gora
Mrityunjay Sarkar
Rajesh Kumar
Ravi Kumar
Vishal